महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षो से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

सुविचार

किसी भी इंसान के जीवन में समय रहते सुधार अति आवश्यक है नहीं तो समय ऐसा सुधार कर देगा कि हम कोई सुधार करने के लिए लायक नहीं रहेंगे...

वर्ष : 16 अंक : 309 | उज्जैन, मंगलवार 21 अप्रैल 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

सपा सरकार बनने पर फ्री मिलेगी 300 यूनिट बिजली, महिलाओं को 40 हजार पेंशन; यूपी चुनाव से पहले अखिलेश का बड़ा वादा

लखनऊ/ जीएनएस। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने वर्ष 2027 के चुनाव में पार्टी की सरकार बनने पर 300 यूनिट बिजली मुफ्त देने की घोषणा की है। सपा प्रमुख ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय पर आयोजित बैठक में यह घोषणा की और महिलाओं को साल में 40 हजार रुपए पेंशन का अपना चुनावी वादा भी दोहराया। उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतंत्र और संविधान विरोधी है। इसने प्रदेश की स्वास्थ्य शिक्षा, बिजली व्यवस्था सब चौपट कर दी है। सपा सरकार आने पर व्यवस्था में सुधार होगा और हर वर्ग को न्याय मिलेगा। वर्ष 2022 के विधान सभा चुनाव में भी सपा ने 300 यूनिट मुफ्त बिजली का वादा किया था। सपा प्रमुख ने कहा कि प्रदेश में स्मार्ट मीटर के नाम पर चल रही बिजली की ठगी के खिलाफ प्रदेश की जनता के गुस्से का मीटर हाई है, भाजपा के बिजली मीटर भी, ईवीएम मशीन की तरह हेराफेरी करते हैं। महंगे सिलिंडर और महंगी बिजली के बिल ही भाजपा का कनेक्शन सत्ता से काट देंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वर्ष 2024 लोकसभा चुनाव का परिणाम दोहराते हुए वर्ष 2027 में अधिक से अधिक विधायक जिताना है। भाजपा की कुटिल चालों पर नजर रखनी होगी। वह झूठे आरोप लगाकर समाजवादियों को बदनाम करने की कोशिश करती है। एक अन्य बयान में महिला आरक्षण मुद्दे को लेकर कहा कि भाजपाई और उनके संगी-साथियों द्वारा अब नकली विरोध की शूटिंग कराई जा रही है। इसमें शामिल युवक-युवतियों का हम दोषी नहीं मानते, क्योंकि बेतहाशा बेरोजगारी के इस भाजपाई दौर में मजबूर होकर दो पैसों की उम्मीद में लोग कुछ भी करने को तैयार हैं। भाजपा पहले गरीबी-मजबूरी पैदा करती है, फिर उनकी मजबूरी का फायदा उठाकर इस्तेमाल करती है।

जम्मू-कश्मीरः वर्दी में दिखे फरिश्ते, CRPF के जवानों ने रक्तदान कर बचाई उधमपुर बस हादसे के घायलों की जान

उधमपुर/ जीएनएस। रामनगर में हुए दर्दनाक सड़क हादसे के बाद जहां एक तरफ अफरा-तफरी का माहौल था, वहीं दूसरी ओर मानवता की मिसाल भी देखने को मिली। घायल लोगों की जान बचाने के लिए 137 बटालियन सीआरपीएफ के जवानों ने आगे बढ़कर रक्तदान किया और संकट की इस घड़ी में अपना फर्ज निभाया। जैसे ही हादसे में घायलों को जीएमसी उधमपुर अस्पताल लाया गया, अस्पताल में खून की आवश्यकता महसूस होने लगी। इस पर 137 बटालियन सीआरपीएफ के कमांडेंट मनोज कुमार के नेतृत्व में जवानों ने तुरंत पहल की और बड़ी संख्या में रक्तदान कर जरूरतमंदों की मदद की।

कमांडेंट मनोज कुमार, 137 बटालियन सीआरपीएफ की अध्यक्षता में आयोजित इस रक्तदान अभियान में जवानों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जवानों का कहना था कि देश सेवा के साथ-साथ मानव सेवा भी उनका कर्तव्य है, और ऐसे समय में पीछे हटना उनके स्वभाव में नहीं है। अस्पताल प्रशासन ने भी जवानों के इस कदम की सराहना की और कहा कि समय पर मिले खून से कई घायलों की जान बचाने में मदद मिली है। हादसे के बाद उत्पन्न गंभीर स्थिति में सीआरपीएफ के जवानों का यह योगदान राहत कार्यों में बेहद अहम साबित हुआ। इस दौरान अस्पताल परिसर में एक अलग ही दृश्य देखने को मिला, जहां एक ओर घायल जिंदगी की जंग लड़ रहे थे, वहीं दूसरी ओर वर्दीधारी जवान उनके लिए जीवनदान देने में जुटे थे।

पानी बचाना हमारी जरूरत भी है और जिम्मेदारी भी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

'जल गंगा संवर्धन अभियान' से प्रदेश में जल संरक्षण को मिली नई गति

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में जल संरक्षण को जन-आंदोलन बनाया जा रहा है। पानी बचाना बेहद जरूरी है। यह हमारी सामाजिक जिम्मेदारी भी है, जिससे हमारी आने वाली पीढ़ियां प्रकृति के इस अनमोल वरदान से कभी भी कमी महसूस नहीं करें। इसके लिए हमें अपने वर्तमान जल स्रोतों के साथ सूख चुके जल स्रोतों को संरक्षित करना ही होगा। उन्होंने कहा कि पानी बचाने के लिए प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। सरकार और समाज के साझा प्रयासों से हो रहे इस अभियान में बीते एक माह में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के सभी नागरिकों से इस अभियान में सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया है।

प्रदेश में संचालित 'जल गंगा संवर्धन अभियान' ने अल्प समय में ही उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। विगत 19 मार्च 2026 से प्रारंभ हुआ यह अभियान जल संरक्षण, जल संरचनाओं के संवर्धन और जनभागीदारी का एक व्यापक जन-आंदोलन बनता जा रहा है। इस अभियान के प्रभाव से ही मध्यप्रदेश राष्ट्रीय स्तर पर अपनी रैंकिंग सुधारकर अब तीसरे स्थान पर आ गया है। अभियान से पहले मध्यप्रदेश नेशनल रैंकिंग में छठवें स्थान पर था।

राज्य सरकार द्वारा आगामी 30 जून तक चलाए जा रहे इस अभियान में 16 विभागों की 58 गतिविधियां नियत की गई हैं। इसके लिए लगभग 6 हजार 278 करोड़ रुपये का वित्तीय लक्ष्य तय किया गया है। इस अभियान में कुल 2 लाख 44 हजार से अधिक जल संरक्षण एवं संवर्धन कार्यों को चिन्हित कर लगभग 6 हजार 236 करोड़ रुपये की लागत से विकास कार्यों का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

अभियान की मॉनिटरिंग एकीकृत डैश बोर्ड से- आयुक्त, मनरेगा ने बताया कि अभियान की एक ही प्लेटफार्म पर नियमित मॉनिटरिंग के लिए एक एकीकृत डैश बोर्ड तैयार किया गया है, जिससे सभी विभाग अपनी-अपनी विभागीय गतिविधियों की प्रगति दर्ज कर रहे हैं। इस डैश बोर्ड से जिलेवार रैंकिंग भी सुनिश्चित की जा रही है। इस डैश बोर्ड से प्रशासनिक एवं विभागीय पारदर्शिता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को भी बढ़ावा मिल रहा है। प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। अभियान अंतर्गत 39 हज़ार 977 खेत तालाबों का निर्माण, 59 हज़ार 577 कूप-रीचार्ज संरचनाओं तथा 21 हज़ार 950 से अधिक पहले से निर्मित जल संरचनाओं को पुनर्जीवित भी किया गया है। इसके साथ ही अमृत सरोवरों के निर्माण और उनके उपयोग को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

नगरीय क्षेत्रों में जल संरक्षण- नगरीय क्षेत्रों में भी जल संरक्षण को लेकर व्यापक कार्य किए जा रहे हैं। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा तालाब, कुएं और पुरानी बावड़ियों के संवर्धन, नालों की सफाई और सौंदर्यीकरण तथा रैन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की स्थापना जैसे कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त तेज़ गर्मी को देखते हुए नगरीय निकायों द्वारा विभिन्न स्थानों पर प्याऊ की स्थापना भी की गई है।

म.प्र. जन अभियान परिषद चला रही जनजागरूकता गतिविधियाँ- म.प्र. जन अभियान परिषद के माध्यम से राज्य में जल संरक्षण को लेकर व्यापक जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में 5 लाख 25 हजार से अधिक व्यक्तियों की सक्रिय सहभागिता दर्ज की गई। साथ ही प्रदेश के विभिन्न विकासखंडों में 2 हज़ार 682 जल मंदिर (प्याऊ) स्थापित किए गए हैं।

स्कूलों में जागरूकता गतिविधियां- स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा भी इस अभियान में व्यापक तौर पर भागीदारी की जा रही है। राज्य के हजारों विद्यालयों में जल रैलियां, निबंध, पोस्टर प्रतियोगिताएं और संवाद कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों और अभिभावकों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया है।

तकनीकी नवाचार अंतर्गत वॉटरशेड विकास कार्यों की रियल टाइम मॉनिटरिंग, ऑनलाइन स्वीकृति और मोबाइल ऐप आधारित ट्रैकिंग प्रणाली लागू की गई है, जिससे कार्यों की गुणवत्ता और प्रशासनिक पारदर्शिता भी सुनिश्चित हो रही है। वन और पर्यावरण विभाग द्वारा भी जल संरक्षण के साथ पारिस्थितिकीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए विभिन्न फील्ड गतिविधियां की जा रही हैं। नदियों के जल की गुणवत्ता का परीक्षण, जल संरचनाओं का निर्माण तथा पौधरोपण की तैयारी जैसे कार्य इसमें शामिल किए गए हैं।

राज्य सरकार द्वारा सतत् मॉनिटरिंग और नियमित रूप से समीक्षा की जा रही है। इससे धरातल पर मौजूद व्यावहारिक कमियों को दूर करने में भी मदद मिल रही है। 'जल गंगा संवर्धन अभियान' से मध्यप्रदेश में जल संरक्षण की दिशा में ठोस परिणाम मिलने शुरू हो गए है। मध्यप्रदेश सरकार की यह पहल देश के दूसरे राज्यों के लिए एक अनुकरणीय मॉडल बनती जा रही है।

यूपी-बिहार समेत देशभर के लिए 15 जुलाई तक चलेंगी 900 स्पेशल ट्रेनें, वेटिंग से मिलेगी राहत

नई दिल्ली/ जीएनएस। क्या आप इस गर्मी में कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं, लेकिन ट्रेन टिकट मिलने को लेकर परेशान हैं? अगर हां तो बेफिक्र हो जाइए, क्योंकि भारतीय रेलवे इस भीड़ से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है।

अगर आप अप्रैल से जुलाई के बीच घूमने का प्लान कर रहे हैं, तो पूरी संभावना है कि आपको सीट मिल जाएगी। ऐसा इसलिए क्योंकि, गर्मियों में भीड़ को देखते हुए भारतीय रेलवे ने पूरे देश में स्पेशल ट्रेन चलाने के लिए एलान किया है। इस फैसले का मकसद पूरे देश में यात्रा को ज्यादा आसान और सुविधाजनक बनाना है।

कब से कब तक चलेंगी स्पेशल ट्रेने- 15 अप्रैल से 15 जुलाई 2026 के बीच के लिए, कुल 908 समर स्पेशल ट्रेनों को मंजूरी दी गई है, जो मिलकर 18,262 फेरे लगाएंगी। मंजूर की गई कुल स्पेशल ट्रेनों में से, 660 ट्रेनों के बारे में पहले ही सूचना जारी कर दी गई थी, जो 11,294 फेरे लगाएंगी। रेलवे नेटवर्क की यह तैयारी सभी प्रमुख जोन तक फैली है।

जोन वाइस ट्रेन - दक्षिण मध्य रेलवे ने 124 ट्रेनों (1,184 ट्रिप) को मंजूरी दी है, जिनमें से 76 ट्रेनों (324 ट्रिप) के बारे में पहले ही सूचना जारी की जा चुकी है।

पश्चिम रेलवे ने 106 ट्रेनों (2,078 ट्रिप) को मंजूरी दी है, जिनमें से 92 ट्रेनों (1,667 ट्रिप) के बारे में सूचना जारी की जा चुकी है।

उत्तर पश्चिम रेलवे ने 76 ट्रेनों (2,245 ट्रिप) को मंजूरी दी है, जिनमें 62 अधिसूचित सेवाएं (1,878 ट्रिप) शामिल हैं।

उत्तर रेलवे ने 76 ट्रेनों (2,090 ट्रिप) को मंजूरी दी है, जिनमें से 56 ट्रेनों (1,535 ट्रिप) के बारे में सूचना जारी की जा चुकी है।

मध्य रेलवे ने 74 ट्रेनों (3,082 ट्रिप) को मंजूरी दी है, जिनमें से 70 ट्रेनों (2,238 ट्रिप) के बारे में पहले ही सूचना जारी की जा चुकी है।

डिजिटल गिरफ्तारी के मामलों में पढ़े-लिखे लोगों का ठगा जाना चौंकाने वाला, सीजेआई ने जताई चिंता

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल ठगी के मामलों पर चिंता जताते हुए कहा कि यह चौंकाने वाली बात है कि पढ़े-लिखे लोग भी साइबर ठगी का शिकार हो रहे हैं।

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने सोमवार ये टिप्पणी उस वक्त की जब केंद्र सरकार की ओर से पेश अटार्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने विभिन्न विभागों में साइबर ठगी पर अंकुश के मामले में बैठकें चलने और मुद्दा विचाराधीन होने के आधार पर डिजिटल अरेस्ट के मामले की सुनवाई 12 मई तक टालने का अनुरोध किया।

सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल ठगी पर जताई चिंता- डिजिटल अरेस्ट के मामले में सुप्रीम कोर्ट स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई कर रहा है। सोमवार को सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि वह उस महिला को आधिकारिक रूप से जानते हैं, जिसके सेवानिवृति के सभ्रे लाभ धोखे से हड़प लिये गए। उसने अपनी सारी जमां पूंजी खो दी।

मामले की सुनवाई 12 मई तक स्थगित- जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि यह चौकाने वाली बात है कि इतने पढ़े लिखे लोग भी इस तरह ठगी का शिकार हो रहे हैं।

होर्मुज में भारतीय जहाजों पर फायरिंग मामलाः भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा- स्थिति पर हमारी नजर

नई दिल्ली/ जीएनएस। मिडिल ईस्ट में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव अभी भी बना हुआ है। दो दिन पहले 18 अप्रैल को ईरानी गनबोट्स से कई जहाजों पर फायरिंग की थी। इसमें दो भारतीय जहाज भी शामिल थे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा, होर्मुज जलडमरूमध्य के पास दो भारतीय जहाजों पर गोलीबारी के बाद ईरानी दूत को बुलाया गया। इस मामले पर विदेश सचिव ने गहरी चिंता व्यक्त की है।

होर्मुज में भारत के दो जहाजों पर हुआ था हमला- ईरानी मीडिया ने इस मामले के बारे में जानकारी देते हुए बताया था कि फायरिंग के बाद भारतीय जहाज वापस लौट गए हैं। इस मामले में यह भी जानकारी सामने आई थी कि भारत के किसी जहाज को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। भारत की तरफ से भी इस बात की पुष्टि की गई है। बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के प्रवक्ता मंदीप सिंह रंधावा ने कहा, पिछले 48 घंटों में दो भारतीय जहाजों ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरते समय गोलीबारी की घटना की सूचना दी है। किसी के घायल होने की सूचना नहीं है और मंत्रालय लगातार स्थिति पर नजर रख रहा है।

ईरान का हवाई क्षेत्र आंशिक रूप से खुला- विदेश मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव (खाड़ी) असीम आर महाजन ने बताया, भारत से उन देशों के लिए उड़ानें जारी हैं जहां हवाई क्षेत्र खुला है। सचिव ने आगे बताया कि ईरानी हवाई क्षेत्र आंशिक रूप से खुला है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने बताया, खाड़ी देशों तक भारत की पहुंच जारी है, एनएसए अजीत डोभाल ने 19 अप्रैल को सऊदी अरब की आधिकारिक यात्रा की और अपने समकक्ष, ऊर्जा मंत्री, विदेश मंत्री के साथ बैठकें कीं।

भागलपुर-दुमका रेलखंड पर 3 हॉल्ट बनेंगे स्टेशन, एक्सप्रेस ट्रेनों को मिलेगा स्टॉपेज

भागलपुर/ जीएनएस। भागलपुर-दुमका और गोड्डा रेलखंड के तीन हॉल्ट को स्टेशन के रूप में विकसित किया जाएगा। गोनूधाम हॉल्ट, पंजवारा रोड और गंगवारा हॉल्ट को स्टेशन का दर्जा मिलने की पूर्व रेलवे से इसकी मंजूरी भी मिल गई है। स्टेशन बनने से यहां यात्री सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी। प्लेटफॉर्म का विस्तार होगा। सभी स्टेशनों में कम से कम दो प्लेटफॉर्म का निर्माण होगा। यात्रियों के बैठने के लिए अच्छी व्यवस्था की जाएगी। रोशनी की उचित व्यवस्था होगी। 24 घंटे टिकटों की बुकिंग के लिए टिकट घर की व्यवस्था रहेगी। स्टेशन बनने के बाद इन जगहों पर कर्मचारियों की नियुक्ति की जाएगी। मालदा मंडल ने पिछले साल एक सर्वे कराया था। जिसमें ट्रेनों के बेहतर संचालन व यात्री सुविधा बढ़ाने के लिए स्टेशनों को विकसित करने की बात हुई थी। मंडल से प्रस्ताव पूर्व रेलवे के कोलकाता स्थित मुख्यालय को भेजा गया था। जहां से मंजूरी मिल गई है। ये काम गतिशक्ति योजना से कराया जाएगा। अभी इन तीनों जगह पर सिर्फ ट्रेनों का ठहराव होता है। स्टेशन के रूप में विकसित होने के बाद और ट्रेनों का ठहराव दिया जाएगा। एक्सप्रेस ट्रेनें भी रुकेंगी। जरूरत के अनुसार फुटओवर ब्रिज (एफओबी) की व्यवस्था की जा सकती है।

केजरीवाल की अर्जी पर आया फैसला, सुनवाई से खुद को अलग नहीं करेंगी जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा

नई दिल्ली/ जीएनएस। कथित शराब घोटाले से जुड़े केस की सुनवाई से न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने खुद को अलग करने की केजरीवाल की मांग को खारिज कर दिया है।

न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा कि अगर मैं खुद को इस मामले से अलग कर लेती हूं तो जनता को यह लगने लगेगा कि जज किसी खास राजनीतिक दल या विचारधारा से जुड़े हुए हैं। यह अदालत, खुद को मामले से अलग करके, ऐसी धारणा बनने की अनुमति नहीं दे सकती।

अलग किया तो किसी भी जज के लिए काम करना नामुमकिन- जस्टिस शर्मा- न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा कि मेरा न्यायिक करियर 34 साल का है। लेकिन, क्या ऐसा हो सकता है कि जजों को अब मुकदमा लड़ने वाले की तरफ से तय किया गया एक और टेस्ट पास करना पड़े, ताकि यह साबित हो सके कि वे केस सुनने के लिए योग्य हैं? ऐसे में, जजों को उस मनगढ़ंत टेस्ट की शर्तों को पूरा करना होगा, जैसे कि उन्होंने किसी संगठन के कार्यक्रम में हिस्सा नहीं लिया हो, या उनके परिवार के सदस्य कानूनी पेशे में न हों। ऐसा होने पर किसी भी जज के लिए काम कर पाना नामुमकिन हो जाएगा।

न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा कि मुझे पता है कि एक न्यायाधीश के रूप में मेरी आलोचना की जाएगी। चाहे वो इंटरनेट मीडिया हो या आवेदक। मुझे पता है कि मुझे कितना और क्या करना है। उन्होंने कहा कि अगर मैं बिना सुने इन्कार कर देती तो मैं अपनी ड्यूटी सरेंडर कर देता।

सुनवाई से अलग होने के गहरे संवैधानिक प्रभाव होंगे- जस्टिस शर्मा- न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा कि यह बार-बार कहा गया था कि मेरी ईमानदारी पर कोई संदेह नहीं है और मेरी बहुत इज्जत करते हैं पर उन्हें कहा कि वो अपने मन का क्या करें जब उनके मन में ऐसे विचार आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि सुनवाई से अलग होने के गहरे संवैधानिक प्रभाव होंगे।

न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा कि मैंने अपने आप से पूछा कि अगर मैं इनकार नहीं करूंगी तो क्या हो सकता है। फिर मैंने सोचा अगर मैं मना कर दूं तब क्या होगा। उन्होंने कहा कि मैंने बहुत से एमपी-एमएलए केस भी दूसरे कोर्ट में ट्रांसफर किए हैं, अगर मुझे महसूस हुआ कि केस यहां नहीं सुना जाना चाहिए।

सम्राट के सीएम बनते ही सीमांचल में घुसपैठ और भ्रष्टाचार पर वार, अमित शाह ने दिया था ऑर्डर

नई दिल्ली/ जीएनएस। बिहार में सम्राट चौधरी के सत्ता संभालते ही घुसपैठ, भ्रष्टाचार व तस्करी पर वार शुरू हो गया है। भ्रष्टाचार के विरुद्ध सरकार की विभिन्न जांच एजेंसियां कार्रवाई में जुटी हैं।

घुसपैठियों की पहचान, भारत-नेपाल सीमा पर अतिक्रमण व सीमावर्ती गांवों के विकास के लिए भी तैयारी चल रही है। इन्हीं मुद्दों पर समीक्षा के लिए बिहार सरकार के मुख्य सचिव, गृह सचिव व डीजीपी मंगलवार को किशनगंज पहुंच रहे हैं।

केंद्रीय गृहमंत्री ने कार्रवाई का दिया था निर्देश- इसी वर्ष फरवरी में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सीमांचल में थे। पहले दिन किशनगंज में सेना व प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक कर उन्होंने घुसपैठ समेत अन्य बिंदुओं पर चर्चा की थी। उस समय उनके साथ बिहार के गृहमंत्री व वर्तमान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी थे। भाजपा की अगुवाई में जब पहली बार बिहार में एनडीए की सरकार बनी और सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री बने, तो गृहमंत्री के निर्देश को अमलीजामा पहनाने की कवायद तेज हो गई। जिला प्रशासन ने भारत-नेपाल सीमा से सटे नो मेंस लैंड में अतिक्रमित जमीन को खाली करा दिया।

बॉर्डर के ध्वस्त पीलर समेत अन्य मुद्दों को लेकर सिलीगुड़ी में हाल ही में नेपाल व भारत के अधिकारियों की बैठक हो चुकी है। वाइब्रेंट विलेज योजना से सीमा पर बसे 22 गांवों के विकास के लिए 218 योजनाओं को शामिल किया गया है। इसके लिए 112 करोड़ का प्रस्ताव सरकार को भेजा गया है।

बिहार से बंगाल तक उठता रहा है घुसपैठ का मुद्दा- सीमांचल में घुसपैठ का मामला बिहार से लेकर बंगाल चुनाव तक उठता रहा है। यह कयास लगाया जा रहा है कि मुख्य सचिव, गृह सचिव व डीजीपी के दौरे के क्रम में इस मुद्दे पर जोर दिया जाएगा। सरकार के मुखिया सम्राट चौधरी भी इसको लेकर काफी सख्त हैं।

मुख्य सचिव व डीजीपी ने रक्सौल में बैठक कर कई मुद्दों पर समीक्षा की थी। बैठक में भी घुसपैठ, तस्करी, भ्रष्टाचार पर चर्चा कर बाइब्रेंट विलेज योजना से सीमा क्षेत्रों के गांवों के विकास की योजना पर समीक्षा की गई थी।

सीमांचल में भ्रष्टाचार पर जमकर हो रहा प्रहार- सीमांचल में भ्रष्टाचार को लेकर बिहार सरकार की जांच एजेंसियां लगातार कार्रवाई में जुटी हैं। आय से अधिक संपत्ति को लेकर किशनगंज के पूर्व एसडीपीओ गौतम कुमार के बाद पूर्व नगर थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार रंजन पर कार्रवाई हो चुकी है।

संघ के शताब्दी वर्ष में जागृत समाज को बताया सौ वर्ष की तपस्या का पुण्यफल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर वर्षभर चलने वाले समाज संपर्क और संवाद कार्यक्रमों के अंतर्गत महानगर में प्रमुख जन गोष्ठियों का आयोजन किया जा रहा है। महानगर के विस्तार को ध्यान में रखते हुए संघ की नगर रचना और विभिन्न श्रेणियों के अनुसार इन गोष्ठियों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों के प्रबुद्ध जनों से सीधा संवाद स्थापित किया जा रहा है।

इसी क्रम में संघ के प्रचारक एवं प्रज्ञा प्रवाह के अखिल भारतीय संयोजक श्री जे. नंदकुमार ने शोधार्थियों, वैज्ञानिकों तथा सीए, सीएस और आर्किटेक्ट वर्ग के लोगों के साथ संवाद करते हुए संघ की शताब्दी यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत का मूल तत्व धर्म-स्थापना है, जिसका अर्थ किसी संप्रदाय विशेष से नहीं बल्कि हर परिस्थिति में सर्वोत्तम आचरण, संवेदना और व्यवहार से है। उन्होंने बताया कि डॉक्टर हेडगेवार ने संघ की स्थापना इसी विचारधारा के आधार पर की थी, क्योंकि स्वतंत्रता आंदोलन के समय समाज असंगठित और निस्तेज था। ऐसे में समाज को एकता के सूत्र में पिरोना और सांस्कृतिक गौरव को पुनर्स्थापित करना संघ का प्रमुख उद्देश्य रहा।

अखिल भारतीय सह संपर्क प्रमुख श्री भारत भूषण ने युवा उद्यमियों और मातृशक्ति की गोष्ठियों को संबोधित करते हुए संघ के कार्यों को लेकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। उन्होंने कहा कि डॉक्टर हेडगेवार ने लंबे चिंतन और अनुभव के बाद देश को सशक्त बनाने के लिए व्यक्ति निर्माण की अनूठी पद्धति ÷शाखा÷ विकसित की। इसी के माध्यम से संघ का कार्य पूरे देश में फैला और समाज में व्यापक परिवर्तन देखने को मिले। उन्होंने यह भी कहा कि शाखा से निकले स्वयंसेवकों ने समाज के विभिन्न क्षेत्रों में संगठनों का निर्माण कर भारत के विचार को मजबूती दी, जिसके परिणामस्वरूप आज हिंदू समाज न केवल देश में बल्कि विश्व स्तर पर भी आत्मविश्वास के साथ खड़ा है।

प्रज्ञा प्रवाह के अखिल भारतीय सह संयोजक श्री दीपक शर्मा ने क्रीड़ा और व्यापारिक संगठनों की गोष्ठियों में उपस्थित जनों से संवाद करते हुए कहा कि समाज की समस्याओं का समाधान एकता और सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। उन्होंने संघ की स्थापना से लेकर अब तक के प्रमुख पड़ावों का उल्लेख करते हुए कहा कि जब हर भारतीय के मन में राष्ट्र प्रथम का भाव स्थापित हो जाएगा, तब भारत अपने स्वाभाविक सर्वोच्च स्थान पर पहुंच जाएगा।

महानगर में आयोजित इन सभी गोष्ठियों में बड़ी संख्या में प्रबुद्ध और प्रभावी नागरिकों ने सहभागिता की। लोगों ने संघ के कार्यों को लेकर प्रश्न पूछे और अपने सुझाव भी साझा किए। संघ की नगर-खण्ड रचना के अनुसार कुल 59 स्थानों पर गोष्ठियों का आयोजन प्रस्तावित है, जिनमें से 35 स्थानों पर कार्यक्रम संपन्न हो चुके हैं, जबकि शेष आगामी सप्ताह में आयोजित किए जाएंगे। इन आयोजनों में समाज के विभिन्न वर्गों की सक्रिय और आत्मीय भागीदारी देखने को मिल रही है।

अब आसमान से कटेगा ट्रैफिक का चालान, इंदौर की सड़कों पर पुलिस की ड्रोन से नजर

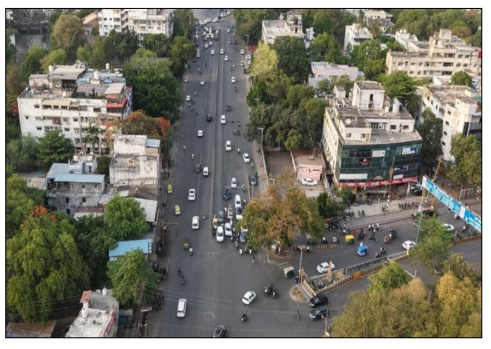

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की यातायात व्यवस्था को अधिक सुगम सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन द्वारा आधुनिक तकनीकों का उपयोग निरंतर बढ़ाया जा रहा है। इसी क्रम में ड्रोन सर्विलांस के माध्यम से शहर के प्रमुख चौराहों एवं मुख्य मार्गों पर भारी यातायात के समय प्रभावी निगरानी की जा रही है। यह पहल पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह के दिशा निर्देशन और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में क्रियान्वित की जा रही है।

नियमों का उल्लंघन करने वालों पर त्वरित कार्रवाई हो रही - पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह ने बताया कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध ड्रोन से प्राप्त इनपुट के आधार पर मौके पर तैनात पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई की जा रही है। इसमें प्रमुख रूप से नो पार्किंग, संकेत उल्लंघन और गलत दिशा में वाहन चलाने वाले चालकों पर शिकंजा कसा गया है। ड्रोन सर्विलांस के दायरे को और अधिक विस्तारित करने के लिए यातायात के चारों जोनों में अलग-अलग टीमें कार्य कर रही हैं जो विशेष रूप से व्यस्त घंटों के दौरान सक्रिय रहती हैं।

पुलिस की निगरानी में व्यस्त समय के दौरान ड्रोन के माध्यम से रिंग रोड, एबी रोड और एम जी रोड में यातायात व्यवस्था पर सख्त नजर रखी जा रही है। ड्रोन में लगे पीए सिस्टम द्वारा सार्वजनिक घोषणाएं भी की गई हैं, जिससे आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जा सके। इस तकनीक की सहायता से सड़कों पर अनुशासन बनाए रखने का प्रयास किया जा रहा है।

वायरलेस और कंट्रोल रूम का समन्वय बनाया- ड्रोन सर्विलांस टीम द्वारा जहां कहीं भी यातायात बाधित पाया जाता है वहां पर से तत्काल वायरलेस के माध्यम से कंट्रोल रूम को सूचना भेजी जा रही है। कंट्रोल रूम द्वारा नजदीकी ट्रैफिक पॉइंट को सूचित कर त्वरित रूप से यातायात व्यवस्था को सुचारू कराया जा रहा है। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि आगामी समय में भी प्रशासन द्वारा शहर के प्रमुख मार्गों एवं चौराहों को चिन्हित कर ड्रोन सर्विलांस के माध्यम से इस प्रकार की कार्रवाई निरंतर जारी रखी जाएगी।

बच्चे के सामने बदमाशों ने चाकू मारकर ले ली उसके पिता की जान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। हीरानगर थाना क्षेत्र में बेकसूर इलेक्ट्रिशियन की बदमाशों ने चाकू मारकर हत्या कर डाली। इलेक्ट्रिशियन दो बच्चों को लेकर घर जा रहा था। बदमाशों ने बच्चों के सामने ही सीने में चाकू घोंपा और चाकू लहराते हुए फरार हो गए। पुलिस ने एक आरोपित को हिरासत में ले लिया है। घटना गौरीनगर की जाम का बगीचा के समीप की है। 38 वर्षीय सुरेंद्र पुत्र धरमदास साहू की चाकू मारकर हत्या की गई है।

रविवार को सुरेंद्र के साले कुलदीप की शादी की वर्षगांठ का कार्यक्रम था। खाना खाने के बाद सुरेंद्र भतीजे प्रणव और बेटे दक्ष को लेकर पूजा करने घर जा रहा था। रास्ते में कुछ युवक शराब के नशे में आपस में हुज्जत कर रहे थे। एक युवक ने सुरेंद्र को गाली दी और कहा कि स्टैंड ठीक कर ले। सुरेंद्र ने गाली का विरोध किया तो आरोपितों ने घेर लिया। उसके साथ बच्चों के सामने ही मारपीट करने लगे। कुलदीप के अनुसार दो बदमाशों ने पकड़ लिया और एक ने सीने में चाकू घोंप दिया।

प्रणव बचकर भागा और रिश्तेदारों को घटना बताई। बदमाश इसके बाद भी चाकू लहराते रहे। सूचना के बाद भी पुलिस समय पर नहीं पहुंची। टीआई सतीश पटेल खुद देर से आए। रिश्तेदार आशीष के मुताबिक घटना का सीसीटीवी फुटेज भी आया है। आशीष बचाने गया तो एक बदमाश ने उस पर चाकू खोल लिया। उसने ईंट उठाई तो वह आगे निकला। बदमाश चाकू लहरा रहे थे। उनमें पुलिस का जरा भी खौफ नहीं था। शहर में अपराधियों में पुलिस का जरा भी डर नहीं रहा है। नगरीय सीमा में दस दिन के अंदर हत्या की पांचवी वारदात हुई है। नौ अप्रैल को तेजाजी नगर थाना क्षेत्र में शुभम नाथ की चाकू मारकर हत्या हुई थी।

अक्षय तृतीया पर सेवा का संदेश, कृष्णा गुरुजी ने नवजातों से आशीर्वाद लेकर मनाया 'प्रसव दिवस'

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर कृष्णा मिश्रा 'गुरुजी' ने उज्जैन के चरक अस्पताल और इंदौर के एमटीएच हॉस्पिटल में विशेष सेवा कार्य किया। यह आयोजन 'प्रसव दिवस' के रूप में लगातार छठे वर्ष मनाया गया, जो अब एक प्रेरणादायक परंपरा बन चुका है।

कार्यक्रम के दौरान गुरुजी ने अस्पताल में जन्मे नवजात शिशुओं के चरण स्पर्श कर उनसे आशीर्वाद लिया। नवजातों को बेबी किट और प्रसव से गुजरी माताओं को शरीर की जरूरत के अनुसार ड्राई फ्रूट के लड्डू भेंट किए गए, जिससे उनका सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया। इस अवसर पर कृष्णा गुरुजी ने कहा, जिस दिन भगवान के अवतार हुए हों, उस दिन जन्म लेने वाले ये शिशु भी निश्चित ही समाज में दिव्यता का संचार करेंगे। हर नवजीवन को सम्मान और अपनापन मिलना चाहिए।

उज्जैन में डॉक्टर और लोगों ने सराहा प्रयास- उज्जैन में चरक अस्पताल में डॉ. कल्पना पवार और उनकी टीम ने गुरुजी का स्वागत किया। डॉ. पवार ने कहा कि यह उनका पहला वर्ष है, लेकिन त्योहारों को सेवा से जोड़कर नवजातों और माताओं की जरूरतों को पूरा करना एक अनुकरणीय पहल है। वहीं राकेश बजाज ने कहा कि वे हर वर्ष गुरुजी के आग्रह पर इस कार्यक्रम में शामिल होते हैं। उनके अनुसार, सनातन धर्म की परंपरा को वर्तमान सेवा से जोड़ने का यह कार्य अद्भुत है और युवा पीढ़ी भी इससे प्रेरित हो रही है।

इंदौर के एमटीएच हॉस्पिटल में भी इसी तरह का आयोजन किया गया। अस्पताल के एडमिनिस्ट्रेटर अमित जी ने कहा कि वे पिछले छह वर्षों से इस आयोजन को देख रहे हैं और त्योहारों को सेवा से जोड़ने की यह पहल बेहद सराहनीय है, जो माताओं और नवजातों की वास्तविक जरूरतों को पूरा करती है।

कार्यक्रम के दौरान गुरुजी ने अस्पताल स्टाफ के साथ मिलकर नवजातों से आशीर्वाद लिया और माता-पिता से मिलकर उन्हें समाजसेवा और आध्यात्मिक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया।

सिल्वर जुबली एल्यूमिनाई मीट में वर्षों बाद मिले शिक्षक-विद्यार्थी, यादों से भावुक हुआ माहौल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जेपीएस स्कूल की सिल्वर जुबली एल्यूमिनाई मीट में वर्षों बाद शिक्षक और विद्यार्थी एक मंच पर एकत्रित हुए, जहां पुरानी यादों ने माहौल को भावुक बना दिया। कार्यक्रम में शामिल हुए सभी पूर्व छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने अपने स्कूल के दिनों को याद करते हुए कहा कि भागदौड़ भरी जिंदगी के बीच मानो एक बार फिर वही पुराने दिन और मस्ती लौट आई हो। अपनत्व और आत्मीयता से भरे इस आयोजन में हर किसी के चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थीं।

इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार नवनीत शुक्ला ने बोर्ड परीक्षा में 80 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप प्रदान करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में विद्यालय के विद्यार्थी मेरिट सूची में स्थान हासिल करेंगे। वहीं पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता ने विद्यालय के सफल 25 वर्षों के गौरवपूर्ण सफर पर शुभकामनाएं देते हुए संस्था की उपलब्धियों की सराहना की।

कार्यक्रम में प्रवाह समूह संगम संघ की श्रीमती संतोष ठाकुर, श्रीमती दीपिका ठाकुर, वरिष्ठ अधिवक्ता नरेन्द्र बौरासी, पूर्व पार्षद दिलीप मिश्रा सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस दौरान अजय कुशवाह, आशीष तिवारी, सुनील यादव, जितेंद्र जैन, प्रमोद दोलिया, खन्नू विश्वकर्मा, सुनील शेखावत समेत अन्य अतिथियों ने भी अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

विद्यालय के संचालक विजय दुबे ने अपने संबोधन में संस्थान के 25 वर्षों के सफर को साझा करते हुए सभी सहयोगियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि स्कूल की प्रगति सभी के विश्वास और सहयोग का परिणाम है। समय के साथ विद्यालय ने आधुनिक शिक्षा की दिशा में कदम बढ़ाते हुए एबेकस, रोबोटिक लैब और होलोग्राम एजुकेशन जैसी सुविधाओं की शुरुआत की है। उन्होंने गर्व के साथ बताया कि विद्यालय के कई पूर्व विद्यार्थी आज डॉक्टर, इंजीनियर, प्रोफेसर और विभिन्न क्षेत्रों में सफल होकर संस्थान का नाम रोशन कर रहे हैं।

कार्यक्रम का सफल संचालन प्रीति दुबे ने किया। आयोजन को सफल बनाने में सुनयाना तिवारी, राजेश गुप्ता, पद्म शुक्ला, प्रतीक्षा पांडे, हिरालाल बंजारा, अभिषेक केलवा, सुमित यादव सहित वनिता लिखितकर, ममता कश्यप, अनन्या तिवारी, भावना प्रजापत, माया यादव, शशि यादव, कोर सिंह और मुकेश प्रजापत का विशेष योगदान रहा।

अहिरवार जाटव समाज का निःशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन, 30 जोड़ों का हुआ परिणय, भव्य चल समारोह निकला

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में अहिरवार जाटव समाज महानगर केंद्रीय समिति बाईसी पंच द्वारा अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर ग्राम मोरोद स्थित नागराज धाम पर निःशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन में मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों से आए 30 जोड़ों का विधि-विधान से विवाह संपन्न कराया गया। पूरे समारोह में उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला, जहां नवदंपतियों ने जीवनभर साथ निभाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत एक भव्य चल समारोह के साथ हुई, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए। विवाह समारोह में वर-वधू को आशीर्वाद देने के लिए समाज के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। समिति द्वारा सभी जोड़ों के लिए निःशुल्क कपड़े, जेवरात, जूते, भोजन सहित सम्पूर्ण विवाह सामग्री की व्यवस्था की गई, जिससे आयोजन और भी विशेष बन गया।

समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि यह सामूहिक विवाह सम्मेलन हर वर्ष आयोजित किया जाता है और भविष्य में इसे और अधिक भव्य रूप दिया जाएगा। समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर योगदान देते हुए आयोजन को सफल बनाया और नवदंपतियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर पृथ्वीराज पिपले उस्ताद, राज पिपले, अनिल पिपले, विजय बिलोनिया, एडवोकेट गजानन्द सुनहरे, कमल बिलोनिया, एडवोकेट नरेन्द्र मौर्य सहित अनेक समाजजन उपस्थित रहे। साथ ही सूरज कैरो, राजकपूर सुनहरे, मुकेश कैरो सहित अन्य अतिथियों ने भी नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान किया।

कार्यक्रम में श्री सूर्यवंशी अहिरवार समाज जुनारिसाला 3 इंदौर के सदस्यों ने भी सहभागिता करते हुए आयोजन की सराहना की और केंद्रीय समिति बाईसी पंच के अध्यक्ष पृथ्वीराज पिपले को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। वहीं समाजसेवी सुरेश कछोरिया ने सभी वधुओं को अपनी ओर से लांच्छा वस्त्र भेंट कर सामाजिक सहयोग का उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि समाज की बेटियों के विवाह में योगदान देना उनके लिए सौभाग्य की बात है। समारोह में बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अक्षय तृतीया पर 24 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न, भव्य आयोजन में मिली साधु-संतों की कृपा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के विधानसभा क्षेत्र एक स्थित रानी लक्ष्मीबाई मंडल द्वारा अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर आयोजित सामूहिक विवाह समारोह भव्य और सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। माननीय कैलाश विजयवर्गीय के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में क्षेत्र के साधु-संतों का सानिध्य और आशीर्वाद प्राप्त हुआ, जिससे आयोजन और भी दिव्य बन गया। मंडल अध्यक्ष चंदन सिंह बैस और उनकी टीम ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समारोह में 24 जोड़ों का विवाह हिंदू रीति-रिवाज और वैदिक विधि-विधान के साथ संपन्न कराया गया। इसके लिए विद्या धाम से आमंत्रित ब्राह्मणों की टीम ने सभी वैवाहिक संस्कार पूरे कराए। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के युवाओं को सहयोग प्रदान करना था। सभी जोड़ों का चयन उनकी पारिवारिक सहमति और आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए किया गया। आयोजकों ने इस बार स्वजातीय विवाह को प्राथमिकता दी थी। समारोह में प्रत्येक नवविवाहित जोड़े को गृहस्थी की शुरुआत के लिए लगभग एक लाख रुपये तक की सामग्री प्रदान की गई। आयोजन की तैयारियों की शुरुआत पूर्व में भूमि पूजन के साथ हुई थी, जिसका शुभारंभ आकाश विजयवर्गीय द्वारा किया गया था। इस दौरान विद्या धाम से आए पुरोहितों ने विधि-विधान से पूजा संपन्न कराई थी। संस्था हर्ष द्वारा यह भव्य आयोजन सफलता पूर्वक संपन्न कराया गया। पूरे कार्यक्रम का संचालन मंडल, उनके परिवार और सहयोगी मित्रों के संयुक्त प्रयास से किया गया, जिसका उद्देश्य समाज में समरसता और सेवा भाव को बढ़ावा देना रहा।

चोरी के शक में थाने लाए युवक ने पी लिया एसिड, पुलिस पर उठे सवाल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भागीरथपुरा क्षेत्र में पुलिस कस्टडी में एक युवक की मौत का सनसनीखेज मामला सामने आया है। रविवार देर शाम चोरी के संदेह में पकड़े गए युवक ने पुलिस चौकी परिसर में ही एसिड पी लिया जिससे उसकी जान चली गई। इस घटना के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है और वरिष्ठ अधिकारी मामले की जांच के लिए मौके पर पहुंच गए हैं। मृतक की पहचान भागीरथपुरा निवासी श्रीराम पुत्र रमेश झा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि एक वाहन चोरी के मामले में संदेह होने पर कौरव नामक पुलिसकर्मी उसे पूछताछ के लिए चौकी लेकर आया था। मृतक के परिजनों और स्थानीय सूत्रों के अनुसार वह पिछले एक दिन से पुलिस की निगरानी में था।

घटना के समय श्रीराम ने पुलिसकर्मियों से पानी पीने की इच्छा जाहिर की थी। जब वह पानी पीने के लिए बाहर निकला तो वहां साफ-सफाई के लिए रखा हुआ एसिड उसने पी लिया। हालत बिगड़ने पर उसे तुरंत सहायता देने का प्रयास किया गया लेकिन उसकी मृत्यु हो गई। चौंकाने वाली बात यह है कि जिस बाइक चोरी के मामले में श्रीराम को हिरासत में लिया गया था उसमें उसकी संलिप्तता स्पष्ट नहीं थी। कस्टडी में हुई इस मौत ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। वर्तमान में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी घटना स्थल पर मौजूद हैं और मामले की बारीकी से जांच की जा रही है।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने वार्ड 4 का किया निरीक्षण, मेट्रो कार्यों को लेकर दिए सख्त निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने विधानसभा क्षेत्र-1 के वार्ड क्रमांक 4 का निरीक्षण कर क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान स्थानीय पार्षद श्रीमती बरखा नितिन मालू, प्रतिनिधि शीलू दवे, अपर आयुक्त आशीष पाठक सहित नगर निगम के अधिकारी और बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने कहा कि इंदौर में मेट्रो परियोजना तेजी से आगे बढ़ रही है और शहर अब 'टेंपो वाले शहर' से 'मेट्रो सिटी' की ओर अग्रसर हो रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में शहरवासियों को अंडरग्राउंड मेट्रो का अनुभव भी मिलेगा, जिससे यातायात व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी।

मेट्रो निर्माण कार्य के चलते प्रभावित क्षेत्रों में नागरिकों को पानी और ड्रेनेज जैसी मूलभूत सुविधाओं को लेकर हो रही चिंताओं को गंभीरता से लेते हुए महापौर ने एयरपोर्ट रोड स्थित अंडरग्राउंड मेट्रो निर्माण स्थल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने मेट्रो अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि यूटिलिटी लाइनों को किसी प्रकार का नुकसान न पहुंचे और यदि कोई समस्या उत्पन्न होती है तो उसे तत्काल ठीक किया जाए, ताकि विशेष रूप से बारिश के मौसम में नागरिकों को असुविधा का सामना न करना पड़े।

मौके पर ही महापौर ने मेट्रो अधिकारियों को बुलाकर कार्यों को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। इस पर अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या या पाइपलाइन क्षति की स्थिति में त्वरित कार्रवाई कर व्यवस्थाओं को शीघ्र बहाल किया जाएगा।

इंदौर में हत्या के विरोध में चक्काजाम, परिजनों और रहवासियों का उग्र प्रदर्शन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के गौरी नगर क्षेत्र में युवक की हत्या के बाद आक्रोशित परिजनों और रहवासियों ने आम वाला चौराहे पर चक्काजाम कर दिया। घटना में गौरी नगर निवासी सुरेंद्र साहू की एक दिन पहले चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी, जिससे पूरे क्षेत्र में तनाव और गुस्से का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि यह वारदात मृतक के आठ वर्षीय बेटे के सामने हुई, जिससे परिवार पर गहरा सदमा छा गया है। हत्या के विरोध में परिजनों के साथ बड़ी संख्या में स्थानीय लोग सड़क पर उतर आए और पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान मृतक के छोटे बेटे और 13 वर्षीय बेटी ने भी आरोपियों को फांसी देने की मांग करते हुए भावुक अपील की। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में महिलाएं भी प्रदर्शन में शामिल रहीं, जिससे स्थिति और अधिक संवेदनशील हो गई। चक्काजाम के कारण क्षेत्र में यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने समझाइश और कड़ी मशक्कत के बाद प्रदर्शनकारियों को शांत कराया और जाम खुलवाया। फिलहाल क्षेत्र में स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है, वहीं पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई में जुटी है।

बारात में विवाद पर चाकू से हमला, चंद घंटों में आरोपियों को चंदन नगर पुलिस ने किया गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में बारात के दौरान नाचने को लेकर हुए मामूली विवाद ने उस समय गंभीर रूप ले लिया, जब दो युवकों ने एक युवक पर चाकू से प्राणघातक हमला कर दिया। घटना के बाद चंदन नगर थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज कुछ घंटों में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जिसकी आम नागरिकों ने सराहना करते हुए पुलिस टीम का अभिवादन किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 19 अप्रैल 2026 को फरियादी कृष्णा पिता पप्पू मेहता (उम्र 20 वर्ष), निवासी डायमंड पैलेस, इंदौर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह अपने दोस्त की शादी की बारात में शामिल था। इसी दौरान नाचने की बात को लेकर विवाद हो गया, जिसके चलते आरोपी हर्ष सोलंकी और शिवा यादव ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने इस मामले में अपराध क्रमांक 502/2026 के तहत विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त जोन-4 आनंद कलादगी के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त दीशेष अग्रवाल और सहायक पुलिस आयुक्त अन्नपूर्णा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी तिलक कारोले के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने मुखबिर सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और घटना में प्रयुक्त चाकू भी बरामद कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए मौके पर मौजूद लोगों से माफी मांगी और भविष्य में इस प्रकार का अपराध न करने का वचन दिया।

भगवान आदिनाथजी की निकली भव्य रथ यात्रा : नाम की नहीं, मोक्ष की इच्छा रखें-आचार्य कीर्ति सागर महाराज

जिस घर में गुरु का आहार नहीं, वह श्मशान की भांति- आर्यिका समर्थ श्री माताजी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नाकोड़ा नगर स्थित 1008 श्री चंद्रप्रभु एवं नवदेवता जिनायतन में रविवार को अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर भव्य रथयात्रा महोत्सव का आयोजन हुआ। मुनि सेवा समिति एवं सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में आयोजित इस रथ यात्रा में श्रद्धालु भक्ति भाव के साथ सम्मिलित हुए। रथ यात्रा के दौरान आचार्य 108 कीर्ति सागर महाराज, आर्यिका 105 श्री समर्थ श्री माताजी एवं आर्यिका 105 श्री सार्थक श्री माताजी उपस्थित रहे। महोत्सव के मुख्य प्रतिष्ठाचार्य पं. विजयकुमार गांधी के निर्देशन में सभी धार्मिक क्रियाएँ विधि-विधान पूर्वक पूर्ण की गई।

रथ यात्रा के पश्चात् आचार्य सन्मति कुंज संत भवन में आयोजित धर्म सभा में आचार्य 108 कीर्ति सागर महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए जीवन के वास्तविक लक्ष्य और दान की महिमा पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्पष्ट किया कि मोक्ष प्राप्ति के लिए केवल ज्ञान या केवल भक्ति पर्याप्त नहीं है, बल्कि जीवन में सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चारित्र-इन तीनों का संगम अनिवार्य है। आचार्य श्री ने आहार दान के महत्व को रेखांकित करते हुए सम्राट भरत चक्रवर्ती का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा- भरत चक्रवर्ती जैसे महापुरुषों ने जिस भव में मुनियों को आहार दान दिया, उसी भव में उन्हें निर्वाण प्राप्त हुआ। जैन मुनियों की सेवा और उन्हें दान देने से पुण्य कर्मों का उदय होता है, जो मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करता है। वर्तमान समय में दान के बदले ख्याति पाने की प्रवृत्ति पर प्रहार करते हुए आचार्य श्री ने कहा कि सम्राट भरत ने स्वर्ण के 72 जिनालय बनवाए, किंतु कहीं भी अपना नाम अंकित नहीं कराया। इसके विपरीत, आज लोग छोटी वस्तुओं पर भी नाम लिखवाने के इच्छुक रहते हैं। ÷धन का उपयोग धर्म के लिए होना चाहिए। नाम की लालसा छोड़कर मोक्ष की अभिलाषा रखें।÷ आर्यिका 105 समर्थ श्री माताजी ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए अक्षय तृतीया के ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला। आप ने कहा कि जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ छह माह की कठिन साधना के पश्चात आहार हेतु निकले, किंतु विधि ज्ञात न होने के कारण सात माह नौ दिन तक उन्हें आहार प्राप्त नहीं हुआ। राजा श्रेयांस ने भगवान आदिनाथ को विधिपूर्वक इक्षु रस (गन्ने का रस) का आहार कराया। वह पावन तिथि अक्षय तृतीया थी, जिससे दान की परंपरा का सूत्रपात हुआ। भगवान ने स्वयं आहार ग्रहण कर श्रावकों को मुनि आहार की विधि और गुरु परंपरा से अवगत कराया। जिस घर में महापुरुषों और गुरुओं के चरण नहीं पड़ते या जहाँ आहार दान नहीं होता, वह घर श्मशान के समान है। धर्म सभा से पूर्व भगवान चित्र अनावरण दीप प्रज्वलन राजमल गर्ग इलेक्ट्रॉनिक परिवार के द्वारा किया गया। संत श्री को शास्त्र भेंट नरेश दोषी परिवार के द्वारा किया गया। आचार्य श्री का पादपक्षालन विजेंद्र सेठी, श्रीमती संतोष सेठी परिवार ने किया। शांतिधारा डॉक्टर एसएम जैन परिवार, संजय जैन, ऋषभ जैन आदि द्वारा की गई। रथ यात्रा में प्रमुख रूप से अनिल जैन, भाजपा नेता अनिल कियावत, प्रोफेसर राजकुमार बाकलीवाल, अभय मादावत, नंदकिशोर अग्रवाल, अरविंद मेहता, मुकेश जैन, विनोद जैन, हेमंत जैन आदि बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। तपस्वी ग्रुप ने इक्षु रस का वितरण किया।

जैन श्रमण संस्कृति का पर्व है अक्षय तृतीया- मुनिश्री

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अक्षय तृतीया जैन श्रवण संस्कृति के इतिहास में महत्वपूर्ण दिवस माना जाता है इसी दिन जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर श्री आदिनाथ भगवान ने लगभग एक वर्ष तेरह दिन दीर्घ उपवास के बाद इच्छुरस(गन्ने का रस) से आहर ग्रहण किया था यह सौभाग्य राजा श्रेयांश उनके भाई राजा सोम को प्राप्त हुआ था इसलिए यह दिवस दान रूप में जाना जाता है आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य अर्ह योग प्रणेता मुनिश्री प्रणम्य सागर जी महाराज ने अक्षय तृतीया का महत्व बताते हुए कहा कि दान तीर्थ से ही धर्म तीर्थ कि शुरुआत होती है जो व्यक्ति देना नहीं चाहता वह कभी धर्म सीख ही नहीं सकता ग्रहस्त की शोभा दान से हैं दान दुर्गति का विनाश करता है इसलिए जो अपने जीवन को सुरक्षित और सार्थक बनाना चाहते है उन्हें दान अवश्य करना चाहिए धन कमाओ खूब कमाओ लेकिन न्याय नीतिऔर प्रमाणिकता से कमाओ लक्ष्मी सबको प्रिय है? परंतु धन के साथ जुड़े दोषों के प्रक्षालन के लिए दान जरूरी है वही पुज्य मुनिश्री ससघ को आहरदान देने के लिए समाजजनों ने चोके बनाए जहा पर पुज्य मुनिश्री प्रणम्य सागर जी महाराज आर्यिका प्रशममति माताजी को आहरदान देने का सोभाग्य सघस्त बाल ब्रह्मचारिणी दीदीयो को प्राप्त हुआ आहरदान देने के दोरान इच्छुरस (गन्ने का रस) जैसे ही मुनिश्री कि अन्जुली मे दिया तो आदिनाथ भगवान के जयकारे लगाए गए यह दिन दान दिवस के रुप में प्रसिद्ध है इस दोरान बड़ी संख्या में समाजजन ने मुनिश्री व आर्यिका माताजी को आहरदान दिया।

पिपलियामंडी पुलिस की सक्रियता से अंतरराज्यीय तस्कर को डोडाचूरा सहित रंगे हाथ पकड़ा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पिपलियामंडी थाना पुलिस की सक्रियता से अंतरराज्यीय एक तस्कर को डोडाचूरा सहित रंगे हाथ पकड़ा गया है। आरोपी के कब्जे से कुल 20.720 किलोग्राम डोडाचूरा जब्त किया है, जिसकी कीमत 41 हजार रूपये आंकी गई है। पिपलिया पुलिस के अनुसार पुलिस अधीक्षक महोदय मंदसौर विनोद कुमार मीना के निर्देशन पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेर सिंह बघेल व प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी मल्हारगढ़ श्रीमति कीर्ति बघेल के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरी. विक्रम सिंह इवने के कुशल नेतृत्व में पिपलियामंडी पुलिस टीम द्वारा रात्रि कस्बा भ्रमण के दौरान खात्याखेड़ी रोड़ तुरन्त बालाजी मंदिर के पास एक पिट्ठू बैग व एक झोला हाथ में लिये घुमते हुये संदिग्ध व्यक्ति को रोका व नाम पता पुछते उसने अपना नाम कृष्ण उर्फ किशन पिता रामस्वरुप पंवार जाति बावरी उम्र 22 साल निवासी छईया थाना पदमपुर जिला गंगानगर राजस्थान का होना बताया। जिसके कब्जे से अवैध मादक पदार्थ 20.720 किलोग्राम डोडाचूरा व एक नोकिया कंपनी का कीपेड मोबाईल जप्त किया जाकर आरोपी कृष्ण उर्फ किशन पंवार को गिरफ्तार किया गया। आरोपी कृष्ण उर्फ किशन पंवार ने पूछताछ पर उक्त मादक पदार्थ जीतु गरासिया निवासी ग्राम पोखरदां थाना मनासा जिला नीमच से लाना बताया। मामले में थाना पिपलियामंडी पर अपराध पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना में लिया गया। आरोपी से पूछताछ की जा रही है। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक विक्रम सिंह इवने थाना प्रभारी पिपलिया मंडी, उनि मूलचन्द सिंह धाकड़, आर. लोकेन्द्र सिंह, आर. दिलीप मेघवाल व आर. रिंकु सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

सांसद सुधीर गुप्ता ने किया अफीम तौल फैक्टरी का निरीक्षण, कहा-पूर्ण पारदर्शिता के साथ हो रही है तौल व मार्फिन की जांच

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। किसानों द्वारा लाई जाने वाली अफीम की तौल और जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से क्षेत्रीय सांसद सुधीर गुप्ता ने अफीम फैक्टरी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रशासनिक व नारकोटिक्स अधिकारियों के साथ फैक्टरी में तौल परिक्षण सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

डिजिटल ट्रैकिंग और भंडारण क्षमता को सराहा- सांसद गुप्ता ने भंडारण क्षेत्र में व्यवस्थाओं को देखा। उन्होंने अधिकारियों से रखरखाव की व्यवस्था जानी और सीधे कर्मचारियों व कंप्यूटर ऑपरेटरों के पास जाकर उनकी कार्यप्रणाली को देखा। उन्होंने कंप्यूटर स्क्रीन पर जांचा कि कैसे प्रत्येक कंटेनर का डेटा सिस्टम में दर्ज किया जा रहा है और पूरी प्रक्रिया को किस तरह से डिजिटल रूप से ट्रैक किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान सांसद गुप्ता ने उस नई पारदर्शी प्रणाली को भी परखा, जिसने जांच को पूरी तरह निष्पक्ष बना दिया है। इस व्यवस्था के तहत कंटेनर से किसान का नाम हटाकर सबसे पहले उस पर एक क्यूआर कोड लगाया जाता है। इसके बाद लैब में भेजने से पूर्व उसे माइक्रो कोड में बदल दिया जाता है, जिससे जांच करने वाले किसी भी विशेषज्ञ को यह भनक नहीं लगती कि वह किस किसान की अफीम का परीक्षण कर रहा है। साथ ही उनके पास ऐसा कोई भी डिजिटल इंस्ट्रूमेंट नहीं है जिससे वो कोडिंग-डिकोडिंग कर सकें।

अत्याधुनिक मशीनों से हो रहा मॉर्फिन का परीक्षण- सांसद ने अफीम परीक्षण लैब का निरीक्षण कर पाया कि अब फैक्टरी में मॉर्फिन के परीक्षण के लिए अत्याधुनिक और उन्नत तकनीक से लैस नई मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे जांच के परिणाम पूरी तरह शत प्रतिशत आ रहे हैं। इसी के साथ ही फैक्टरी की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए सांसद ने पाया कि संपूर्ण जांच प्रक्रिया कोटा डीएनसी और जीएम जैसे वरिष्ठ अधिकारियों की कड़ी निगरानी में संचालित हो रही है। किसी भी तरह की अनियमितता रोकने के लिए परिसर में सीसीटीवी कैमरे सक्रिय हैं और पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी करवाई जा रही है। वही अफीम की वैज्ञानिक और सटीक जांच के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से 20 से अधिक केमिकल इंजीनियरों (विशेषज्ञों) की एक विशेष टीम फैक्टरी में तैनात की गई है। इसके अलावा जांच में 250 से अधिक कलर कोड की लाइब्रेरी का भी उपयोग किया जा रहा है। सांसद ने स्पष्ट किया कि इस हाई-टेक और डिजिटल प्रणाली के लागू होने से अफीम जांच प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की कोई अनियमितता ना हो।

किसानों से की विशेष अपील- अफवाहों पर ध्यान न दें, शिकायत के लिए दरवाजे खुले हैं- निरीक्षण के बाद सांसद सुधीर गुप्ता ने अफीम उत्पादक किसानों को आश्वस्त करते हुए उनसे एक खास अपील भी की। उन्होंने कहा कि किसान भाई विपक्ष द्वारा फैलाई जा रही अफवाहों और भ्रांतियों के जाल में बिल्कुल न फंसें। कुछ लोग जानबूझकर पुरानी मशीनों से जांच होने और पट्टे कटने का भ्रम फैला रहे हैं, जो पूरी तरह निराधार है। सांसद ने स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार की मंशा हर पात्र किसान को पूरी प्रामाणिकता के साथ लाइसेंस (पट्टा) देने की है। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि यदि किसी भी किसान भाई को इस जांच प्रणाली पर कोई संदेह है, असंतोष है या उनका कोई सुझाव है, तो वे निडर होकर अपनी बात रख सकते हैं।किसान अपनी समस्या सीधे विभागीय अधिकारियों, सरकार या स्वयं उनसे (सांसद से) संपर्क कर साझा कर सकते हैं; उनकी हर शिकायत और सुझाव को पूरी गंभीरता से सुना जाएगा और समाधान किया जाएगा।

नरसिंहपुर का भूसा बैंक: गौ-सेवा और नवाचार से बना प्रेरणादायक मॉडल

नरसिंहपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जहां समस्या होती है, वहीं समाधान भी जन्म लेता है- इस कहावत को नरसिंहपुर जिले ने साकार कर दिखाया है। जिस नरवाई (फसल अवशेष) को किसान पहले बेकार समझकर जला देते थे, वही आज जिले की गौशालाओं के लिए अमूल्य गो- ग्रास बन चुकी है। प्रशासन की दूरदर्शिता, युवाओं के नवाचार और किसानों के सहयोग ने मिलकर भूसा बैंक जैसी अनूठी पहल को जन्म दिया है, जो अब एक सफल मॉडल के रूप में उभर रही है।

उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. सुनील बृजपुरिया ने बताया कि इस परिवर्तन की नींव 13 मार्च 2026 को रखी गई, जब बहोरीपार स्थित मुख्यमंत्री गौसेवा योजना गौशाला में 6 आधुनिक स्ट्रा-रीपर मशीनों को हरी झंडी दिखाई गई। यह पहल केवल मशीनों का संचालन नहीं, बल्कि गौवंश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम था।

ई-कृषि यंत्र अनुदान पोर्टल के माध्यम से त्रिनेत्री सेवा समिति डांगीढाना के युवाओं ने लॉटरी के जरिए 6 स्ट्रा-रीपर मशीनें खरीदीं। आज ये मशीनें प्रतिदिन लगभग 60 ट्रॉली भूसा तैयार कर रही हैं, जिससे गौशालाओं में चारे की कमी पूरी हो रही है। उमरिया गौशाला में 125 ट्रॉली की क्षमता के मुकाबले 250 ट्रॉली भूसा संग्रहित और श्रीनगर गौशाला (गोटेगांव) में 2500 क्विंटल भूसा संग्रह किया गया है। बरमान की हरसिद्धि और केरपानी गौशालाओं ने भी अब किराए के बजाय अपनी मशीनें खरीदकर आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ाया है।

आर्थिक रूप से भी मजबूत मॉडल- यह पहल सिर्फ सेवा ही नहीं, बल्कि एक सफल आर्थिक मॉडल भी बन चुकी है।

क्षमता- 10 डिब्बे (लगभग 80 क्विंटल) प्रतिदिन

लागत- 1,150 प्रति डिब्बा

बाजार मूल्य- 2,500 प्रति डिब्बा

शुद्ध लाभ- 1,350 प्रति डिब्बा

प्रतिदिन आय- लगभग 13,500

जिले में संचालित करीब 300 स्ट्रा-रीपर मशीनें न केवल पर्यावरण को बचा रही हैं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में भी प्रतिदिन लाखों रुपये का योगदान दे रही हैं।

प्रशासन की संवेदनशील रणनीति- इस सफलता के पीछे प्रशासन की सख्ती और संवेदनशीलता दोनों का संतुलन है। एक ओर नरवाई जलाने पर सख्त प्रतिबंध लगाया गया, वहीं दूसरी ओर किसानों को इसे गौशालाओं के लिए दान करने हेतु प्रेरित किया गया। पशु चिकित्सा विभाग द्वारा मैपिंग और नोडल अधिकारियों द्वारा भंडारण की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की गई।

जिले की गौशालाओं में उल्लेखनीय उपलब्धियां दर्ज की गई हैं-

05 गौशालाएं- 5000+ क्विंटल भूसा संग्रह

16 गौशालाएं- 3000+ क्विंटल भूसा संग्रह

40 गौशालाएं- 1500+ क्विंटल भूसा संग्रह

चौराहों पर आम नागरिकों को परेशान कर स्वयं को महिमा मंडित करना बंद करें मंदसौर पुलिस-पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष मनजीत टूटेजा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदसौर की कानून व्यवस्था वर्तमान समय में पूरी तरह से चरमरा गई है। मंदसौर में नशा आसानी से उपलब्ध, चाकूबाजी की घटनाएं हो रही है अपराधियों में कानून और पुलिस का कोई भय नहीं है वही दूसरी और असामाजिक एवं अपराधिक किस्म के लोगों पर कार्यवाही करने के बजायें मंदसौर पुलिस स्वयं को महिमा मंडित करने के लिए रोज शाम को चौराहों पर चेकिंग अभियान चलाकर नगर के सभ्य एवं आम नागरिकों को परेशान कर रही है।

उक्त बात कहते हुए पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष मनजीतसिंह टूटेजा ने बताया कि एमडी ड्रग्स जैसा नशीला पदार्थ जो कि हमारी युवा पीढी को बर्बाद कर रहा है, मंदसौर नगर में आसानी से उपलब्ध है इन पर पुलिस कोई कार्यवाही नहीं कर रही है। एमडी के नाम पर कार्यवाही भी होती है तो वो भी बस दिखावें कि जबकि मंदसौर की गली -गली में नशा बिक रहा है और यह सब पुलिस की स्वीकृति के बिना संभव नहीं है। लेकिन, फिर भी इन लोगों पर कार्यवाही नहीं कि जाती। मंदसौर नगर में कई ऐसे पाइंट है जहां पर असामाजिक तत्वों का जमावड़ा रहता है लेकिन फिर भी वहां पर कार्यवाही नहीं की जाती है इसका सबसे बड़ा उदाहरण है कि शुक्ला चौक की घटना जिस स्थान पर चाकूबाजी की घटना हुई वह पुलिस थाने से चंद कदमों की दूरी पर है वहां पर स्थित चाय की दुकान पर प्रतिदिन ऐसा ही माहौल रहता है ऐसे ओर भी कई स्थान है जहां पुलिस की टीम को पहुंचना चाहिए ताकि आम आदमी सुरक्षित महसूस कर सके। लेकिन, मंदसौर पुलिस ऐसा न करते हुए स्वयं को महिमा मंडित करते हुए नगर के प्रमुख चौराहों पर रोज शाम को चेकिंग अभियान के नाम पर आम लोगों को परेशान कर रही है उनके साथ दुर्व्यहार किया जा रहा है जो कि गलत है। श्री टूटेजा ने कहा कि अपराधिक किस्म के लोग शहर के बिचों बिच नहीं आयेंगे यहां से तो आम आदमी निकलता है जो पुलिस चेकिंग के नाम पर परिवार के साथ परेशान हो रहा है। पुलिस का खौफ अपराधिक किस्म के लोगों में कितना है इस बात का अंदाजा तो इस बात से ही लगाया जा सकता है कि गांधी चौराहा और शुक्ला चौक जैसे व्यस्तम चौराहों पर चाकूबाजी हो जाती है और दो लोगों की जान चली जाती है। कानून का माखौल उड़ाने से भी अपराधी किस्म के लोग नहीं डर रहे है वहीं पुलिस भी सिर्फ दिखावे की कार्यवाही कर रही है गांधी चौराहा चाकूबाजी की घटना के आरोपियों के साथ पुलिस ने कैसी नौटंकी की यह पूरे शहर ने देखा ऐसे कांडों से पुलिस की छवि बिगढ रही है। श्री टूटेजा ने जिला पुलिस अधीक्षक से मांग कि है कि नगर की कानून व्यवस्था को जल्द से जल्द सुधारें और कानून व्यवस्था के नाम पर आम नागरिक को परेशान किया जाना बंद किया जायें नहीं तो कांग्रेस जनहित में उग्र आंदोलन करेंगी।

प्रदेश में सभी आबकारी दुकानें बिकी, 18676 करोड़ रूपये का मिलेगा राजस्व

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आबकारी नीति के प्रावधानों के चलते प्रदेश में सभी 3553 शराब की सभी दुकानो की बिक्री हो गई हैं। इन दुकानों से 18676.80 करोड़ कुल रेवेन्यू प्राप्त होगा। यह पिछले साल की सालाना वैल्यू से 12.33त्न ज़्यादा है। दूसरे सोर्स से अनुमानित इनकम 1775 करोड़ रुपए होगी। यह दुकानों से प्राप्त कुल रेवेन्यू का 9.5त्न है। इन दुकानों की बिक्री से एक्साइज डिपार्टमेंट से अनुमानित रेवेन्यू कलेक्शन 20481.80 करोड़ रूपये होगा। वित्त विभाग द्वारा तय टारगेट 20279 करोड़ रुपए है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2026-27 के लिए आबकारी नीति के निर्धारण एवं संबंधित विषयों पर निर्णय लेने एवं आगामी वर्षों के लिये सुझाव देने मंत्रि-परिषद् समिति का गठन किया गया है।मदिरा दुकानों/ समूहों पर प्राप्त ऑफर पर निर्णय लेने मंत्रि-परिषद समिति की बैठक दिनांक 18-04-2026 को उप मुख्यमंत्री, वाणिज्यिक कर विभाग की अध्यक्षता में बुलाई गई थी। बैठक में आबकारी विभाग द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2026-27 के लिये मदिरा दुकानों/ समूहों के मंत्रि-परिषद समिति द्वारा निर्णय लिया गया कि- 1. दिनांक 18.04.2026 को 24वें चरण में आरक्षित मूल्य से अधिकतम 65 प्रतिशत तक कम के ऑफर प्राप्त हुए हैं एवं उक्त दुकानों/समूहों के लिए पूर्व में 10वें चरण (दिनांक 31.03.2026) एवं 11वें चरण (दिनांक 01.04.2026) तथा 21वें चरण (दिनांक 15.04.2026) में प्राप्त ऑफर भी होल्ड पर रखे गये हैं।

अक्षय तृतीया पर दो नाबालिग बालिकाओं का बाल विवाह रुकवाया

गाडोलिया बस्ती में संयुक्त दल की कार्यवाही

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, नीमच श्री वीरेंद्र सिंह राजपूत के निर्देशन में अक्षय तृतीया पर संभावित बाल विवाह की रोकथाम हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नीमच द्वारा विशेष सतर्कता एवं निगरानी रखी गई।

इसी क्रम में 20 अप्रैल 2026 को जिला विधिक सहायता अधिकारी, नीमच श्री प्रवीण कुमार ने प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर लगभग 12:00 बजे नीमच शहर की गाडोलिया बस्ती में टीम के साथ मौके पर पहुंचकर जांच की। जांच के दौरान दो नाबालिग बालिकाओं के विवाह की तैयारी होना पाया गया। तत्पश्चात श्री प्रवीण कुमार ने तत्काल जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती अंकिता पंड्या को सूचित किया,जिस पर तत्परता

दिखाते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग की सी.डी.पी.ओ.शहर श्रीमती दीपिका नामदेव, पुलिस विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों की टीम मौके पर पहुंची।

मौके पर उपस्थित दोनों बालिकाओं के माता-पिता एवं परिजनों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के प्रावधानों से अवगत कराया तथा उनसे लिखित शपथ पत्र लिया गया कि वे उक्त बालिकाओं का विवाह 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने से पूर्व नहीं करेंगे,अन्यथा उनके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

इस दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग, पुलिस विभाग, राजस्व विभाग एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की संयुक्त टीम द्वारा आवश्यक पंचनामा तैयार कर वैधानिक कार्यवाही की गई। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नीमच की टीम में पैरा लीगल वॉलिंटियर्स श्री राकेश सिंह परिहार, श्री हेमेंद्र शर्मा, श्रीमती पिंकी ठाकुर उपस्थित रहे।

जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री प्रवीण कुमार ने आमजनो से अपील की है, कि बाल विवाह जैसी कुप्रथा को रोकने में सहयोग करे। यह जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नीमच द्वारा प्रदान की गई है।

मप्र की मंडियों में अब नहीं उठाना होगा भारी बोझ, 50 किलो की बोरी का नियम लागू

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश की कृषि उपज मंडियों में बरसों से भारी वजन ढो रहे हम्माल और तुलावटी वर्ग के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। हम्माल तुलावटी मजदूर कल्याण समिति के प्रदेशव्यापी संघर्ष और लंबी मांग के बाद अब प्रदेश की सभी 259 कृषि उपज मंडियों और 298 उप मंडियों में हम्मालों द्वारा 50 किलोग्राम से अधिक वजन की बोरी उठाने पर रोक लगा दी गई है। इस ऐतिहासिक निर्णय के संबंध में स्टेट मंडी बोर्ड ने प्रदेश के सभी मंडी सचिवों को विधिवत परिपत्र जारी कर दिया है, जिससे अब मजदूरों को 80, 90 या 100 किलोग्राम के भारी वजन से मुक्ति मिल सकेगी।

हम्माल तुलावटी मजदूर कल्याण समिति के अध्यक्ष सरदार कुणाल श्रीवास्तव ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि समिति लंबे समय से इस मानवीय मांग को लेकर शासन और प्रशासन के समक्ष आवाज उठा रही थी। इस सिलसिले में मंडी बोर्ड भोपाल सहित मंदसौर मंडी सचिव को भी समय-समय पर ज्ञापन सौंपकर मजदूरों के स्वास्थ्य और सुरक्षा का हवाला दिया गया था। स्टेट मंडी बोर्ड द्वारा जारी परिपत्र में स्पष्ट किया गया है कि वजन की मात्रा में कमी के आधार पर अब हम्माल और तुलावटी की दरों में भी आनुपातिक बदलाव किया जाएगा।

इस नई व्यवस्था को धरातल पर उतारने के लिए सभी मंडी समितियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने साधारण या विशेष सम्मेलन में इसे मुख्य एजेंडा के रूप में शामिल कर आवश्यक निर्णय लें। साथ ही, मंडी बोर्ड के सभी आंचलिक कार्यालयों को अपने संभाग की रिपोर्ट भेजने और नियम लागू न होने वाली मंडियों की विस्तृत जानकारी देने के निर्देश दिए गए हैं। कुणाल श्रीवास्तव ने इस निर्णय को मजदूर हित में एक बड़ी जीत बताते हुए प्रदेशभर के श्रमिक भाइयों को बधाई दी है। समिति ने अपील की है कि सभी सदस्य एकजुट होकर इस आदेश को हर मंडी में पूर्ण रूप से पारित करवाएं ताकि श्रमिकों को उनका वाजिब हक मिल सके।

नीमच सिटी में गूंजे जयकारे- 11 हजार आहुतियां, 11 बार हनुमान चालीसा पाठ के साथ भव्य धार्मिक आयोजन

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भगवान परशुराम जन्मोत्सव के पावन अवसर पर नीमच सिटी में भक्ति और आस्था से ओतप्रोत भव्य धार्मिक आयोजन सम्पन्न हुआ। श्री टेड़ेश्वर महादेव मंदिर परिसर, खेड़ी मोहल्ला में आयोजित इस कार्यक्रम में छतरपुर से पधारे आदित्य महाराज के सान्निध्य में 11 हजार हवन आहुतियां एवं 11 बार हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया गया।

रविवार सुबह 9:30 बजे से प्रारंभ हुए इस आयोजन में बालाजी महाराज हनुमान जी के समक्ष विधिवत पूजन-अर्चन के साथ हवन किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आहुतियां अर्पित कर धर्मलाभ प्राप्त किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान ÷जय श्री राम÷ और ÷हनुमान जी महाराज की जय÷ के जयघोष से मंदिर परिसर गूंजता रहा।

मित्र मंडल के सदस्य राजू वैद्य ने बताया कि यह आयोजन जगदगुरु रामभद्राचार्य जी महाराज एवं बागेश्वर धाम सरकार के शिष्य आदित्य महाराज (छतरपुर) के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। आयोजन का उद्देश्य क्षेत्र में धार्मिक वातावरण को सुदृढ़ करना और भक्तों में आध्यात्मिक चेतना का संचार करना रहा।

कार्यक्रम में क्षेत्र के बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी श्रद्धालु शामिल हुए। श्रद्धालुओं के लिए सभी व्यवस्थाएं निःशुल्क रखी गई थीं, जिससे हर वर्ग के लोग इसमें सहभागी बन सके। आयोजन का सफल संचालन श्री टेड़ेश्वर महादेव मित्र मंडल, नीमच सिटी द्वारा किया गया। आयोजकों ने बताया कि ऐसे धार्मिक कार्यक्रम समाज में सकारात्मक ऊर्जा, आपसी सद्भाव और एकता को मजबूत करते हैं।

सम्पादकीय

जब व्यवस्था बोलती है, तो नाम सिविल सेवकों का होता है

राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस उस अदृश्य शक्ति का उत्सव है जो देश की शासन व्यवस्था को गति, स्थिरता और दिशा प्रदान करती है। 21 अप्रैल को मनाया जाने वाला यह दिन उन सिविल सेवकों के योगदान को रेखांकित करता है, जो केवल प्रशासनिक पदों पर नहीं, बल्कि परिवर्तन के वाहक के रूप में कार्य करते हैं। ये अधिकारी योजनाओं को नीति-पत्रों से निकालकर समाज की वास्तविक जरूरतों से जोड़ते हैं और विकास को जमीनी स्तर पर जीवंत बनाते हैं। संकट की घड़ी हो या विकास की चुनौती, उनकी त्वरित निर्णय क्षमता और निष्ठा पूरे राष्ट्र को संतुलन और विश्वास देती है। यह अवसर हमें उनके मौन लेकिन प्रभावशाली योगदान को समझने और एक ऐसे प्रशासन के निर्माण का संकल्प लेने की प्रेरणा देता है, जो अधिक उत्तरदायी, संवेदनशील और जनकेंद्रित हो।

राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस का ऐतिहासिक आधार उतना ही प्रेरक है जितना इसका वर्तमान संदेश। 21 अप्रैल 1947 को सरदार वल्लभभाई पटेल ने दिल्ली के मेटकाफ हाउस में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के प्रथम बैच के परिवीक्षाधीन अधिकारियों को संबोधित किया था। उन्होंने उन्हें 'देश का स्टील फ्रेम' (स्टील फ्रेम ऑफ इंडिया) कहा, जो एक मजबूत, निष्पक्ष और ईमानदार प्रशासन की राष्ट्र निर्माण में अनिवार्य भूमिका को दर्शाता है। उनका यह संदेश सिविल सेवकों के लिए निर्भीकता, निष्पक्षता और जनसेवा की स्पष्ट दिशा बन गया। यह दिवस उसी विचार को जीवंत करता है, जब प्रशासनिक सेवाओं के महत्व को पुनः स्मरण करते हुए उनके योगदान का सम्मान और कृतज्ञता के साथ स्वीकार किया जाता है तथा राष्ट्र निर्माण में उनकी निर्णायक भूमिका को और अधिक सशक्त करने का संकल्प लिया जाता है।

राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस का उद्देश्य सिविल सेवकों के योगदान को सम्मान देना ही नहीं, बल्कि उन्हें जनसेवा में अधिक प्रभावी और उत्तरदायी बनने की प्रेरणा देना है। इस अवसर पर केंद्र सरकार द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों/जिलों/संगठनों को प्रधानमंत्री पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं, जो उनके उल्लेखनीय प्रयासों और सफल क्रियान्वयन का सम्मान है। यह सम्मान न केवल उनकी मेहनत को मान्यता देता है, बल्कि पूरे प्रशासन तंत्र में बेहतर कार्य की प्रेरणा भी पैदा करता है। साथ ही यह दिन पारदर्शिता, जवाबदेही और जन-केंद्रित शासन को मजबूत करने का संदेश देता है, ताकि सरकारी योजनाएँ बिना बाधा समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँच सकें।

भारत जैसे देश में, जहाँ सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक विविधता अत्यधिक है, सिविल सेवकों की भूमिका केवल प्रशासन तक सीमित नहीं, बल्कि राष्ट्र की जीवनरेखा के समान है। वे नीतियों को लागू करने वाले साधारण कार्यकर्ता नहीं, बल्कि समानता, न्याय और सामाजिक सद्भाव के वास्तविक रक्षक हैं। विकास योजनाओं को गाँव-गाँव तक पहुँचाना, वंचित और कमजोर वर्ग के अधिकारों को सुनिश्चित करना तथा समाज को एकता के सूत्र में बाँधना—ये सभी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ उनके कंधों पर होती हैं। संकट के समय उनकी भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। चाहे कोविड-19 जैसी महामारी हो, बाढ़, भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाएँ हों या कोई अन्य राष्ट्रीय संकट, सिविल सेवक सदैव अग्रिम पंक्ति में रहकर देश को संभालते हैं। उनकी अटूट निष्ठा, समर्पण और कर्तव्यपरायणता ही भारत को हर कठिन परिस्थिति में स्थिरता और प्रगति की दिशा प्रदान करती है।

आज का समय तकनीकी परिवर्तन और डिजिटल नवाचार का युग है, जिसने सिविल सेवकों की जिम्मेदारियों को पहले से अधिक व्यापक और जटिल बना दिया है। अब उन्हें पारंपरिक प्रशासनिक कार्यों के साथ-साथ आधुनिक तकनीकों को अपनाकर शासन को अधिक पारदर्शी, तेज और प्रभावी बनाना होता है। डिजिटल इंडिया जैसी पहलों ने ई-गवर्नेंस को मजबूत किया है, जिससे ऑनलाइन सेवाएँ, डिजिटल लेन-देन और सरल प्रक्रियाएँ जनता तक सुविधाजनक रूप से पहुँच रही हैं। साथ ही साइबर सुरक्षा, डेटा संरक्षण और डिजिटल जागरूकता जैसी नई चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। ऐसे में सिविल सेवकों का दायित्व है कि वे इन चुनौतियों का समाधान करते हुए प्रशासन को अधिक सक्षम, जन-केंद्रित और भविष्य उन्मुख बनाएँ, ताकि भारत एक सशक्त डिजिटल राष्ट्र के रूप में निरंतर आगे बढ़ सके।

आज सिविल सेवकों के सामने सामाजिक-आर्थिक असमानता, पर्यावरणीय संकट और जनसंख्या वृद्धि जैसी गंभीर चुनौतियाँ हैं, जिनके लिए दीर्घकालिक और प्रभावी समाधान जरूरी हैं। इनसे निपटने के लिए नवाचार, सहयोग और दूरदर्शी सोच अपनाना आवश्यक है। आदर्श सिविल सेवक वही है जो निष्पक्षता, ईमानदारी और जवाबदेही के साथ जनहित को सर्वोपरि रखे। राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस इस विचार को मजबूत करता है और प्रशासन में सुधार, दक्षता और पारदर्शिता पर चिंतन का अवसर देता है। निरंतर प्रशिक्षण, तकनीकी दक्षता और मजबूत व्यवस्था से सिविल सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है तथा जन-केंद्रित दृष्टिकोण से यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि प्रशासन वास्तव में जनता के हित में कार्य करे।

राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस सिविल सेवकों के लिए आत्मचिंतन और कर्तव्यनिष्ठा को पुनः जागृत करने का प्रेरक अवसर है। यह दिन सरदार वल्लभभाई पटेल के उस विचार को फिर से सशक्त करता है, जिसमें उन्होंने निष्पक्षता, ईमानदारी और जनता के प्रति जवाबदेही को सुशासन की आधारशिला बताया था। इस अवसर पर सिविल सेवकों को यह संकल्प लेना चाहिए कि वे देश, संविधान और नागरिकों के हित में पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करेंगे। उनकी यह निष्ठा ही भारत को मजबूत, समावेशी और प्रगतिशील राष्ट्र बनाने में आधार बनती है।

युवाओं के लिए ध्यानः सही दिशा और स्थिरता की ओर मार्गदर्शन

आज की प्रतिस्पर्धी और तेज़ रफ्तार दुनिया में, युवा अक्सर तनाव, भ्रम और भावनात्मक असंतुलन का अनुभव करते हैं। पढ़ाई का दबाव, सामाजिक अपेक्षाएँ और डिजिटल मीडिया के लगातार संपर्क में रहने के कारण शांत और एकाग्र रहना मुश्किल हो सकता है। ऐसी स्थिति में, सहज योग ध्यान युवाओं को आंतरिक शांति और संतुलन प्राप्त करने का एक स्वाभाविक और सहज तरीका प्रदान करता है।

सहज योग के सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक यह है कि यह सरल और सहज है, जो इसे युवाओं के लिए आदर्श बनाता है। अन्य तकनीकों के विपरीत, जिनमें कठोर एकाग्रता या विचारों पर नियंत्रण की आवश्यकता होती है, सहज योग सिखाता है कि जब आंतरिक ऊर्जा जागृत होती है तो विचार स्वाभाविक रूप से कम हो जाते हैं। यह युवाओं को विचार-रहित जागरूकता की स्थिति का अनुभव करने में मदद करता है, जहाँ मन शांत, सतर्क और शांतिपूर्ण होता है। सहज योग के माध्यम से ध्यान करने से युवाओं को कई लाभ मिलते हैं। सबसे पहले, यह तनाव और चिंता को कम करने में मदद करता है। छात्र अक्सर परीक्षाओं, करियर को लेकर चिंतित रहते हैं, लेकिन सहज योग ध्यान का नियमित अभ्यास मानसिक स्पष्टता और विश्राम लाता है। दूसरे, यह एकाग्रता और याददाश्त में सुधार करता है, जो शैक्षणिक सफलता के लिए आवश्यक है। एक शांत मन के साथ, सीखना अधिक आसान और प्रभावी हो जाता है। सहज योग ध्यान नियमित रूप से अभ्यास करने से हमारे भीतर धैर्य, आत्मविश्वास और आत्म-नियंत्रण जैसे गुणों का विकास करता है। परिणामस्वरूप, युवा चुनौतियों को अधिक सकारात्मक रूप से संभाल सकते हैं।इस प्रकार सहजयोग ध्यान युवाओं को सही दिशा तथा स्थिरता व आनंदमय जीवन प्रदान करता है।

शहर की सेहत ठीक नहीं—हमारी आदतें इसका रोग हैं

शहरों की असल तस्वीर उनकी ऊंची इमारतें नहीं, बल्कि बिखरी हुई नागरिक आदतें बयान करती हैं। भागती सुबह में उड़ता कचरा, लाल बत्ती को रौंदती गाड़ियां, फुटपाथों पर जमे वाहन और सार्वजनिक स्थानों के प्रति बेपरवाही—ये सब उस मानसिकता का खुला बयान हैं, जो अधिकार तो चाहती है, पर कर्तव्य से बचती है। घर की चमक और बाहर की गंदगी का यह तीखा विरोध अब हमें झकझोरता नहीं, क्योंकि हमने इसे सामान्य मान लिया है। यहीं सिविक सेंस दम तोड़ता है। हम व्यवस्था से उम्मीदें ऊंची रखते हैं, लेकिन उसे बनाने में अपनी जिम्मेदारी से कन्नी काट लेते हैं। 2026 में भी यही सोच इस समस्या को जिंदा रखे हुए है।

दैनिक जीवन में सिविक सेंस की कमी केवल दिखाई नहीं देती, बल्कि आंकड़ों में भी साफ दर्ज है। देश के शहरी इलाके हर दिन लगभग 1.62 लाख टन नगरपालिका कचरा पैदा करते हैं, जिसका बड़ा हिस्सा अब भी लैंडफिल या खुले में जा पहुंचता है—यह बताता है कि स्रोत पर अलग करना और सही निस्तारण जैसी बुनियादी आदतें अब भी हाशिए पर हैं। ट्रैफिक के मोर्चे पर स्थिति और भयावह है। 2024 में सड़क दुर्घटनाओं में 1.77 लाख से अधिक मौतें दर्ज हुईं—यानी औसतन रोज 485 जिंदगियां खत्म। ओवरस्पीडिंग, हेलमेट और सीट बेल्ट की अनदेखी, गलत पार्किंग जैसी लापरवाहियां इस त्रासदी की मुख्य वजह रहीं। सबसे चिंताजनक वह सोच है, जो इन आंकड़ों के पीछे छिपी है—÷दूसरे नहीं मानते, तो मैं क्यों मानूं? यही मानसिकता सिविक सेंस को भीतर से खोखला कर रही है।

समस्या सतह पर नहीं, हमारी परवरिश और सामाजिक ढांचे में जमी है। स्कूलों में सिविक सेंस सैद्धांतिक रह जाता है, व्यवहारिक अभ्यास लगभग गायब है। बच्चे किताबों में अनुशासन पढ़ते हैं, पर घर और सड़कों पर उसका उल्टा देखते हैं—यहीं से विरोधाभास जन्म लेता है। सफाई को ÷किसी और का काम÷ मानना और सार्वजनिक संपत्ति से दूरी इस कमी को और गहरा करते हैं। कानून तो हैं, पर उनका प्रवर्तन न निरंतर है, न सख्त; जुर्माना अपवाद बनकर रह जाता है, आदत नहीं बदलती। विडंबना यह कि विदेश में नियमों का पालन करने वाला नागरिक, अपने देश में लौटते ही वही पुरानी लापरवाही दोहराता है—यही दोहरापन बदलाव की सबसे बड़ी बाधा है।

इसके दुष्परिणाम केवल दृश्य गंदगी तक सीमित नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण—तीनों पर भारी पड़ते हैं। कचरे और अस्वच्छता से फैलने वाली बीमारियां लाखों लोगों, खासकर गरीबों और बच्चों को प्रभावित कर रही हैं। सड़क दुर्घटनाएं परिवारों को एक झटके में आर्थिक और भावनात्मक संकट में धकेल देती हैं। पर्यावरणीय नुकसान भी गहरा है—देश की 296 नदियों के खंड प्रदूषित हैं, जिनमें प्लास्टिक और औद्योगिक अपशिष्ट की बड़ी भूमिका है। कई शहरों में हवा खतरनाक स्तर पर बनी हुई है; खुले में कचरा जलाना इसे और विषैला बनाता है, जबकि अव्यवस्थित निपटान भूजल को भी दूषित करता है। इसका असर पर्यटन, निवेश और शहरों की छवि पर साफ दिखता है। जब नागरिक जिम्मेदारी से मुंह मोड़ते हैं, तो विकास की रफ्तार भी थमने लगती है।

सरकारी स्तर पर पहलें कमजोर नहीं रहीं—स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 ने ढांचे को मजबूती दी है और नतीजे भी दिखने लगे हैं। 2025 तक शहरी क्षेत्रों में कचरा प्रसंस्करण क्षमता में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई, कई शहरों में डोर-टू-डोर संग्रह 90त्न+ कवरेज तक पहुंच चुका है और लीगेसी वेस्ट की सफाई ने रफ्तार पकड़ी है। इंदौर लगातार स्वच्छ सर्वेक्षण में नंबर 1 बना हुआ है, जबकि सूरत और नवी मुंबई जैसे शहर व्यवहार और प्रबंधन—दोनों के सफल मॉडल पेश कर रहे हैं। 2026 के नए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों ने स्रोत पर 4-स्ट्रीम सेग्रिगेशन को अनिवार्य कर एक स्पष्ट दिशा भी तय कर दी है। फिर भी तस्वीर अधूरी है—उपलब्धियों के बावजूद आम नागरिक के व्यवहार में अपेक्षित बदलाव नजर नहीं आता। साफ है, इंफ्रास्ट्रक्चर जरूरी है, लेकिन निर्णायक बदलाव मानसिकता बदलने से ही आएगा।

वैश्विक अनुभव बताते हैं कि सिविक सेंस कानून से नहीं, संस्कृति से बनता है। जापान में बच्चे स्कूल की सफाई खुद करते हैं—सार्वजनिक जगह गंदा करना वहां अस्वीकार्य है। सिंगापुर ने सख्त प्रवर्तन से ऐसी आदतें विकसित कीं, जो अब स्वाभाविक व्यवहार हैं। भारत में भी इंदौर और सूरत जैसे शहरों ने शिक्षा, सामुदायिक निगरानी और कड़े अमल के संयोजन से उल्लेखनीय परिणाम दिए हैं। अब जरूरी है कि स्कूलों में सिविक सेंस को पाठ्य विषय नहीं, अनिवार्य व्यवहारिक अभ्यास बनाया जाए; युवाओं को नेतृत्व मिले और तकनीक आधारित निगरानी मजबूत हो। वास्तविक, स्थायी बदलाव तभी संभव है जब इसकी शुरुआत परिवार और शिक्षा—दोनों स्तरों से एक साथ हो।

समाधान किसी बड़े सूत्र में नहीं, बल्कि निरंतरता और व्यक्तिगत जिम्मेदारी की ठोस आदतों में छिपा है। कूड़ा डस्टबिन में डालना, सिग्नल पर रुकना, फुटपाथ खाली रखना और सार्वजनिक संपत्ति का सम्मान—ये छोटे कदम जब सामूहिक व्यवहार बनते हैं, तभी बड़ा बदलाव आकार लेता है। व्यवस्था को भी ढील नहीं, दृढ़ता चाहिए—दोहराए उल्लंघनों पर लाइसेंस निलंबन, अनिवार्य सामुदायिक सेवा जैसे कड़े प्रावधान लागू हों। साथ ही, जिम्मेदार आचरण को पहचान और प्रोत्साहन मिले, ताकि सकारात्मक उदाहरण फैलें। मीडिया, एनजीओ और स्थानीय समुदाय मिलकर लगातार, लक्ष्य-आधारित जागरूकता अभियान चलाएं—तभी बदलाव टिकाऊ बनेगा।

अब मुद्दा ÷कब÷ नहीं, ÷कैसे÷ का है। साफ सड़कें, अनुशासित ट्रैफिक और जिम्मेदार नागरिकता किसी एक योजना की देन नहीं, बल्कि सामूहिक चेतना की पहचान हैं। आंकड़े साफ चेतावनी दे रहे हैं—हर दिन 1.62 लाख टन कचरा, सालाना 1.77 लाख सड़क मौतें, और लगातार प्रदूषित होती नदियां। इसके बावजूद अगर हम बदलाव टालते हैं, तो समस्या ही हमारी आदत बन जाएगी। विकसित भारत का सपना नीतियों से नहीं, हमारे रोजमर्रा के व्यवहार से साकार होगा। सिविक सेंस कोई विचार भर नहीं, बल्कि हमारी पहचान बनना चाहिए—और इसकी शुरुआत आज, अभी, हमारे हर छोटे जिम्मेदार कदम से होनी चाहिए।

-प्रो. आरके जैन

ज्ञान, संस्कार और चरित्र से ही श्रेष्ठ समाज और राष्ट्र का निर्माण

विचार और सिद्धांत व्यक्ति के अंदर की अतः प्रज्ञा होती है। और यह सिद्धांत तथा अंतः विचारधारा जनमानस तक पहुंचने से बाधित किया जाए अंतरात्मा को प्रभावित करती है और इसके गहरे प्रभाव से व्यक्ति वह सब कर सकता है जो बिना मार्गदर्शन के व्यक्ति नहीं कर सकता। प्राचीन काल से अब तक वैचारिक सिद्धांत और विचारधारा सदैव समाज के दिग्दर्शक मार्गदर्शक रहे हैं। इनकी भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है।यदि यही सिद्धांत और अंतःप्रज्ञा जनमानस आत्मसात कर लेता है, तो इसका प्रभाव एक जन आंदोलन का रूप ले लेता है और यहीं से युग परिवर्तन की लहर प्रस्फुटित होती है। प्राचीन यूनान में एक बहुत ही कुरूप किंतु विद्वान व्यक्ति रहते थे,उनके विचारों में मौलिकता,नयापन जनजागृति की अद्भुत क्षमता थी। उनकी विद्वता के कारण आम जनमानस होने राजा से ज्यादा महत्व और बुद्धिमान मानते थे। राजकीय तानाशाही के चलते उनके विचारों के कारण उनको मृत्युदंड दे दिया गया। जहर का प्याला पीने के बाद भी विद्वान, चिंतक, सुकरात अमर हो गए, उनकी विचारधारा आज भी जीवित है, एवं लोग उसे अपनाकर अपना जीवन सुधारने में इसका उपयोग करते हैं। अब्राहम लिंकन ने अमेरिकी स्वतंत्रता के बाद दास प्रथा के बारे में कहा था कि दास भी मनुष्य हैं, उन्हें भी उतना ही जीने का अधिकार है जितना स्वामी को है। अब्राहम लिंकन के आंदोलनकारी विचार से तत्कालीन समय में अमेरिका के लोग घबरा गए थे,और उनकी हत्या कर दी गई थी। पर अब्राहम लिंकन के विचारों ने दास प्रथा के उन्मूलन की अंतर आत्मा को जागृत कर दिया था, और जनमानस ने अपने अधिकारों के लिए लड़ते हुए दास प्रथा से मुक्ति पाई थी।

स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था कि हम जो सोचते हैं वही बन जाते हैं। विचार एवं सिद्धांत ही व्यक्ति का निर्माण करता है। वही दुष्ट होने या महान होने का निर्णायक है। और बिना विचारों सिद्धांतों के व्यक्त व्यक्ति का अस्तित्व ही नहीं । विवेकानंद जी के विचार सर्व कालीन प्रासंगिक है। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने उनके जीवित रहते हुए थे। आज हमारे बीच विवेकानंद जी स शरीर मौजूद नहीं है, पर उनके विचारों की महत्ता कायम है।भौतिक शरीर के नष्ट हो जाने से और भौतिक विचार तथा सिद्धांत उतनी ही तीव्रता रखते हैं, वेग रखते हैं, जो एक समाज में परिवर्तन ला सकती है ।विचारों की यह अमरता तथा तीव्रता किसी भी तानाशाह के लिए इतनी खतरनाक है, जितनी की सुप्त शेर की गुफा में रहना। जनता के मध्य शुद्ध विचारधारा के जागृत होने पर क्रांति लाई जा सकती है। फिर चाहे वह फ्रांस के वर्साय के महल का विध्वंस हो अथवा भारत की स्वतंत्रता हेतु वृहद आंदोलन हो। व्यक्ति या व्यक्तियों के दबाव को दबाने के बाद विचारों की पीड़िता ने जनसामान्य को एक गरजते हुए सिंह में तब्दील कर दिया था। यह शाश्वत सत्य है कि व्यक्ति को जरूर आप दबा सकते हैं,पर विचारधारा सिद्धांत अजर अमर होते हैं।

-संजीव ठाकुर

कृत्रिम बुद्धिमत्ताः सुविधा का वरदान या मूल्यों का संकट

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास यदि देखा जाए तो यह स्पष्ट होता है कि हर नई तकनीक अपने साथ संभावनाओं और संकटों का एक द्वंद्व लेकर आती है। आज का समय भी इसी द्वंद्व से गुजर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के रूप में विकसित हो रही नवीन तकनीक ने जीवन को सरल, तीव्र और सुविधाजनक बनाया है, किंतु इसके साथ ही यह मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक संतुलन के लिए एक गंभीर चुनौती भी बनकर उभर रही है। समाज के चिंतकों, दार्शनिकों और आध्यात्मिक नेतृत्व ने समय-समय पर इस विषय पर चिंता व्यक्त की है और हाल ही में पोप लियो 14 द्वारा व्यक्त आशंकाओं ने इस चिंता को वैश्विक विमर्श का केंद्र बना दिया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि इस तकनीक का उपयोग नैतिक मर्यादाओं से परे जाकर किया गया, तो यह विश्व में विभाजन, भय, हिंसा और संघर्ष को बढ़ावा दे सकती है। यह चेतावनी केवल एक धार्मिक नेता की भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं है, बल्कि यह उस गहरी चिंता का संकेत है जो आज पूरी मानवता के भीतर कहीं न कहीं विद्यमान है। तकनीक अपने आप में न तो नैतिक होती है और न ही अनैतिक, किंतु उसका उपयोग उसे किसी भी दिशा में ले जा सकता है।

वर्तमान समय में यह देखा जा रहा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग केवल रचनात्मक और सकारात्मक कार्यों तक सीमित नहीं रह गया है। इसके माध्यम से झूठी सूचनाओं का निर्माण, नकली चित्रों और ध्वनियों का सृजन तथा जनमत को प्रभावित करने के प्रयास तेजी से बढ़े हैं। चुनावी प्रक्रियाओं में इसका उपयोग लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर कर सकता है। जब कोई मतदाता यह समझ ही नहीं पाता कि जो वह देख रहा है या सुन रहा है वह सत्य है या निर्मित भ्रम, तब उसकी निर्णय क्षमता प्रभावित होती है। यह स्थिति लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास को कमजोर करती है। आज सोशल माध्यमों पर ऐसी अनेक घटनाएँ सामने आती हैं, जहाँ किसी व्यक्ति को नरेंद्र मोदी जैसे बड़े नेताओं के साथ दिखाया जाता है, जबकि वास्तविकता में ऐसा कभी हुआ ही नहीं होता। यह केवल व्यक्तिगत भ्रम नहीं, बल्कि सामाजिक स्तर पर विश्वास की संरचना को कमजोर करने वाला प्रवाह है। जब झूठ और सत्य के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समाज में संशय, अविश्वास और अस्थिरता का वातावरण बनता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का एक और चिंताजनक पक्ष है साइबर अपराधों में इसका बढ़ता उपयोग। आज अपराधी किसी व्यक्ति की आवाज की नकल करके उसके परिचितों को धोखा देने में सक्षम हो गए हैं। परिवार के सदस्य या अधिकारी बनकर धन की ठगी करना अब अत्यंत सरल हो गया है। इस प्रकार की घटनाओं ने अनेक लोगों की जीवन भर की कमाई को पल भर में समाप्त कर दिया है। यह केवल आर्थिक क्षति नहीं, बल्कि विश्वास और सुरक्षा की भावना पर गहरा आघात है। वित्तीय क्षेत्र में भी इस तकनीक का दुरुपयोग गंभीर संकट उत्पन्न कर सकता है। स्वचालित हमलों के माध्यम से बैंकिंग व्यवस्था की कमजोरियों का लाभ उठाया जा सकता है। यदि इस प्रकार के हमले व्यापक स्तर पर होते हैं, तो यह केवल व्यक्तिगत हानि तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि राष्ट्रीय और वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी अस्थिर कर सकते हैं। यह स्थिति उस समय और भी गंभीर हो जाती है जब नियामक संस्थाएँ इन जटिल तकनीकों की गति और स्वरूप को समझने में पीछे रह जाती हैं।

पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह तकनीक पूरी तरह निर्दोष नहीं है। विशाल आंकड़ा केंद्रों की स्थापना, ऊर्जा की अत्यधिक खपत, तथा खनिज संसाधनों का दोहन-ये सभी प्रकृति पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं। कोबाल्ट और लिथियम जैसे खनिजों की बढ़ती मांग पर्यावरणीय असंतुलन और मानवीय शोषण दोनों को जन्म देती है। इस प्रकार यह तकनीक केवल सामाजिक या नैतिक ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय चुनौती भी बन रही है। इन सभी चिंताओं के बीच यह समझना आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को नकारा नहीं जा सकता। यह आधुनिक जीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है और चिकित्सा, शिक्षा, आपदा प्रबंधन तथा उत्पादन के क्षेत्र में इसके योगदान को अनदेखा नहीं किया जा सकता। समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके उपयोग के स्वरूप में है। यदि इसे मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ जोड़ा जाए, तो यह एक वरदान सिद्ध हो सकती है।

इसके लिए सबसे पहले आवश्यक है कि इसके विकास और उपयोग के लिए स्पष्ट और सशक्त नियम बनाए जाएं। सरकारों और संस्थाओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस तकनीक का उपयोग पारदर्शी, सुरक्षित और उत्तरदायी तरीके से हो। कंपनियों को अपने तंत्र में ऐसी व्यवस्थाएँ विकसित करनी चाहिए, जिससे किसी भी प्रकार की भ्रामक सामग्री की पहचान और नियंत्रण संभव हो सके। साथ ही नागरिकों की जागरूकता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। डिजिटल साक्षरता के बिना कोई भी समाज इस चुनौती का सामना नहीं कर सकता। लोगों को यह समझना होगा कि जो कुछ वे देख या सुन रहे हैं, वह हमेशा सत्य नहीं हो सकता। सत्यापन की प्रवृत्ति को विकसित करना समय की आवश्यकता है। नैतिकता के स्तर पर यह भी आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रशिक्षण के लिए उपयोग किए जाने वाले आंकड़े निष्पक्ष और उच्च गुणवत्ता वाले हों। यदि आधार ही पक्षपाती होगा, तो परिणाम भी पक्षपाती होंगे। इससे सामाजिक असमानता और भेदभाव को बढ़ावा मिल सकता है। इसलिए निष्पक्षता, पारदर्शिता, गोपनीयता और उत्तरदायित्व जैसे सिद्धांतों को इसके विकास का आधार बनाना होगा। सांस्कृतिक दृष्टि से भी यह ध्यान रखना आवश्यक है कि तकनीकी विकास हमारी परंपराओं और मूल्यों के साथ संतुलन बनाए रखे। हमारी सांस्कृतिक धरोहर का डिजिटलीकरण और संरक्षण इस दिशा में एक सकारात्मक कदम हो सकता है, किंतु यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इसका उपयोग सम्मानपूर्वक और संवेदनशीलता के साथ किया जाए। साररूप में यह कहा जा सकता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक शक्तिशाली साधन है, जो मानव जीवन को नई दिशा दे सकता है। किंतु यदि इसे नैतिकता से अलग कर दिया जाए, तो यह उसी गति से विनाश का कारण भी बन सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम तकनीक के विकास के साथ-साथ अपने नैतिक मूल्यों को भी सुदृढ़ करें। विज्ञान और मानवीय संवेदना के बीच संतुलन ही वह मार्ग है, जो हमें सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की ओर ले जा सकता है।

-ललित गर्ग

राजनीति के फेर में फंसा महिला आरक्षण

महिला आरक्षण संबंधी संशोधन विधेयक संसद में गिर जाने के बावजूद सत्तापक्ष और विपक्ष द्वारा अपनी-अपनी जीत तथा खुद को महिला हितैषी बताने के दावे बहुत ज्यादा नहीं चौंकाते। विधायिका में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण अब कब और कैसे लागू होगा, यह तो समय ही बताएगा, लेकिन देश की पूरी राजनीति आधी आबादी के इर्दगिर्द सिमटना तय है। विधेयक संसद में गिरने के कुछ ही मिनटों बाद भाजपा की महिला सांसदों के प्रदर्शन से मिले संकेतों की पुष्टि अगले दिन कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा की प्रेस कांफ्रेंस और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन से हो गई।

मोदी की यह टिप्पणी कि 'नारी अपमान बर्दाश्त नहीं करती'-विपक्ष को सबक सिखाने का राजनीतिक आह्वान ही है। कांग्रेस को 'सुधार-विरोधी' बताते हुए प्रधानमंत्री अतीत के उदाहरण गिनाना भी नहीं भूले। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से लेकर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन तक विपक्षी नेताओं का जवाबी आरोप है कि महिला आरक्षण विधेयक 2023 में ही सर्वसम्मति से पारित हो चुका, अब तो परिसीमन विधेयक के बहाने भाजपा देश का राजनीतिक मानचित्र बदलना चाहती है। जाहिर है, दोनों पक्षों ने कुछ स्वाभाविक सवालों से मुंह चुराते हुए अपनी राजनीति के अनुकूल तर्क चुन लिए हैं।

सरकार को लगा कि देश की आधी आबादी को नीति निर्धारण की प्रक्रिया में भागीदारी से अब और वंचित नहीं रखा जा सकता। इसीलिए संसद के बजट सत्र का सत्रावसान करने के बजाय उसकी तीन दिवसीय विशेष बैठक बुलाई गई और महिला आरक्षण संबंधी संशोधन विधेयक को पारित कराने का दांव चला गया। चुनावों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और निर्णायक होती भूमिका ने राजनीतिक सत्ता को यह अहसास कराया है कि उन्हें विधायिका में जल्द आरक्षण देकर अपनी सत्ता भी सुरक्षित की जा सकती है। हालांकि विधायिका में महिलाओं की अधिक भागीदारी के लिए खुद को चिंतित दिखा रही पुरुष प्रधान राजनीति उन्हें अपनी सीटों में हिस्सेदारी देने को तैयार नहीं। इसीलिए संसद की 543 सीटों को बढ़ाकर 850 करते हुए 33 प्रतिशत महिला आरक्षण का सुरक्षित रास्ता निकाला गया।

दशकों तक सत्ता का सफल खिलाड़ी रहे विपक्ष को यह समझने में देर नहीं लगी कि इस कवायद का राजग को पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में लाभ मिल सकता है। महिला आरक्षण पर आम सहमति के बावजूद नवीनतम जनगणना पर आधारित परिसीमन की शर्त हटाने संबंधी संविधान संशोधन पर सत्तापक्ष और विपक्ष में तकरार के मूल में राजनीति तो है ही, सत्ता संतुलन की चिंता भी है। अभी तक परिसीमन का आधार जनगणना रही है। इसीलिए दक्षिण भारतीय राज्य लोकसभा सीटों की संख्या और परिणामस्वरूप राष्ट्रीय राजनीतिक संतुलन में पिछड़ने की आशंका जताते हैं। बेशक जनसंख्या नियंत्रण और बेहतर साक्षरता दर के सहारे आर्थिक विकास के मोर्चे पर भी दक्षिण भारत ने उत्तर भारत से बेहतर प्रदर्शन किया है।

देश के राजस्व में भी उनका योगदान भी अपेक्षाकृत अधिक रहा है। इसके लिए उन्हें राजनीतिक दंड नहीं दिया जाना चाहिए, पर उत्तर भारतीय राज्यों को भी राजनीतिक नेतृत्व और शासन तंत्र की इन मोर्चों पर नाकामी के लिए दंडित नहीं किया जा सकता। लोकसभा चुनाव क्षेत्र की आबादी दक्षिण भारत के मुकाबले उत्तर भारत में दोगुनी होना तर्कसंगत नहीं। भारत सरीखे विशाल और विविधतापूर्ण देश में विवेकपूर्ण सोच से ही ऐसी जटिल चुनौतियों से निपटते हुए भविष्य के लिए संतुलित नीतियां बनाई जा सकती हैं, लेकिन हमारी राजनीति तो समस्याओं से मुंह चुराने की आदी रही है। आपातकाल के दौरान 1976 में इंदिरा गांधी सरकार ने 42वें संविधान संशोधन के जरिये 2001 तक लोकसभा सीटें 543 पर फ्रीज कर दीं, तो वाजपेयी सरकार ने उसे 2026 तक बढ़ा दिया।

अमित शाह ने राजनीतिक प्रतिनिधित्व कम होने संबंधी दक्षिणी राज्यों की आशंका दूर करते हुए आश्वासन दिया कि सभी राज्यों में सीटों की संख्या 50 प्रतिशत बढ़ेगी, जिससे अनुपात का संतुलन प्रभावित नहीं होगा। फिर भी विपक्ष बिना परिसमीन ही महिला आरक्षण लागू करने तथा नवीनतम जनगणना आधारित परिसीमन के संवैधानिक प्रविधान पर जोर देता रहा, तो उसके भी कारण हैं। पहला, सीटों में 50 प्रतिशत वृद्धि वाले फार्मूले से भी भाजपाई वर्चस्व वाले उत्तर और पश्चिम भारत में सीटें ज्यादा बढ़ेंगी, जिससे लोकसभा में बहुमत पाना आसान हो जाएगा। दूसरा, इस फार्मूले का उल्लेख संविधान संशोधन विधेयक में नहीं था। यानी परिसीमन 2011 की जनगणना के आधार पर किया जाता। शाह ने विधेयक में इस संशोधन के लिए एक घंटे का समय मांगा, पर विपक्ष नहीं माना।

नवीनतम जनगणना आधरित परिसीमन की संवैधानिक बाध्यता समाप्त कर उसे संसद के साधारण बहुमत यानी सरकार की मर्जी पर छोड़ देने के खतरों के प्रति विपक्ष की चिंताएं समझी जा सकती हैं, लेकिन परिसीमन संबंधी जटिलताओं का हल राजनीतिक नहीं, राष्ट्रीय सोच से ही संभव है। संविधान हर मतदाता को एक वोट का अधिकार देता है और हर वोट की ताकत बराबर है। इसलिए सिर्फ राजनीतिक संतुलन के लिए परिसीमन में जनसंख्या को नजरअंदाज करने का सोच अलोकतांत्रिक है।

तेलंगाना के कांग्रेसी मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की कर राजस्व, जीडीपी और सामाजिक विकास मापदंडों के आधार पर राज्यों की सीटें तय करने की मांग राष्ट्रीय एकता के लिए विभाजनकारी है तो महिला आरक्षण में ओबीसी और मुस्लिम आरक्षण की मांग सामाजिक समरसता के लिए खतरनाक।

सत्तापक्ष और विपक्ष में नैरेटिव की जंग शुरू हो चुकी है। संविधान संशोधन के लिए जरूरी दो-तिहाई बहुमत न होने के बावजूद भाजपा द्वारा बीच चुनाव संसद की विशेष बैठक के जोखिम के मूल में उसका नैरेटिव की जंग में भारी पड़ने का अतीत माना जा रहा है, पर इस बार बढ़त का पहला संकेत जारी विधानसभा चुनावों के नतीजों से मिल सकता है। तमिलनाडु और बंगाल में अभी मतदान होना है, जहां महिला मतदाता अपेक्षाकृत ज्यादा प्रभावी हैं।

-धनंजय राजौरा

अक्षय तृतीया से बदली ठाकुर जी की दिनचर्या और श्रृंगार

87 दिनों तक होगा शीतल श्रृंगार, ठंडे पदार्थों का लगाएंगे भोग

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। इन दिनों गर्मी अपने चरम पर है। जिससे सभी के हाल बेहाल हैं। ऐसे में अपने प्रभु को इस भीषण गर्मी से बचाने के लिए मंदिरों में उनके भक्तों द्वारा जतन शुरू कर दिए गए हैं। सोमवारिया बाजार स्थित अति प्राचीन गोवर्धन नाथ हवेली में भी अक्षय तृतीया से प्रभु का श्रृंगार और भोग ग्रीष्म ऋतु अनुसार लगाया जाने लगा है।

सोमवार को अक्षय तृतीया से इसकी शुरुआत हुई। अब आने वाले 87 दिन तक सभी मंदिर हवेलियों में ठाकुरजी के लिए शीतल श्रृंगार, भोग और हवेली में शीतलता बनाएं रखने के प्रबंध किए जाएंगे। सभी पुष्टीमार्गिय मंदिर हवेलियों में ठाकुरजी का मंदिर मुखिया परिवार बालक की तरह ख्याल रखता है। सुबह उठाने से लेकर रात को शयन तक दिन में पांच बार ठाकुरजी का श्रृंगार किया जाता है। प्रतिदिन और प्रत्येक श्रृंगार में ठाकुरजी की मनोहारी छबी दिखाई देती है। इसी छबी को निहारने के लिए विश्वभर के वैष्णवजन मंदिर हवेलियों में पहुंचते है। परंपरानुसार प्रत्येक मौसम में ठाकुरजी की

दिनचर्या का बदलाव किया जाता है। ऐसे में अक्षय तृतीया से ठाकुरजी की हवेलियों में प्रवेश करते ही शीतलता का अनुभव होता है। क्योंकि अक्षय तृतीया से ठाकुरजी को गर्मी से बचाने के जतन प्रारंभ हो जाते है। ये जतन अषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष को निकलने वाली भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा तक किए जाएंगे। इसी क्रम में शाजापुर के सोमवारिया बाजार स्थित 350 वर्ष पुरानी श्री गोवर्धननाथ मंदिर हवेली में भी ठाकुरजी की दिनचर्या में सोमवार को अक्षय तृतीया से परिवर्तन किया गया।

शीतलता प्रदान करने के लिए तैयारी- श्री गोवर्धन नाथ मंदिर हवेली के मुखिया परिवार ने बताया कि यहां पर अषाढ़ माह की शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि तक ठाकुरजी को श्वेत, हल्के गुलाबी, हल्का पीला सहित शीतलता प्रदान करने वाले सूती वस्त्र पहनाएं जाएंगे। इसके साथ ही श्रृंगार में मोतियों की माला, शीतलता प्रदान करने वाले पुष्पों की माला का उपयोग किया जाएगा। भोग के लिए कैरी का पना, आम का रस, चने की दाल, श्रीखंड, आमखंड, दही, मक्खन, खरबूजा, खस का शर्बत आदि का उपयोग होगा। इसके अतिरिक्त मंदिर हवेलियों में व्यवस्था के अनुसार पंखे, कूलर और एसी भी ठाकुरजी के लिए सतत चालू रखे जाएंगे। वहीं कलशों में भरकर यमुनाजी का जल रखा जाएगा और फव्वारें भी लगाए जाएंगे। श्री गोवर्धननाथ मंदिर हवेली में ठाकुरजी की दिनचर्या का ध्यान रखते हुए अलग-अलग श्रृंगार मंदिर मुखिया परिवार के सदस्य करेंगे।

अधिक मास होने के कारण इस बार 87 दिन तक चलेगा यह क्रम- प्रतिवर्ष सभी मंदिर हवेलियों में ठाकुरजी को गर्मी से बचाने के लिए करीब दो माह तक प्रक्रिया चलती है, लेकिन इस वर्ष पंचांग के अनुसार दो ज्येष्ठ माह है। ऐसे में इस बार 20 अप्रेल से प्रारंभ होकर 16 जुलाई को जगन्नाथ रथयात्रा के दिन तक कुल 87 दिनों तक ठाकुरजी को गर्मी से बचाने के लिए छोटे बच्चों की तरह ध्यान रखा जाएगा। इधर शीतलता प्रदान करने वाली मंदिर हवेलियों में प्रतिदिन बड़ी संख्या में भक्त ठाकुरजी के दर्शन के लिए पहुंचेंगे। इधर श्री रणछोड़ राय मंदिर (द्वारिकाधीश मंदिर) में भी ठाकुरजी का गर्मी से बचाव के लिए शीतलता प्रदान करने वाला श्रृंगार अक्षय तृतीया से प्रारंभ किया जाएगा। यहां पर भी शीतलता प्रदान करने पकवानों का ही भोग लगाया जाएगा।

चुभती जलती गर्मी के कारण बदला स्कूलों का समय

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इन दिनों तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है। जिससे बच्चों के स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ सकता है। इसे देखते हुए जिला शिक्षा विभाग द्वारा कलेक्टर के आदेश पर स्कूलों का समय बदला गया है। अब सभी स्कूल 7.30 बजे से 12.30 बजे तक संचालित होंगे। शाजापुर जिले में बढ़ती गर्मी के कारण स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। जिला शिक्षा विभाग ने सोमवार शाम 4 बजे आदेश जारी कर बताया कि अब नर्सरी से 12वीं तक की कक्षाएं सुबह 7.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक संचालित होंगी। यह नया समय 21 अप्रैल 2026 से प्रभावी होगा। डीईओ राजेंद्र शिप्रे ने बताया कि ग्रीष्म ऋतु में लगातार बढ़ते तापमान से छात्रों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव की आशंका को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही शैक्षणिक स्टाफ को दोपहर 2 बजे तक विद्यालय में उपस्थित रहकर नामांकन, आधार अपडेशन और अपार आईडी जैसे अन्य शैक्षणिक कार्य पूरे करने के निर्देश दिए गए हैं। ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए जिले के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों का समय भी बदला गया है। जिसे अब सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक निर्धारित किया गया है। शाजापुर में सोमवार सुबह से ही तेज गर्मी का असर महसूस किया जा रहा था, जिससे स्कूली बच्चों को आवागमन में परेशानी हो रही थी। इसी स्थिति को देखते हुए शिक्षा विभाग ने यह कदम उठाया है।

फिर दिखा पश्चिमी विक्षोभ का असर, गरज-चमक के साथ हुई बूंदाबांदी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। भीषण गर्मी झेल रहे नगरवासियों के लिए रविवार की शाम राहत भरी रही। इस दिन शाम को अचानक मौसम में बदलाव हुआ और गरज-चमक के साथ बूंदाबांदी शुरू हो गई। इस दौरान बारिश तो ज्यादा नहीं हुई, लेकिन बादलों की गर्जना और ठंडी हवाओं ने गर्मी से राहत जरूर दी। हालांकि सुबह होते ही यह राहत फिर छीन गई और सोमवार को फिर दिन की शुरूआत तीखी धूप के साथ हुई।

उम्मीद थी कि रविवार रात को हुए मौसम के बदलाव का असर सोमवार को भी दिखेगा, लेकिन 8 बजे बाद ही आसमान साफ हो गया और तीखी धूप खिली, जिसके चलते सुबह से लोगों के पसीने छूटने लगे। इस दिन भी अधिकतम तापमान 40 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के कारण मौसम में बदलाव हुआ था। जिसके चलते यह

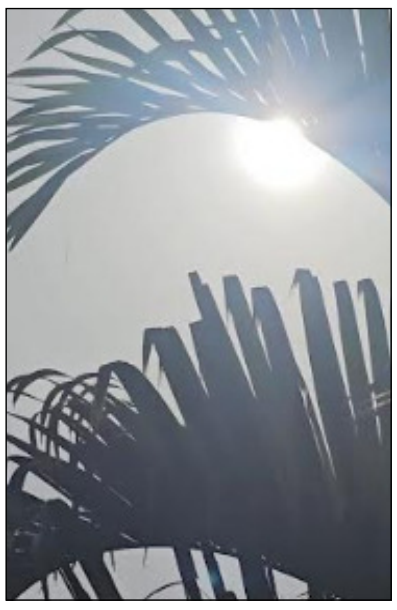

सिस्टम बना और गरज-चमक के साथ रात में 0.5 एमएम वर्षा दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि मौसम परिवर्तन की अब कोई संभावना नहीं है। तापमान में वृद्धि होगी। संभवतया इसी सप्ताह तापमान 42 से 44 डिग्री पहुंच सकता है।

रात में भी राहत नहीं तापमान 24 पार- केवल दिन में ही नहीं बल्कि रात में भी लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिल पा रही है। रात का तापमान भी लगातार बढ़ता जा रहा है। रविवार की रात इस सीजन की सबसे गर्म रात रही और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग की माने तो रात के तापमान में भी लगातार वृद्धि होगी।

परशुराम जयंती पर तीन दिवसीय आयोजन शुरू

24 को वाहन रैली, 26 को निकलेगी शोभायात्रा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रभु श्री परशुराम जी के प्राकट्योत्सव पर सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा तीन दिवसीय आयोजन किए जा रहे हैं, जिसकी शुरूआत सोमवार को भगवान परशुराम जी के हवन-पूजन से हुई। इस दिन बड़ी संख्या में समाजजनों ने दुपाड़ा रोड स्थित मंदिर पहुंचकर वहां विधि-विधान से हवन-पूजन कर प्रभु का आशीर्वाद लिया।

आयोजन के लिए मंदिर को फूलों से सजाया गया और आकर्षक लाइटिंग से परिसर जगमगा उठा। इस अवसर पर समाज के विप्र बंधुओं ने हवन-पूजन कर विश्व कल्याण की कामना की। इसके बाद प्रसाद वितरण किया गया। आयोजन में बड़ी संख्या में समाजजन और मातृशक्ति उपस्थित रहे। मीडिया प्रभारी मोहित व्यास ने बताया कि प्राकट्योत्सव को लेकर समाज में व्यापक उत्साह है। अब तक 800 से अधिक घरों तक पहुंचकर शोभायात्रा और वाहन रैली में शामिल होने के लिए आमंत्रण दिया जा चुका है। शहर में समाज के लगभग 1200 परिवार निवास करते हैं। इसके अतिरिक्त, आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी लोगों को आमंत्रित किया जा रहा है। अध्यक्ष दिलीप शर्मा और युवा अध्यक्ष भूपेंद्र भोला शर्मा ने जानकारी दी कि समाज हर वर्ष इस उत्सव को धूमधाम से मनाता है। इस वर्ष भी विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई है और प्रभारियों की नियुक्ति की गई है, जिसमें महिला और पुरुष शाखाओं के अलग-अलग पदाधिकारी अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। कार्यक्रम के तहत 20 अप्रैल को सुबह चामुंडा टेकरी स्थित परशुराम मंदिर पर हवन-पूजन किया गया। शाम को महाआरती का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद 24 अप्रैल को एक विशाल वाहन रैली निकाली जाएगी। यह रैली राजराजेश्वरी मंदिर से शुरू होकर शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए दुपाड़ा रोड स्थित परशुराम मंदिर पहुंचेगी। इसके बाद 26 अप्रैल को बालवीर हनुमान मंदिर, वजीरपुरा से एक भव्य शोभायात्रा प्रारंभ होगी। यह शोभायात्रा शहर के मुख्य मार्गों से होकर पुनः उसी स्थान पर समाप्त होगी। शोभायात्रा के समापन के बाद महाप्रसादी का आयोजन किया जाएगा।

अक्षय तृतीया पर्व पर हुआ परमात्मा का विशेष अभिषेक

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के जैन समाज द्वारा अक्षय तृतीया पर्व धार्मिक आस्था और विशेष आयोजन के साथ मनाया। इस अवसर पर गन्ने के रस से परमात्मा का अभिषेक भी किया गया। मीडिया प्रभारी मंगल नाहर ने बताया कि धार्मिक मान्यतानुसार जैन समाज में अक्षय तृतीया पर्व का अत्यंत विशेष महत्व है। आज ही के दिन प्रथम जैन तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव (आदिनाथ) ने बारह वर्ष का तप करने के बाद इक्षुरस यानि कि गन्ने के रस से पारणा किया था। इसी परंपरानुसार अक्षय तृतीया पर्व पर पूरे वर्ष तपस्या करने वाले तपस्वियों के बड़े स्तर पर पारणे के आयोजन होते हैं। पर्व की महत्वतानुसार अलसुबह नगर के ओसवाल सेरी स्थित चौबीस जिनालय धाम में समाजजनों द्वारा परमात्मा का गन्ने के रस से विशेष अभिषेक किया। जिसके अंतर्गत पक्षाल पूजा, केसर पूजा व पुष्प पूजा की बोली का लाभ श्रीमती विनीता आशुतोष चोपड़ा परिवार ने लिया। इस दौरान बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

बीईओ कार्यालय प्रांगण बजाग में संपन्न हुआ सामूहिक विवाह समारोह कार्यक्रम में 200 वर वधु परिणय सूत्र से बंधे सामूहिक विवाह समारोह में शामिल हुए डिंडौरी विधायक ओमकार सिंह मरकाम

डिण्डोरी/दैनिक मालवा हेराल्ड। बीआरसी मैदान बजाग में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन विभाग के तत्वाधान में आज मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के तहत सामूहिक विवाह समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम में डिंडोरी विधायक श्री ओमकार मरकाम, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री रुद्रेश परस्ते, जिला उपाध्यक्ष श्रीमति अंजू ब्यौहार, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री चमरू नेताम, जिला सदस्य श्रीमती हीरा रुद्रेश, जनपद उपाध्यक्ष श्री राधेश्याम कुशराम ,जनपद अध्यक्ष करंजिया श्री राजू उददे, उपाध्यक्ष श्रीमती गीता पट्टा, जनपद सदस्य श्री धरम सिंह, श्रीमती वर्षा कुशराम, जनपद सदस्य श्री लोकेश पटेरिया, श्री शंकर लाल धुर्वे, श्री उत्तम ठाकुर, श्री ब्रजेश तिवारी, कौशिल्या कुशराम, श्री श्याम सिंह, श्री पर्वत सिंह सहित कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, जिला पंचायत सीईओ श्री

दिव्यांशु चौधरी, डिप्टी कलेक्टर श्री वैद्यनाथ वासनिक, एसडीएम डिंडौरी श्री रामबाबू देवांगन, तहसीलदर श्री सुंदर लाल यादव, जनपद सीईओ श्री सचिन अग्रवाल, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री राजेन्द्र कुमार जाटव, महिला बाल विकास अधिकारी श्री श्याम सिंगौर, बीईओ, बीआरसी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में जनपद पंचायत करंजिया, बजाग के कुल 200 वर-वधु परिणय सूत्र से बंधे। प्रशासन ने सभी युगलों को टोकन प्रदान करने की व्यवस्था की। कार्यक्रम में नृत्य, गुदुम बाजा की रोचक प्रस्तुति दी गयी, विवाह पूरी हिन्दु रीति रिवाज से संपन्न हुए। जनपद पंचायत प्रांगण से निकलकर बारात मुख्य मार्ग होते हुए बीआरसी मैदान में आयोजित मुख्य सामूहिक विवाह समारोह में शामिल हुए। जहां पर वर-वधु को हिन्दु रीति रिवाज के अनुसार धर्मगुरू श्री दान सिंह मरावी, श्री भागवत परस्ते, श्री एस.के. पाठक ने मंत्र उच्चारण कर 200 वर-वधु को शादी के बंधन में बांधा।

डिंडौरी विधायक श्री ओमकार मरकाम ने कहा कि शादी के बंधन में बंधना केवल विश्वास के धागे बंधे रहना है। उन्होंने कहा कि आज आप एक समाज का हिस्सा बनने जा रहे हैं अपनी जिम्मेदारी निभाएं और अपने माता-पिता, सास-ससुर का सम्मान करते हुए नशे से दूर रहें और आगे बढते हुए अपने जीवन को खुशहाल बनाएं।

जिला अध्यक्ष श्री चमरू सिंह नेताम ने कहा कि आज अक्षय तृतीया का एक महत्वपूर्ण दिन है जिस पावन अवसर पर 200 वर-वधु शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। मेरी आप सबसे अपील है कि हर साल अपनी साल गिरह पर दोनों वर-वधु एक-एक पौधा खाली जगह पर लगाएं और उसकी देखभाल बच्चों की तरह करें ताकि आने वाली पीढ़ी को उसका फल मिल सके।

पाटीदार समाज के 19 जोड़ों का सामूहिक विवाह

विधायक अरुण भीमावद ने नवदंपतियों को दिया आशीर्वाद

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम दुपाड़ा में सोमवार को मां उमिया पाटीदार समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया। इस आयोजन में 19 नवयुगल गायत्री परिवार की वैदिक पद्धति से परिणय सूत्र में बंधे। समारोह में क्षेत्रीय विधायक अरुण भीमावद विशेष रूप से सम्मिलित हुए और नवदंपतियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

सोमवार सुबह 9 बजे से शुरू हुए इस मांगलिक कार्यक्रम में सभी 19 जोड़ों का विवाह गायत्री परिवार के विद्वानों द्वारा वैदिक रीति-रिवाजों

के साथ कराया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में पाटीदार समाज के लोग, मातृशक्ति और वर-वधू पक्ष के परिजन उपस्थित रहे। समाज के वरिष्ठ सदस्यों ने नवविवाहित जोड़ों को गृहस्थी के लिए आवश्यक उपहार भेंट कर अपना सहयोग प्रदान किया। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि सामूहिक विवाह सम्मेलनों का मुख्य उद्देश्य अनावश्यक खर्चों पर रोक लगाना और समाज के सभी वर्गों को एक मंच पर लाना है। विधायक अरुण भीमावद ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे सामाजिक एकता का प्रतीक बताया। समाजजनों ने संकल्प लिया कि भविष्य में भी ऐसे आयोजन निरंतर जारी रहेंगे ताकि आपसी भाईचारा और संगठन की भावना और अधिक मजबूत हो सके।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार घायल

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के मक्सी बायपास पर रविवार देर रात सड़क हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा देर रात करीब 12 बजे हुई जब एक अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी।

जानकारी के अनुसार जीरापुर चितावलिया निवासी सुरेश पिता रमेश चंद्र मालवीय अपनी बाइक से बड़ागांव से इंदौर की ओर जा रहे थे। मक्सी बायपास पर स्थित मेवात ढाबे के सामने उनकी बाइक को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सुरेश सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से चोटिल हो गए ओर उसकी बाईक भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। 112 के पायलेट रामबाबू पाटीदार और आरक्षक राहुल मालवीय ने घायल सुरेश को प्राथमिक सहायता दी। इसके बाद 108 एम्बुलेंस की मदद से उन्हें शाजापुर जिला अस्पताल पहुंचाया गया। वर्तमान में घायल युवक सुरेश का शाजापुर जिला अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ग्राम पानकुवा की अंजली को 10 वीं में 91.4 प्रतिशत अंक

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम पानकुवा की अंजली पिता मोहन मौर्य ने आलोट के सरस्वती शिशु विद्या मन्दिर में कक्षा 10 वी में विद्यालय में टॉप किया है, छात्रा ने कुल 500 मे से 457 अंक प्राप्त कर 91.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किये कर अपने परिवार व गांव का नाम रोशन किया। अंजली अपने अंकल मुकेश मौर्य अनीता मौर्य के पास रह कर पढ़ाई करती है। अंजली मुल रूप से देवास जिले की उदनगर तहसील के ग्राम पानकुवा की रहने वाली है पिता मोहन मौर्य माता कृष्ण बाई,दादाजी-रायसिंह, दादी गोरा बाई मौर्य एक किसान परिवार है।

समस्त सर्व ब्राह्मण कल्याण संघ देवास ने भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव पर भव्य वाहन शोर्य यात्रा निकाली

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। समस्त सर्व ब्राह्मण कल्याण संघ देवास के जिला अध्यक्ष पण्डित प्रशांत शर्मा के नेतृत्व में राजराजेश्वर भगवान परशुराम जी का जन्मोत्सव मुख्य अतिथि श्रीमती गायत्री राजे पवार विधायक एवं विशेष अतिथि नगर निगम सभापति रवि जैन के आतिथ्य में मनाया गया। जिनका स्वागत पुष्प गुच्छ दुपट्टे से किया गया। श्रीमती गायत्री राजे पवार ने इस अवसर पर कहा कि भगवान परशुराम जन्मोत्सव के पावन अवसर पर समस्त ब्राह्मण कल्याण संघ देवास द्वारा आयोजित भव्य शोर्य यात्रा में सहभागी होकर धर्म, संस्कृति और परंपराओ के प्रति समाज की एकजुटता का अद्भुत दृश्य देखने को मिला।इस गोरवमयी आयोजन में उपस्थित होकर सभी श्रद्धालुओं एवं आयोजकों को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की तथा भगवान परशुराम जी से समस्त जनमानस के सुख समृद्धि और कल्याण की कामना की। इस अवसर पर पूर्व विकास प्राधिकरण अध्यक्ष राजेश यादव,संजय दायमा आदि अतिथि भी उपस्थित थे जिनका भी दुपट्टा एवं पुष्प माला से स्वागत किया गया।

समाजजन ने प्रातः चाणक्यपुरी स्थित भगवान परशुराम जी मंदिर पर पुजा अभिषेक एवं आरती की हवन एवं पुजा में जिला अध्यक्ष पण्डित प्रशांत शर्मा, जिला संयोजक अरविंद शर्मा, राजेन्द्र शर्मा, मनोज व्यास,दीपक जोशी सपत्नीक बैठे। कर्म काण्ड पुर्ण विधि विधान से पण्डित केलाश शर्मा, शिवनारायण कटारे, अश्विन सारैया ने कराया। जन्मोत्सव के द्वितीय सत्र में शाम 5 बजे सिद्धिविनायक गणेश मंदिर सयाजी द्वार पर सभी समाजजन एकत्रित हुए यहां पर सर्वप्रथम उपस्थित सभी ब्रह्म बन्धुओं का मंगल तिलक लगाकर और केसरिया

दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया तत्पश्चात उपवर्गीय ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष प्रमुख एवं प्रतिनिधियों मैं कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज के जिला अध्यक्ष पण्डित धर्मेन्द्र मिश्रा, जाग्रति श्रीगोड ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष वासुदेव शर्मा, मारु ओदिच्य ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष भेरुलाल शर्मा, आदि गोंड बावीसा ब्राह्मण समाज के प्रभुलाल शर्मा, खण्डेलवाल ब्राह्मण समाज अध्यक्ष मुकेश शर्मा, नार्मदीय ब्राह्मण समाज अध्यक्ष मनोज शुक्ला, औदुम्बर ब्राह्मण समाज अध्यक्ष अशोक चोधरी, सनाड्य ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष अरविंद तिवारी अखण्ड ब्राह्मण समाज अध्यक्ष प्रतीक शर्मा,चोबीसा ब्राह्मण समाज प्रमुख अरविन्द शर्मा,राम आसरे मिश्रा,आदि समाज प्रमुख को मंच पर आमंत्रित कर मंगल तिलक लगाकर पुष्पमाला दुपट्टा पहनाकर स्वागत जिला अध्यक्ष पंडित प्रशांत शर्मा एडवोकेट के किया। पूर्व से घोषित पुरस्कार वितरण कार्यक्रम लकी ड्रा के माध्यम से किया गया।

उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती गायत्री राजे पवार विधायक देवास, नगर निगम सभापति रवि जैन ने पुरस्कार वितरण किया। इस अवसर पर कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष पंडित प्रशांत शर्मा ने समस्त अतिथियों का पुष्प गुच्छ,पुष्पमाला एवं दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया एवं शब्दों से स्वागत उपस्थित सभी अतिथि एवं ब्रह्म बन्धुवों का हृदय से स्वागत किया कार्यक्रम का संचालन पंडित देवकीनंदन समाधिया ने किया एवं आभार प्रदर्शन जिला संयोजक अरविंद शर्मा ने किया। जिला अध्यक्ष पण्डित प्रशांत शर्मा ने सभी समाज बन्धुओं के सहयोग की प्रसंशा करते हैं धन्यवाद व्यक्त किया अतिथियों द्वारा भगवान के जन्मोत्सव पर सभी की सहभागिता पर प्रसन्नता व्यक्त की एवं आयोजन कर्ता जिला अध्यक्ष पंडित प्रशांत शर्मा एवं उनकी पुरी टीम को बधाई दी एवं जिला अध्यक्ष पंडित प्रशांत शर्मा का स्वागत विधायक श्रीमती गायत्री राजे द्वारा इन्फॉर्म ह्यूमन कै सी.ई ओ राजेश व्यास की ओर से प्रतीक चिन्ह देकर किया गया। तत्पश्चात सयाजी द्वार से भव्य वाहन शोर्य यात्रा जिला अध्यक्ष पण्डित प्रशांत शर्मा के नेतृत्व में यात्रा का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्रीमती गायत्री राजे पवार ने भगवान ध्वज फहराया कर किया गया। शौर्य यात्रा में भगवान परशुराम जी की मूर्ति के साथ-साथ भगवान शंकर जी,नंदी जी की भगवान राम जी की भगवान हनुमान जी की आदि अन्य मूर्तियों झांकी के रूप में सम्मिलित थी शौर्य यात्रा में डीजे बैंड भजन ,ढोल, एवं आतिशबाजी की गई एवं चारपहिया, दोपहिया वाहन साथ चल रहे थे। मातृशक्ति एवं अन्य ब्राह्मण बंधु भी उपस्थित रहे शौर्य यात्रा का नगर के विभिन्न मार्गों पर विभिन्न समाजजन द्वारा पुष्प माला आदि से स्वागत एवं सम्मान किया गया तथा विशेष कर गोमती नगर रहवासी संघ द्वारा कोलड्रिंक एवं फ्रूट ड्रिंक से समाजजन का स्वागत किया गया उक्त शौर्य यात्रा विभिन्न मार्ग से होकर चाणक्यपुरी स्थित भगवान परशुराम जी के मंदिर पर पहुंची यहां सेंकड़ों ब्रह्म बन्धुओं मातृशक्ति की उपस्थिति में महा आरती की गई।इसके बाद सभी सनातनियों हेतु भोजन प्रसादी भंडारे के रूप में प्रारंभ हुआ नगर के लोगों ने भोजन प्रसादी ग्रहण की भोजन कार्यक्रम में विशेष सहयोग के रूप में स्वप्निल चौधरी एडवोकेट एवं उनकी पूरी टीम ने विशेष सहयोग दिया एवं जिला महामंत्री रमेशचन्द्र जोशी, धर्मेन्द्र मिश्रा, उपाध्यक्ष राजेश व्यास, युवा संघ के महा सचिव हर्षशास्त्री, युवासंघ जिला संयोजक दीपक जोशी, युवा सचिव पंकज प्रधान, युवा उपाध्यक्ष लोकेंद्र शुक्ला, उपाध्यक्ष विक्रम शर्मा, सुरेंद्र दुबे, यशवंत तिवारी, महेंद्र व्यास ,प्रेस क्लब के अध्यक्ष श्री ललित शर्मा, अशोक जोशी, राम आसरे मिश्रा,भेरूलाल शर्मा, जय कुमार शर्मा, रोहित शर्मा, भरत शर्मा, धर्मेंद्र दुबे, पार्थ शर्मा, विकास शर्मा, अजय व्यास, नवीन शर्मा, आशीष उपाध्याय उज्जैन का सराहनीय सहयोग रहा। कार्यक्रम में इस अवसर पर संजय जोशी, सुमित मिश्रा, अंकित शर्मा, कष्नम शर्मा, मुकेश शर्मा, ओ पी तिवारी, शंकरलाल शर्मा,संजय जोशी, सुनील शर्मा,वेदप्रकाश शर्मा, प्रदीप चिंचे, प्रमोद शर्मा, अरविंद भट्ट,राजेंद्र पारीक, उमेश उपाध्याय, मुरलीधर पांडे,मयंक शुक्ला, सुरेश शर्मा, प्रदीप शुक्ला, कैलाश चंद शर्मा,अरविंद जोशी, प्रदीप रावल आदी।

शहर मे सप्त दिवसीय योग शिविर का समापन

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सर्वब्राह्मण महासभा,महिला मंडल एवं श्री जी अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में भगवान श्री परशुराम जी की जयंती के मंगल अवसर पर प्रतिवर्षानुसार आयोजित होने वाले सप्तदिवसीय निःशुल्क योग शिविर दिनांक 13 अप्रैल 26 सोमवार से 19 अप्रैल 26 रविवार तक योग प्रशिक्षिकाद्वय श्रीमती कीर्ति शर्मा , सुश्री प्रीति काँठेड एवं कृष्ण चंद्र पुरोहित ,डॉ अग्निवेश पांडे के सानिध्य में आज संपन्न हुआ।

कवि सुंदरलाल जोशी के स्वस्तिवाचन के साथ मुख्य अतिथि डॉ सुनील चौधरी , श्रीमती कीर्ति शर्मा, सुश्री प्रीति काँठेड, डॉ अनिल दुबे, श्रीमती वंदना दुबे कृष्णचंद्र पुरोहित, डॉ अग्निवेश पांडे ने भगवान श्री परशुराम जी की तस्वीर पर पूजा अर्चना कर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलन करके समापन समारोह को प्रारंभ किया, तत्पश्चात अक्षय तृतीया के मंगल अवसर पर श्री परशुराम जी की महाआरती हुई। मुख्य अतिथि डॉ चौधरी का माला, साफ़ा पहनाकर डॉ अनिल दुबे , विजय व्यास, राजेश तिवारी ने स्वागत किया। स्वागत उद्बोधन शिविर संयोजक डॉ अनिल दुबे ने दिया। संक्षिप्त योग सत्र में सूक्ष्म व्यायाम करवाते हुए अनुलोम विलोम, कपालभाति, भस्त्रिका, भ्रामरी प्राणायाम कर ओम ध्वनि का नाद किया। सुमधुर धुनों पर डाँडिया करते हुए एक्सरसाइज प्रशिक्षिकाद्वय के निर्देशन में की गई। हास्य एवं ताली योग के सी पुरोहित ने करवाया।

सप्त दिवसीय योगशिविर में प्रतिदिन सूक्ष्म व्यायाम ,चालन क्रिया, शिथिलीकरण करवाते हुए खड़े होकर किये जाने वाले, बैठकर किये जाने वाले, पीठ के बल सोकर किये जाने वाले, पेट के बल सोकर किये जाने वाले एवं विभिन्न अन्य उन्नत आसनों को करवाते हुए सूर्य नमस्कार मंत्रों के साथ करवाया। चंद्र नमस्कार , थपकी, एक्यूप्रेशर , घर्षण से रक्त संचरण बढ़ाने की , संगीत की सुमधुर धुनों पर होने वाली एक्सरसाइज की जानकारी दी गई,अभ्यास करवाया गया।

महिला मंडल अध्यक्षा श्रीमती वंदना दुबे एवं समस्त सदस्याओं ने श्रीमती कीर्ति शर्मा व सुश्री प्रीति काँठेड को माला , साफ़ा पहना कर अभिनंदन - पत्र , स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मानित किया।संपूर्ण शिविर में अपना सहयोग प्रदान करने वाले योगाचार्य अग्निवेश पांडे , खेल प्रशिक्षक कृष्णचंद्र पुरोहित का डॉ चौधरी, डॉ दुबे ने माला, साफ़ा पहनाकर अभिनंदन- पत्र, मोमेंटो भेंट करके सम्मान किया।इस अवसर पर अर्जुन राजोरिया, डॉ प्रदीप रावल को भी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए मोमेंटो प्रदान किये गए। मुख्य अतिथि डॉ सुनील चौधरी ने अपने उद्बोधन में योग अभ्यास के निरंतर करने का आव्हान किया, स्वस्थ रहने के सूत्र बताये और जीवनशैली में परिवर्तन की जरूरत को प्रतिपादित किया।

डॉ अनिल दुबे द्वारा रचित पर्यावरण, ईंधन के दुरूपयोग व बचत विषयक ,स्वच्छता, स्वास्थ्य, नशा मुक्ति व सेवन नहीं करने की प्रेरणा,जीवनशैली से जुड़े संकल्पों को अपनाने के लिए सदन में उपस्थित सभी साधकों ने पुरोहित के मार्गदर्शन में दाएँ हाथ को सामने रखकर संकल्प दोहराकर लिया।डॉ चौधरी को स्मृति चिन्ह ओ पी वाजपैई , डॉ कैलाश जोशी, घनश्याम दवे,राजेंद्र जोशी ने भेंट किया। प्रतिदिन योग अभ्यास के बाद श्रीमती दुबे के निर्देशन में बने औषधि गुणों से परिपूर्ण मेथीदाना, धनिया, अजवाइन, जीरा, सौंफ- मिश्री, पुदीना के काढों का सेवन सभी साधकों ने किया। वसुधैव कुटुंबकम की भावना से ओतप्रोत , विश्व कल्याणकारी योग प्रार्थना, गायत्री मंत्र, शांति मंत्र, महामृत्युंजय मंत्र का सस्वर उच्चारण किया गया।सभी का आभार विजय व्यास ने व्यक्त किया।

सीबीएसई कक्षा 10 वीं के परिणामों में सेंट मार्टिन स्कूल के विद्यार्थियों ने तहसील में रचा इतिहास

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। हाल ही में सी बी एस ई बोर्ड की कक्षा 10 वीं के घोषित परीक्षा परिणामों में सेंट मार्टिन विद्यालय के कक्षा 10 वीं के विद्यार्थियों ने ऐतिहासिक परिणाम हासिल किए। कक्षा 10 वीं का परीक्षा परिणाम शतप्रतिशत रहा जिसमें तहसील में प्रथम स्थान पर सूरज पिता अजय जी दोराया 94 प्रतिशत, द्वितीय स्थान पर पिहू पिता रवि राज जी बोरसी 90.8 प्रतिशत, तृतीय का स्थान पर वेदांश पिता माखन जी राणा 84.4 प्रतिशत अंकों से साथ हासिल किया। विद्यालय परिवार सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की मंगलकामना करता है।

निवास तहसील में जनगणना प्रशिक्षण जारी, प्रगणकों को दी जा रही फील्ड की बारीकियाँ

मंडला/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंडला जिले की निवास तहसील में वर्ष 2026-27 में प्रस्तावित जनगणना को लेकर तैयारियाँ तेज हो गई हैं। प्रथम चरण के तहत मकान गणना एवं मकान सूचीकरण कार्य के लिए प्रगणक और सुपरवाइजर का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, निवास में प्रारंभ हो गया है।

यह प्रशिक्षण अनुविभागीय अधिकारी श्री सी.एल. वर्मा के मार्गदर्शन में संचालित हो रहा है। चार्ज जनगणना अधिकारी एवं तहसीलदार श्री दिनेश वरकड़े, सहायक चार्ज जनगणना अधिकारी नायब तहसीलदार बबलिया श्री कैलाश कोल, नायब तहसीलदार निवास सुश्री सुस्मिता उइके तथा विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री सुनील कुमार दुबे के निर्देशन में प्रशिक्षण 15 अप्रैल से शुरू हुआ। प्रशिक्षण को तीन चरणों में आयोजित किया गया है। प्रथम चरण 15 अप्रैल से, द्वितीय चरण 19 अप्रैल से तथा तृतीय चरण 23 अप्रैल से प्रारंभ होगा। इसमें विकासखंड निवास, नारायणगंज और बीजाडांडी के प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों को फील्ड में जाकर कार्य करने की व्यावहारिक जानकारी दी जा रही है। प्रशिक्षण के दौरान नजरी नक्शा तैयार करने, मकान गणना एवं सूचीकरण की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया जा रहा है। द्वितीय चरण के प्रथम दिवस जिले के मास्टर ट्रेनर सहायक प्राध्यापक श्री रामसिंह धुर्वे, श्री संजय सोनी (भोपाल) एवं योजना अधिकारी मंडला श्री सिरसे द्वारा प्रशिक्षण स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया। फील्ड ट्रेनर्स के रूप में विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री सुनील कुमार दुबे, डॉ. ज्ञानेंद्र बढ़गैयां, श्री प्रेम किशोर तिवारी, श्री खिलाड़ीराम झरिया, डॉ. मुकेश दुबे एवं सुश्री नीलांजना दुबे प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। प्रशिक्षण के सफल संचालन में तहसील कार्यालय से तारेंद्र बैरागी, देवेश तेकाम, अनिल मारको, यशवंत झारिया, राजस्व निरीक्षक श्री सोनवानी, श्री मरावी, श्री उमेश मंढेले एवं कम्प्यूटर इंस्ट्रक्टर हेमंत मरावी तकनीकी सहयोग दे रहे हैं।

जल गंगा संवर्धन अभियानः ग्राम बम्हनीमाल में श्री परशुराम जयंती के अवसर पर राहगीरों के लिए की गई पीने के पानी की व्यवस्था

छिन्दवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आव्हान पर जिला कलेक्टर श्री हरेंद्र नारायन के निर्देशानुसार म.प्र. जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री अखिलेश कुमार जैन तथा जनपद पंचायत जुन्नारदेव की सीईओ सुश्री रश्मि चौहान के नेतृत्व में जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है।

इस अभियान के अंतर्गत 19 मार्च 2026 से 30 जून 2026 तक आयोजित जल स्रोत समागम के द्वितीय चरण में ब्लॉक समन्वयक श्री संजय कुमार बामने, मेंटर श्रीमती योगिता मर्सकोले, श्री गोविन्द नंदवंशी एवं श्री बुनेश राजबैठे की उपस्थिति में नवांकुर योजना अंतर्गत चयनित संस्था पंख सामाजिक विकास संस्थान जुन्नारदेव की अध्यक्ष श्रीमती निमांशी रामपुरे के साथ मिलकर विकासखंड जुन्नारदेव में विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

इसी क्रम में ग्राम पंचायत खिड़की कनेरी के ग्राम बम्हनीमाल में राहगीरों के लिए पेयजल की व्यवस्था की गई। यह पहल दृष्टि सामाजिक विकास एवं कल्याण संस्थान जुन्नारदेव तथा नवांकुर संस्था के सहयोग से श्री बुनेश राजबैठे एवं श्रीमती निमांशी रामपुरे के शुभ हाथों द्वारा श्री परशुराम जयंती के अवसर पर की गई। इस व्यवस्था से भीषण गर्मी में आने-जाने वाले लोगों को पेयजल की सुविधा उपलब्ध होगी।

कार्यक्रम के दौरान विकासखंड समन्वयक श्री संजय कुमार बामने ने उपस्थित जनों को जल के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि ÷जल ही जीवन है÷ और इसके बिना सुनहरे भविष्य की कल्पना संभव नहीं है। उन्होंने जल संरक्षण के प्रति सभी को जागरूक किया।

इस अवसर पर मेंटर श्रीमती योगिता मर्सकोले ने उपस्थित लोगों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई और स्वैच्छिकता, सामूहिकता एवं स्वावलंबन के माध्यम से अधिक से अधिक जल मंदिर (प्याऊ) स्थापित करने का आह्वान किया। नवांकुर संस्था प्रमुख श्रीमती निमांशी रामपुरे ने बताया कि यह अभियान निरंतर कार्ययोजना आधारित गतिविधियों के माध्यम से आगे भी जारी रहेगा। कार्यक्रम के अंत में सभी को जल स्रोतों के आसपास साफ-सफाई बनाए रखने और जल संरक्षण के लिए शपथ दिलाई गई। इस दौरान ग्राम के श्री जंगीलाल उईके, श्रीमती रितु उईके, श्रीमती दीपिका उईके, श्रीमती सताक्षी रामपुरे, श्रीमती इशरत मंसूरी, श्रीमती पिंकी साहू, श्री बुनेश राजबैठे सहित अनेक ग्रामीणजन उपस्थित थे।

जनगणना 2026-27 प्रशिक्षणः प्रथम बैच का द्वितीय दिवस संपन्न

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। तहसील बदनावर में जनगणना 2026-27 के अंतर्गत प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों हेतु आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम बैच का द्वितीय दिवस शासकीय महाविद्यालय बदनावर में संपन्न हुआ। यह प्रशिक्षण आदरणीय तहसीलदार एवं चार्ज अधिकारी (ग्रामीण) श्री सुरेश नागर जी के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को जनगणना के मुख्य उद्देश्यों, प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों के कर्तव्यों तथा उनके अधिकारों के संबंध में विस्तृत एवं स्पष्ट जानकारी प्रदान की गई। साथ ही, जनगणना कार्य की प्रक्रिया एवं आवश्यक बिंदुओं पर भी मार्गदर्शन दिया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण जिम्मेदारी, ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ करने हेतु प्रेरित किया गया। अधिकारियों द्वारा यह भी निर्देशित किया गया कि जनगणना कार्य को समयबद्ध एवं त्रुटिरहित रूप से पूर्ण करना सुनिश्चित करें। कार्यक्रम में संबंधित विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, प्रगणक एवं पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।

गढ़ी टोला में बाल विवाह रोका गया

मंडला/ दैनिक मालवा हेराल्ड। तहसील बिछिया के ग्राम देई के गढ़ी टोला में बाल विवाह की सूचना बाल विवाह प्रतिषेध कंट्रोल रूम को प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही संबंधित अधिकारियों और पुलिस को तत्काल अवगत कराया गया, जिसके बाद महिला एवं बाल विकास विभाग और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची।

टीम ने विवाह स्थल पर पहुंचकर बालिका के माता-पिता एवं परिजनों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से समझाइश दी। उन्हें बताया गया कि 18 वर्ष से कम आयु की लड़की तथा 21 वर्ष से कम आयु के लड़के का विवाह कानूनन बाल विवाह की श्रेणी में आता है, जो पूर्णतः प्रतिबंधित है। साथ ही यह भी अवगत कराया गया कि बाल विवाह करने, करवाने या उसमें सहयोग करने वालों के लिए 1 लाख रुपये तक का जुर्माना और 2 वर्ष तक का कारावास या दोनों का प्रावधान है।

प्रशासन द्वारा लड़के पक्ष को भी फोन के माध्यम से समझाइश दी गई। समझाइश के बाद दोनों पक्षों ने बाल विवाह नहीं करने की सहमति जताई। इसके उपरांत पंचनामा तैयार कर सभी संबंधित पक्षों की सहमति ली गई।

भगवान ऋषभदेवजी को दीक्षा अंगीकार करते ही चौथा ज्ञान प्राप्त हो गया था

पुण्यपुंज साध्वीश्री पुण्यशीलाजी ने श्री वर्धमान स्थानक भवन बखतगढ़ में धर्मसभा में कहा

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अक्षय तृतीया वह तिथि है जो कभी क्षय नहीं होती है। इस दिवस को विशेष दिवस के रूप में माना जाता है। भगवान ऋषभदेव के जीवन में इस तिथि बहुत महत्व है। तीर्थंकर भगवान नरक या देव गति में ही जाते हैं। तीर्थंकर एवं चक्रवर्ती दोनों की माताएं 14 - 14 स्वप्न देखती है। लेकिन तीर्थंकर की माताएं स्पष्ट रूप से स्वप्न देखती है, वहीं चक्रवती की माताएं धुंधले रूप में स्वप्न देखती है। ये प्रेरणादायी उदगार जिनशासन गौरव आचार्यश्री उमेशमुनिजी के सुशिष्य धर्मदास गणनायक प्रवर्तकश्री जिनेंद्रमुनिजी की आज्ञानुवर्तिनी पुण्यपुंज साध्वीश्री पुण्यशीलाजी ने श्री वर्धमान स्थानक भवन बखतगढ़ में सोमवार 20 अप्रैल को अक्षय तृतीया दिवस पर व्यक्त किए। बखतगढ़ गौरव साध्वीश्री धैर्यप्रभाजी, पुण्यपुंज श्री पुण्यशीलाजी, श्री किरणबालाजी, श्री शीतलप्रभाजी, श्री सारिकाजी, श्री चतुर्गुणाजी, श्री करुणाजी, श्री कृतज्ञाजी ठाणा 8 के सानिध्य में अक्षय तृतीया पर्व तप, त्याग एवं विभिन्न धर्म आराधना कर मनाया गया।

गाढ़े अन्तराय के कारण तेरह माह में आहार मिला- साध्वीजी ने आगे कहा कि तीर्थंकर भगवान जन्म से ही तीन ज्ञान साथ में लेकर आते हैं और दीक्षा लेते ही चौथा ज्ञान प्राप्त हो जाता है। ऋषभदेव भगवान के साथ में 4000 लोगों ने दीक्षा अंगीकार की थी। ऋषभदेव भगवान को ऐसा गाढ़ा अन्तराय आया कि उन्हें तेरह माह तक आहार आदि नहीं मिला। अक्षय तृतीया दिवस पर प्रपौत्र श्रेयांश कुमार के हाथों इक्षुरस से दान प्राप्त हुआ। इस दिन से दान धर्म की विधि का पता चला। साधु को दान देने से उत्कृष्ट तीर्थंकर गौत्र का बंध होता है।

यतना को आगे बढ़ाना चाहिए - साध्वीश्री चतुर्गुणगुणाजी ने कहा कि साधु जीवन में यतना पूर्वक जीवन जिया जाता है। जान बूझकर व्यक्ति हिंसा करता है तो वह पाप है। लेकिन अनजाने में कोई यतना नहीं होती है तो उसका प्रायश्चित का विधान बताया गया है। इसमें पाप क्रिया का प्रक्षालन करना पड़ता है। हम जिनवाणी श्रवण करते हैं तो यतना को भी आगे बढ़ाना चाहिए। सामायिक में स्वाध्याय सावद्य योग के प्रत्याख्यान होते हैं सामायिक में बिना पूंजे कोई चलता है तो पाप का दोष लगता है। पुंज कर चलेंगे तो यतना कर पाएंगे। पाप क्रिया को बंद करना है और जितना जितना यतना को बढ़ाएंगे उतनी ही आत्मा मोक्ष की ओर आगे बढ़ेगी।

ग्राम सोनपुर में जल मंदिर (प्याऊ) की स्थापना की गई

छिन्दवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के विकासखंड बिछुआ के सेक्टर क्रमांक-4 धनेगांव के अंतर्गत ग्राम सोनपुर में आज मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री अखिलेश जैन एवं विकासखंड समन्वयक श्री दीपक गेडाम के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल मंदिर (प्याऊ) की स्थापना की गई।

कार्यक्रम के दौरान नवांकुर संस्था ग्राम कल्याण सेवा समिति सोनपुर के सचिव श्री हरीशचंद चौधरी द्वारा प्याऊ जल मंदिर का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उन्होंने जल के महत्व, उसकी संरचना एवं संरक्षण के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी दी तथा ग्रामीणों को जल संरक्षण के लिये शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में परामर्शदाता श्री योगेश बोपचे ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों एवं आम नागरिकों को शीतल पेयजल उपलब्ध कराना तथा जन-जन में जल संरक्षण, जल स्रोतों के संवर्धन एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना है। उन्होंने कहा कि अभियान के माध्यम से लोगों को जल संचयन एवं जल बचाने के विभिन्न उपायों के प्रति प्रेरित किया जा रहा है।

मूक पशु-पक्षियों एवं जानवरों की उम्मीद न तोड़ें, मुक पशु केवल भोजन ही नही बल्कि प्रेम व अपनापन भी खोजते है

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मनुष्य को प्रकृति का सबसे बुद्धिमान प्राणी माना जाता है, लेकिन इस बुद्धिमत्ता का वास्तविक अर्थ तभी है जब हम अपने से कमजोर और निर्बल जीवों के प्रति दया, करुणा और सहानुभूति रखें। मूक पशु-पक्षी और जानवर बोल नहीं सकते, वे अपनी पीड़ा और आवश्यकताओं को शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकते, फिर भी उनके मन में भावनाएं होती हैं, उम्मीदें होती हैं। जब वे हमारे द्वार पर आते हैं, तो वे केवल भोजन ही नहीं, बल्कि प्रेम और अपनापन भी खोजते हैं। ऐसे में उनका विश्वास और उम्मीद तोड़ना मानवता के मूल्यों के विरुद्ध है।

आज के आधुनिक जीवन में हम अपने कार्यों में इतने व्यस्त हो गए हैं कि हमें अपने आसपास के जीव-जंतुओं की ओर ध्यान देने का समय ही नहीं मिलता। अक्सर देखा जाता है कि जब कोई कुत्ता, बिल्ली, गाय या कोई पक्षी हमारे घर के पास आता है, तो हम उसे भगाने की कोशिश करते हैं। कभी-कभी हम उन्हें अनदेखा कर देते हैं, जबकि वे भूखे-प्यासे होते हैं और हमारे द्वार पर केवल इस आशा से आते हैं कि शायद यहां से उन्हें कुछ खाने को मिल जाए परन्तु व्यवस्ता की वजह से हम लोग इन मुक पशुओ के इशारो को समझ नही पाते और हम लोग इन मुक पशुओ को नजर अंदाज कर देते है

हमारे भारतीय संस्कृति में पशु-पक्षियों एव जानवरो के प्रति दया और सेवा का विशेष महत्व रहा है। प्राचीन काल से ही यह माना जाता रहा है कि हर जीव में ईश्वर का वास होता है। इसलिए गाय, कुत्ते, पक्षियों और अन्य जीवों को भोजन देना पुण्य का कार्य माना जाता है। यह परंपरा हमें यह सिखाती है कि हमें हर जीव के प्रति समान भाव रखना चाहिए और उनकी सहायता करनी चाहिए।

जब कोई जानवर हमारे दरवाजे पर आता है, तो वह किसी न किसी उम्मीद के साथ आता है। उसे यह विश्वास होता है कि यहां उसे कुछ न कुछ अवश्य मिलेगा। ठीक उसी प्रकार जैसे हम अपने जीवन में दूसरों से सहायता और सहयोग की उम्मीद रखते हैं, वैसे ही ये मूक जीव भी हमसे उम्मीद करते हैं। अगर हम उनकी इस छोटी-सी उम्मीद को भी पूरा नहीं कर पाते, तो यह हमारे संवेदनशीलता की कमी को दर्शाता है। कभी-कभी हम सोचते हैं कि एक बार खाना देने से क्या फर्क पड़ेगा, या हमारे पास इतना समय नहीं है कि हम इन सब चीजों पर ध्यान दें। लेकिन सच यह है कि छोटी-छोटी कोशिशें भी बड़े बदलाव ला सकती हैं। यदि हम रोज़ थोड़ा-सा भोजन या पानी इन जानवरों के लिए रख दें, तो उनकी जिंदगी में बड़ा अंतर आ सकता है। गर्मियों में पानी का एक बर्तन रखना, सर्दियों में उन्हें थोड़ी-सी छाया या गर्माहट देना–ये छोटे-छोटे कार्य उनके लिए बहुत मायने रखते हैं।

इसके अलावा, बच्चों को भी इस विषय में जागरूक करना आवश्यक है। जब हम अपने बच्चों को पशु-पक्षियों के प्रति दया और सहानुभूति का व्यवहार सिखाते हैं, तो हम उन्हें एक अच्छा इंसान बनने की दिशा में प्रेरित करते हैं। यह शिक्षा उन्हें जीवनभर याद रहती है और वे भी आगे चलकर दूसरों की मदद करने के लिए प्रेरित होते हैं।

यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि जानवरों के साथ व्यवहार करते समय हमें सावधानी और समझदारी बरतनी चाहिए। उन्हें भोजन देना अच्छा है, लेकिन यह भी जरूरी है कि हम उन्हें सुरक्षित और स्वच्छ भोजन दें। साथ ही, हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारे द्वारा दी गई सहायता से उन्हें कोई नुकसान न हो। यदि कोई जानवर घायल या बीमार है, तो हमें संबंधित संस्थाओं या पशु चिकित्सकों से संपर्क करना चाहिए।

समाज में कई ऐसे लोग और संस्थाएं हैं जो पशु-पक्षियों की सेवा में लगे हुए हैं। हमें उनके कार्यों से प्रेरणा लेनी चाहिए और अपने स्तर पर भी कुछ करने का प्रयास करना चाहिए। यदि हर व्यक्ति अपने आसपास के कुछ जानवरों की जिम्मेदारी ले ले, तो बहुत बड़ी संख्या में जीवों की मदद हो सकती है।

अंततः, यह समझना जरूरी है कि मूक पशु-पक्षी भी इस पृथ्वी के महत्वपूर्ण हिस्से हैं। उनका भी जीवन है, उनकी भी आवश्यकताएं हैं और उन्हें भी जीने का अधिकार है। जब वे हमारे द्वार पर आते हैं, तो वे हम पर भरोसा करके आते हैं। इस भरोसे को बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी है।

हमें यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि जैसे हमें अपने कार्यों को पूरा कराने के लिए दूसरों से उम्मीद होती है, वैसे ही इन जानवरों को भी हमसे उम्मीद होती है कि हम उनकी सहायता करेंगे। इसलिए हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम कभी भी किसी मूक जीव को अपने द्वार से खाली नहीं जाने देंगे।

यदि हम अपने जीवन में थोड़ी-सी संवेदनशीलता और दया का भाव जोड़ लें, तो न केवल इन जीवों का जीवन बेहतर होगा, बल्कि हमारा अपना जीवन भी अधिक संतोषपूर्ण और अर्थपूर्ण बन जाएगा। यही सच्ची मानवता है–दूसरों के दुख को समझना और यथासंभव उनकी सहायता करना। इसलिए, आइए हम सब मिलकर यह प्रण लें कि हम मूक पशु-पक्षियों और जानवरों की उम्मीद कभी नहीं तोड़ेंगे और उनके लिए अपने दिल और द्वार हमेशा खुले रखेंगे।

डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर समरसता पर्व का आयोजन

मंडला/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रानी दुर्गावती शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मंडला में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर समरसता पर्व का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, विकासखंड मंडला द्वारा किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम का भी संचालन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा डॉ. अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ की गई। इस अवसर पर विकासखंड समन्वयक श्री संतोष झारिया, वरिष्ठ समाजसेवी श्रीमती प्रिया धुर्वे एवं अन्य परामर्शदाता उपस्थित रहे। विकासखंड समन्वयक श्री संतोष झारिया ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. अंबेडकर ने समाज को नई दिशा दी और उनके प्रयासों से ही आज देश में संविधान का संचालन संभव हो सका है। उन्होंने डॉ. अंबेडकर के प्रेरणादायक संदेश शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो को जीवन में अपनाने की बात कही। डॉ. अंबेडकर ने न केवल संविधान दिया, बल्कि हर व्यक्ति को सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार भी सुनिश्चित किया।

कार्यक्रम में श्रीमती प्रिया धुर्वे ने भी छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए उनके विचारों को आत्मसात करने का संदेश दिया। इस दौरान समाजकार्य के स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों, राजकुमार, संतोष कछवाहा, सुरेखा, ग्यारसी, शिवम नंदा, पूनम राय, मिथलेश झारिया सहित परामर्शदाता श्री आशीष नामदेव, लालाराम चक्रवर्ती, रागिनी हरदहा एवं दीपा श्रीवास ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

कलेक्टर ने मेडिकल कॉलेज निर्माण में देरी पर जताई नाराजगी

मंडला/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे ने सोमवार को निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज भवन का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने सबसे पहले मुख्य ड्राइंग मैप से पूरे कंस्ट्रक्शन एरिया का ओवरव्यू लिया। इसके बाद निर्माण एजेंसी के अधिकारियों और कंस्ट्रक्शन कंपनी बीपीसी इंफ्रास्ट्रक्चर की टेक्निकल टीम के साथ बिल्डिंग से संबंधित पीपीटी प्रेजेंटेशन देखकर प्रोजेक्ट की प्रगति, डिजाइन और तकनीकी पहलुओं की विस्तार से जानकारी ली। कलेक्टर श्री धोटे ने निर्माणाधीन भवनों के अंदर जाकर चल रहे सिविल वर्क, फिनिशिंग और अन्य कार्यों का बारीकी से निरीक्षण भी किया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री धोटे ने निर्माण कार्य की धीमी गति पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने विलंब के कारणों की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्य को जून 2027 तक हर हाल में पूरा करने का लक्ष्य लेकर काम में तेजी लाएं। कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि निर्माण सामग्री की गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाए और नियमित रूप से लैब टेस्ट कराए जाएं। साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि सीमेंट, गिट्टी, रेत जैसी सामग्री स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं से ही ली जाए, जिससे जिले के लोगों को भी इस बड़े प्रोजेक्ट का प्रत्यक्ष लाभ मिल सके। इस दौरान एसडीएम मंडला श्रीमती सोनल सिडाम, तहसीलदार श्री हिमांशु भलावी सहित पीडब्ल्यूडी एवं निर्माण एजेंसी के अधिकारी मौजूद रहे।

पीडीएस उपभोक्ताओं के लिए 1 अप्रैल से लागू नई व्यवस्था

उचित मूल्य दुकानों पर सुविधाएं अनिवार्य, शिकायतों के लिए टोल-फ्री नंबर जारी

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर (खाद्य शाखा) जिला विदिशा द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नई व्यवस्था लागू की गई है। जारी आदेश के अनुसार वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राशन वितरण प्रणाली में पारदर्शिता और सुगमता सुनिश्चित करने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए हैं। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि उचित मूल्य दुकानों पर खाद्यान्न वितरण निर्धारित तिथियों के अनुसार किया जाएगा। माह की 1 से 5 तारीख तक प्राथमिकता समूह के हितग्राहियों को राशन वितरित किया जाएगा, वहीं अन्य हितग्राहियों को भी समयबद्ध तरीके से खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाएगा।

दुकानों के खुलने का समय प्रातः 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक निर्धारित किया गया है, जिससे उपभोक्ताओं को सुविधा मिल सके। उचित मूल्य दुकानों पर अब अनिवार्य रूप से सूचना पट्ट प्रदर्शित करना होगा, जिसमें स्टॉक की स्थिति, वितरण दरें, पात्रता और अन्य आवश्यक जानकारियां स्पष्ट रूप से अंकित होंगी। साथ ही दुकानों पर शिकायत पंजी भी रखा जाएगा, ताकि उपभोक्ता अपनी समस्याएं दर्ज करा सकें। उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए टोल-फ्री नंबर भी जारी किया गया है, जिस पर कॉल कर उपभोक्ता अपनी समस्या दर्ज करा सकते हैं।

इसके अलावा विभाग की आधिकारिक वेबसाइट एवं ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से भी शिकायत दर्ज करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। आदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि खाद्यान्न वितरण में किसी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित विक्रेता के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे समय-समय पर निरीक्षण कर व्यवस्था की निगरानी सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने कहा है कि इन निर्देशों का उद्देश्य गरीब एवं पात्र हितग्राहियों को समय पर और पारदर्शी तरीके से खाद्यान्न उपलब्ध कराना है। यदि कोई विक्रेता नियमों का पालन नहीं करता है, तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में आदेश की प्रतिलिपि सभी संबंधित विभागों, अधिकारियों एवं उचित मूल्य दुकान संचालकों को भेज दी गई है, ताकि निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जा सके।

वन परिक्षेत्र राजपुर में अग्नि से बचाव हेतु दी गई जानकारी

बड़वानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। वन परिक्षेत्र राजपुर में वन अग्नि से बचाव एवं वन्यप्राणियों के साथ सहअस्तित्व व संरक्षण हेतु समिति बैठक लेकर ग्रामीणों को निम्न बिंदुओं पर समझाइश दी गईः- 1-जंगल में आग लगाना दंडनीय अपराध है, अतः कोई भी व्यक्ति जानबूझकर आग न लगाए। 2-खेतों की नरवाई जलाते समय विशेष सावधानी रखें, ताकि आग जंगल तक न पहुँचे। 3-महुआ, तेंदूपत्ता अथवा अन्य वनोपज संग्रहण के दौरान आग का प्रयोग न करें। 4-वन अग्नि दिखाई देने पर तत्काल वन विभाग को सूचना दें एवं आग बुझाने में सहयोग करें। 5-वन्यप्राणी हमारी राष्ट्रीय संपत्ति हैं, उनका संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। 6-वन्यप्राणियों को किसी भी प्रकार से हानि पहुँचाना, शिकार करना या परेशान करना दंडनीय अपराध है। 7-तेंदुआ, हिरण, नीलगाय आदि वन्यप्राणियों के प्राकृतिक आवास को सुरक्षित रखना आवश्यक है। 8-वन क्षेत्र में चराई, अवैध कटाई एवं अतिक्रमण से वन्यजीवों का जीवन प्रभावित होता है, अतः इससे बचें। 9-वन्यप्राणी दिखाई देने पर घबराएँ नहीं, उन्हें छेड़ें नहीं एवं सुरक्षित दूरी बनाए रखें। 10-मानव और वन्यप्राणी के सहअस्तित्व के लिए जागरूकता, धैर्य एवं सहयोग आवश्यक है। वन अग्नि से बचाव एवं वन्यप्राणियों के संरक्षण हेतु संवेदनशील क्षेत्रों में ग्रामीणों के सहयोग से जनजागरूकता बैनर लगाए गए, जिनके माध्यम से वन अग्नि की रोकथाम, जंगलों की सुरक्षा, वन्यप्राणियों के संरक्षण तथा मानव-वन्यप्राणी सहअस्तित्व के संबंध में आवश्यक संदेश प्रसारित किए गए। इन बैनरों के माध्यम से ग्रामीणों को आग न लगाने, वन्यजीवों को नुकसान न पहुँचाने तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल वन विभाग को सूचना देने हेतु प्रेरित किया गया।

कलेक्टर सिंह ने की जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल संचय जन भागीदारी कार्यक्रम की समीक्षा

जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आज जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल संचय जन भागीदारी कार्यक्रम की समीक्षा की गई। बैठक में उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप जल संरक्षण एवं संवर्धन से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए जल स्त्रोतों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है, इसके लिए समयबद्ध और प्रभावी कार्यवाही की जाए। जल संचय संरचनाओं जैसे तालाब, कुएं, चेक डैम आदि का संरक्षण एवं मरम्मत कार्य तेजी से किया जाए। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में वर्षा जल संचयन को बढ़ावा दिया जाए। आम नागरिकों, स्वयंसेवी संस्थाओं और जनप्रतिनिधियों को जोड़कर जनभागीदारी सुनिश्चित की जाए। स्कूलों, कॉलेजों और पंचायत स्तर पर जागरूकता अभियान चलाकर जल संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाई जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक विभाग अपने-अपने स्तर पर नवाचार के साथ कार्य करें और नियमित रूप से प्रगति की जानकारी प्रस्तुत करें। साथ ही, जल संरक्षण से जुड़े कार्यों की मैदानी मॉनिटरिंग भी लगातार की जाए। कलेक्टर श्री सिंह ने स्पष्ट किया कि जल ही जीवन है की भावना को आत्मसात करते हुए सभी को मिलकर इस अभियान को जन आंदोलन बनाना होगा। बैठक में इस दिशा में विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई तथा आवश्यक सुधार के निर्देश भी दिए गए। बैठक में सभी संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

लोक अदालत में आपसी राजीनामे से होता है प्रकरणों, निराकरण महेन्द्र कुमार जैन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, श्री महेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में दिनांक 09 मई, 2026 को आयोजित नेशनल लोक अदालत के संबंध में अधिवक्ता कथा बड़वानी में समस्त अधिवक्तागण के साथ हुआ बैठक का आयोजन।

प्रधान जिला न्यायाधीश श्री जैन द्वारा समस्त अधिवक्तागण से अपने उदबोधन में कहा कि लोक अदालत में पक्षकारों के आपसी राजीनामे से होता है प्रकरणों का निराकरण कोई दबाब नहीं होता, निर्णय के बाद कोर्ट फीस पक्षकार को वापस मिल जाती है साथ ही अधिवक्तागण से अनुरोध किया है कि पूर्व लोक अदालत की भाँति दिनांक 09 मई, 2026 को आयोजित नेशनल लोक अदालत में एन. आई. एक्ट, पारिवारिक, क्लेम, सिविल, एम.जे.सी. बजावरी आदि राजीनामा योग्य प्रकरणों में समझौते का प्रयास करे साथ ही प्रिलिटिगेशन प्रकरण जैसे विद्युत प्रकरण, सम्पत्तिकर, जलकर, आदि छुट के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। एम.ए.सी.टी के मामले जिसमें बीमा पॉलिसी का उल्लघन ना हो ऐसे प्रकरणी की सूची साझा करें।

सचिव श्री अमूल मण्डलोई द्वारा अधिवक्तागण को संबोधित करते हुए लोक अदालत के लाभ बताये जैसे लोक अदालत में मामलों का निराकरण करने से समय की बचत होती है, कानूनी प्रक्रिया कम खर्चीली होती है विवाद आपसी वैमनस्यता से समाप्त होते है. आर्थिक रूप से कमजोर लोगो के लिए सुलभ है, लोक अदालत का फैसला अंतिम होता है इसके विरूद्ध अपील नहीं होती है, लोक अदालत की प्रक्रिया तनाव मुक्त होती है, पर्यावरण के लिए अनुकुल है क्योंकि कागजी कार्रवाई कम होती है, आदि के लाभ के बारे बताकर अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण कराने की अपेक्षा की गई। अध्यक्ष अधिवक्ता श्री सोहनलाल पाटीदार द्वारा समस्त अधिक्तागण की ओर पूर्व नेशनल लोक अदालत की भाँति इस लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों में निराकरण करवाने में सहमति प्रदान की। इस अवसर पर तृतीय अपर जिला न्यायाधीश श्रीमती रेखा चन्द्रवंशी, द्वितीय अपर जिला न्यायाधीश श्री चन्दनसिंह चौहान मुख्य न्यायिक मजि. श्री सुमित शर्मा मुख्य न्यायिक मजि. व अन्य न्यायिक अधिकारीगण एवं अध्यक्ष अधिवक्ता संघ श्री सोहनलाल पाटीदार, सचिव श्री नुरुज्जमा शेख, क एवं अन्य समस्त अधिवक्तागण उपस्थित थे।

राज्य स्तरीय नारी सशक्तिकरण सम्मेलन में सीहोर जिले के कॉलेजों ने की सहभागिता

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन के निर्देशानुसार भोपाल स्थित एमवीएम ग्राउंड पर राज्य स्तरीय नारी सशक्तिकरण सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में सीहोर के प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, बुधनी के शासकीय कन्या महाविद्यालय, आष्ठा के शासकीय महाविद्यालय और जावर शासकीय महाविद्यालय की महिला कर्मचारी एवं प्राध्यापकों ने सहभागिता की।

रुका बाल विवाह पनागर के इमलिया में कटनी जिले के ग्राम पटी राजा से आनी थी बारात

जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रशासन की सतर्कता से आज अक्षय तृतीया पर होने जा रहे एक बाल विवाह को रोकने में कामयाबी मिली है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास सौरभ सिंह के मुताबिक पनागर परियोजना की टीम को सूचना मिली थी कि ग्राम पंचायत नरगवा सेक्टर इमलई में एक विवाह कार्यक्रम आयोजित हो रहा है, जहाँ परिणय सूत्र में बंधने जा रही वधु की उम्र 18 वर्ष से कम है। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए टीम ने तुरंत मोर्चा संभाला और कार्यवाही सुनिश्चित की। जांच में यह तथ्य सामने आया कि विवाह के बंधन में बंधने जा रहे बालक और बालिका, दोनों की आयु कानूनी रूप से विवाह के लिये निर्धारित न्यूनतम आयु से कम है। इस विवाह के लिए बारात कटनी जिले के बहोरीबंद ब्लॉक के ग्राम पंचायत पटीराजा से आने वाली थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए जबलपुर और कटनी जिले के अधिकारियों ने आपस में समन्वय स्थापित किया और एक संयुक्त रणनीति बनाकर कार्य किया। विभागीय टीम ने मौके पर पहुँचकर परिवार के सदस्यों को समझाइश दी और स्पष्ट किया कि नाबालिग बच्ची का विवाह करना एक गंभीर कानूनन अपराध है। इसके साथ ही, वर पक्ष से भी दूरभाष पर संपर्क साधा गया तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की कटनी जिले को भी सूचना दी गई। जबलपुर से मिली सूचना पर कटनी जिले की टीम ने पटीराजा पहुँचकर वर पक्ष को कानून की जानकारी देते हुए बारात न ले जाने के लिए समझाइश दी। जबलपुर और कटनी की टीमों के संयुक्त प्रयासों और काउंसलिंग के परिणामस्वरूप दोनों ही पक्ष अपनी गलती स्वीकार करने पर सहमत हुए और उन्होंने आपसी सहमति से इस विवाह को तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया।

सड़क पर अवैध रूप से बस खड़ी करने वालों पर प्रशासन की कार्यवाही

जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने और जाम की समस्या से मुक्ति दिलाने के लिए आज प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। कलेक्टर के निर्देश पर आज गरूड़ दल द्वारा नगर निगम, पुलिस और आरटीओ की संयुक्त टीम ने दीनदयाल चौक पर औचक दबिश दी। यातायात में बाधा डालने वाली बसों के खिलाफ एक संयुक्त अभियान चलाया गया।

बजाग में सामूहिक विवाह के साथ हुई 'स्व जनगणना' की अनूठी पहल, नवविवाहित जोड़ों ने भी जाना स्व जनगणना का महत्व

डिण्डोरी/दैनिक मालवा हेराल्ड। आकांक्षी विकासखंड बजाग में जिला प्रशासन की अभिनव पहल देखने को मिली। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन एवं एसडीएम श्री रामबाबू देवांगन के मार्गदर्शन में आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में 200 जोड़े एक साथ परिणय सूत्र में बंधे। इस आयोजन की सबसे खास बात रही कि विवाह स्थल को ही 'स्व जनगणना' का केंद्र बना दिया गया।

दरअसल 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक प्रदेश में 'स्व जनगणना' ऑनलाइन माध्यम से की जा रही है। इसे प्रभावी बनाने और अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन ने सामूहिक विवाह सम्मेलन का अवसर चुना। विवाह स्थल पर ही स्व जनगणना के लिए विशेष काउंटर लगाए गए। साथ ही लोगों की सहायता के लिए हेल्प डेस्क भी स्थापित किए गए जहाँ प्रशिक्षित कर्मचारी व शिक्षक तैनात रहे। आयोजन स्थल पर बनाए गए आकर्षक 'सेल्फी प्वाइंट' लोगों के आकर्षण का केंद्र बने। यहाँ आने वाले सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और ग्रामीणों ने पहले सेल्फी ली और फिर स्व जनगणना की ऑनलाइन प्रक्रिया को समझा।

सबसे उल्लेखनीय बात यह रही कि विवाह बंधन में बंधने वाले कुछ नवविवाहित वर और वधू का स्व जनगणना फॉर्म विवाह के तुरंत बाद ही ऑनलाइन भरवाया गया। इतना ही नहीं, विवाह में शामिल होने आए उनके परिजनों को भी स्व जनगणना का फॉर्म मोबाइल पर ऑनलाइन भरना सिखाया गया। इस कार्य में शिक्षकों की भूमिका सराहनीय रही। शिक्षकों ने ग्रामीणों को घर-घर जाकर नहीं बल्कि विवाह स्थल पर ही एकत्रित भीड़ को स्व जनगणना फॉर्म भरने के लिए प्रेरित किया और प्रक्रिया समझाई।

अक्षय तृतीया पर हाईवे पर सख्त चेकिंग: 24 वाहनों पर कार्रवाई, 25,800 रुपए वसूले

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्यारसपुर थाना क्षेत्रांतर्गत नेशनल हाईवे-146 पर ओलिंजा पेट्रोल पंप के पास रविवार को विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। जिला विदिशा के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के निर्देशानुसार आयोजित इस मजिस्ट्रियल जांच में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्री कादिर खान एवं थाना प्रभारी श्री गोकुल अजिनेरिया के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने वाहनों की सघन जांच की गई। अभियान के दौरान दोपहिया, चार पहिया, बस सहित विभिन्न वाहनों को रोककर उनके दस्तावेज, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के उपयोग की बारीकी से जांच की गई।

नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल 24 वाहनों के खिलाफ चालानी कार्रवाई करते हुए 25,800 रुपए की राशि वसूली गई। वहीं कई मोटरसाइकिलों को जब्त कर थाने में खड़ा कराया गया। अक्षय तृतीया के अवसर पर शादी समारोह में शामिल होने जा रहे लोगों की अधिक संख्या के कारण हाईवे पर यातायात का दबाव बढ़ा रहा। इस दौरान चेकिंग के चलते वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और करीब दो से तीन घंटे तक अभियान जारी रहा। न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री कादिर खान ने बताया कि यह कार्रवाई यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई है। उन्होंने वाहन चालकों को हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने तथा वाहन के वैध दस्तावेज–जैसे रजिस्ट्रेशन और ड्राइविंग लाइसेंस–साथ रखने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि नियमों का पालन न केवल व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए आवश्यक है, बल्कि किसी भी दुर्घटना की स्थिति में क्षतिपूर्ति प्राप्त करने में भी सहायक होता है। कार्रवाई के दौरान उप निरीक्षक धीरज सिंह गुर्जर सहित ग्यारसपुर थाना स्टाफ और विदिशा से आई टीम के सदस्य मौजूद रहे।

कंट्रोल रूम में सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई, ग्राम धनखेड़ी में रूकवाया गया नाबालिक बालक का बाल विवाह

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालगुरू के. के निर्देशानुसार सीहोर जिले में बाल विवाह की रोकथाम के लिए सक्रिय निगरानी और त्वरित कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जिला स्तरीय कंट्रोल रूम से प्राप्त सूचना के बाद महिला एवं बाल विकास विभाग एवं पुलिस की टीम ने सराहनीय पहल करते हुए ग्राम धनखेडी में एक नाबालिग बालक का विवाह रुकवाया।

जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री ज्ञानेश खरे ने बताया कि सीहोर जिले के ग्राम धनखेड़ी में एक बाल विवाह होने की सूचना मिली थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग पर्यवेक्षक श्रीमती गुलनाज जहां, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सीमा वर्मा, पंचायत सचिव भारत गुर, मंडी थाना पुलिस एवं एनजीओ के सुमित गौर की संयुक्त टीम तत्काल मौके पर पहुंची। जांच में पाया गया कि जिस बालक का विवाह किया जा रहा है उसकी उम्र 17 वर्ष 06 माह है, जो कि विधि अनुसार बाल विवाह की श्रेणी में आता है।

टीम ने मौके पर ही बालक के परिजनों को बाल विवाह निषेध अधिनियम के प्रावधानों से अवगत कराया और समझाइश दी कि 21 वर्ष से कम आयु के बालक का विवाह कराना दंडनीय अपराध है। टीम ने बालक के भविष्य पर इसके दुष्प्रभावों की भी विस्तार से जानकारी दी। टीम की समझाइश सहमति देते हुए परिजनों ने बालक की आयु 21 वर्ष पूर्ण होने तक विवाह स्थगित करने का निर्णय लिया। इस अवसर पर सभी ने एकजुट होकर बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराई के खिलाफ जागरूकता का संदेश दिया।

जबलपुर के नवाचार को मिली बड़ी पहचान

जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा वर्ष 2024-25 के लिए नवाचार के लिए मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार की घोषणा कर दी गई है, जिसमें संस्कारधानी जबलपुर ने अपनी सफलता का परचम लहराया है। इस गौरवशाली सूची में जबलपुर के नवाचार नवीनीकृत राजस्व अभिलेखागार एवं डिजिटल रिकॉर्ड लोकेशन प्रणाली को विशेष रूप से चुना गया है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए जबलपुर के तत्कालीन कलेक्टर श्री दीपक सक्सेना, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शिवाली सिंह, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शिवांगी जोशी और अधीक्षक श्रीमती विनीता झारिया को शासन द्वारा संयुक्त रूप से पुरस्कृत किया जा रहा है। इस नवाचार को नागरिक सेवा प्रदाय, सूचना प्रौद्योगिकी एवं सुशासन की श्रेणी में उत्कृष्ट माना गया है, जिसके लिए पुरस्कार स्वरूप एक लाख रुपये की राशि और प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया जाएगा। राज्य शासन द्वारा जारी इस आदेश के तहत प्रदेश भर के कुल 9 नवाचारों को चयनित किया गया है, जिसके लिए कुल 9 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। पुरस्कारों का वितरण सिविल सर्विस डे के अवसर पर नरोन्हा प्रशासन अकादमी, भोपाल में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में किया जाएगा। जबलपुर के अलावा आठ अन्य जिलों द्वारा भी नागरिक सेवा प्रदाय, सूचना प्रौद्योगिकी एवं सुशासन में नवाचार किये हैं। जिसमें गैर वन भूमि एवं जंगल से दूरी के प्रमाण पत्र ऑनलाईन जारी करने के लिए सॉफ्टवेयर का विकास, सामुदायिक पुलिसिंग को सशक्त बनाने के लिए पुलिस चौपाल अभियान, बजट साहित्य के साथ नवाचार के रूप में वित्त विभाग द्वारा मेरा बजट पुस्तिका का प्रकाशन, विभिन्न रोचक सहायक अधिगम सामग्री के माध्यम से शिक्षण कार्य, शक्ति दीदी योजना अंतर्गत आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को रोजगार दिलाने का कार्य, श्रम संबंधी अर्द्धन्यायिक प्रकरणों के निराकरण के लिए लेबर केसेस मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल का निर्माण, सुपर-100 योजना अंतर्गत जेईई एवं नीट परीक्षाओं में विद्यार्थियों का वृहद स्तर पर चयन तथा मातृ मृत्यु एवं शिशु मृत्यु को कम करने के संबंध में परिणाम मूलक कार्य शामिल हैं। मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार नियम 2022 के अनुसार, यह पुरस्कार राशि संबंधित टीम के सदस्यों में समान रूप से वितरित की जाएगी।

नारकोटिक्स की धोखाधड़ी पर सत्ता पक्ष की मुहर; तरुण बाहेती बोले- सांसद बंशीलाल गुर्जर के पत्र ने सच साबित किए कांग्रेस के आरोप

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती ने अफीम तौल और जांच प्रणाली को लेकर नारकोटिक्स विभाग की जड़ों पर प्रहार करते हुए इसे भ्रष्टाचार का एक बड़ा नेटवर्क करार दिया है। बाहेती ने कड़े शब्दों में कहा कि कांग्रेस पार्टी जो आरोप महीनों से लगा रही थी, आज उन आरोपों को सत्ता पक्ष के अपने ही राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर के पत्र ने पूरी तरह सच साबित कर दिया है। सांसद गुर्जर द्वारा नारकोटिक्स कमिश्नर को लिखा गया पत्र इस बात का पुख्ता प्रमाण है कि विभाग की जांच प्रणाली पूरी तरह फेल हो चुकी है और मशीनों की खराबी व पुराने पड़ चुके परीक्षण के तरीकों ने किसानों के पसीने की कमाई को मिट्टी में मिलाने का काम किया है।

जिलाध्यक्ष तरुण बाहेती ने भाजपा के राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर पत्र के हवाला देते हुए कहा की 12 अप्रैल 2026 को जारी परिणामों में भारी विसंगतियां थीं और विभाग खुद स्वीकार कर रहा है कि कई सैंपल की रिपोर्ट संदिग्ध पाई गई है। यह बेहद गंभीर मामला है कि जिस अफीम को तौल केंद्रों पर मशीनों द्वारा तकनीकी रूप से स्टैंडर्ड (स्वच्छ) श्रेणी में सही पाया गया था, उसी अफीम को बाद में विभाग ने किसानों के मोबाइल पर संदेश भेजकर हल्का और मॉर्फीन की कमी वाला बता दिया। यह सीधे तौर पर किसानों की आंखों में धूल झोंकने जैसा है क्योंकि जब एक ही अफीम के दो अलग-अलग जांच परिणाम सामने आ रहे हैं, तो यह साफ है कि कहीं न कहीं पर्दे के पीछे कोई बड़ा खेल चल रहा है जिससे किसानों के पट्टे और उनकी आर्थिक स्थिति खतरे में पड़ गई है।

बाहेती ने विभाग की दोहरी नीति को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि सरकार भुगतान तो गाढ़ता के आधार पर दे रही है लेकिन पट्टे की पात्रता के लिए मॉर्फीन को आधार बना रही है, जो कि सरासर अन्याय और किसानों का शोषण है। जिले का अन्नदाता आज मानसिक दबाव और भारी असंतोष के दौर से गुजर रहा है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष बाहेती ने मांग की है कि किसानों की आपत्तियों के आधार पर कम मॉर्फीन वाले गांवों के अफीम सैंपलों की दोबारा उच्च तकनीक वाली मशीनों से पारदर्शी तरीके से जांच कराई जाए। इसके साथ ही जिन किसानों के साथ अन्याय हुआ है, उन्हें अपनी बात रखने और अपील करने का उचित अवसर दिया जाना चाहिए ताकि कोई भी किसान व्यवस्था की भेंट न चढ़े।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस पूर्व में ही किसानों की आवाज को नारकोटिक्स डिप्टी कमिश्नर से मुलाकात के दौरान उठा चुकी है। लेकिन नई पुरानी अभी तक किसानों को कोई ठोस जवाब नारकोटिक्स विभाग से नहीं मिला है जो उचित नहीं है। बाहेती ने अपनी मांग दोहराते हुए कहा कि इस गंभीर मामले में नारकोटिक्स विभाग को स्पष्टीकरण जारी कर इस मामले में किसानों को संतुष्ट करना चाहिए अन्यथा यही माना जाएगा की नारकोटिक्स में किसानों को परेशान करना सबब बन चूका हैं।

किसान बेहाल,आखिर कहाँ भूमिगत हैं सांसद सुधीर गुप्ता- अफीम किसानों पर बढ़ते अत्याचार और नारकोटिक्स विभाग की मनमानी को लेकर जिला कांग्रेस ने क्षेत्रीय सांसद सुधीर गुप्ता की कार्यप्रणाली पर कड़ा प्रहार किया है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने सांसद की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए पूछा है कि जब आज क्षेत्र का किसान नारकोटिक्स विभाग की तानाशाही से पीड़ित है और अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है, तब सांसद सुधीर गुप्ता आखिर कहाँ छिपे हुए हैं? किसान हित के इतने संवेदनशील और बड़े मुद्दे पर सांसद का भूमिगत हो जाना उनकी संदिग्ध कार्यप्रणाली को उजागर करता है। जब नीति निर्धारण की बैठकों में किसानों का पक्ष रखने की जरूरत होती है, तब सांसद का मौन रहना क्षेत्र के अन्नदाताओं की पीठ में छुरा घोंपने जैसा है। जिला अध्यक्ष ने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि आखिर सांसद इस मुद्दे पर बोलने से क्यों बच रहे हैं? उनकी यह रहस्यमयी चुप्पी इशारा करती है कि वे किसानों के बजाय व्यवस्था की खामियों के साथ खड़े हैं। जनप्रतिनिधि का काम जनता की आवाज बनना होता है, लेकिन सुधीर गुप्ता ने चुप्पी साधकर किसानों को उनके हाल पर छोड़ दिया है, जो कि सरासर विश्वासघात है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष बाहेती ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि नारकोटिक्स विभाग की प्रताड़ना नहीं रुकी और प्रक्रिया में पारदर्शिता लाकर किसानों को न्याय नहीं दिया गया, तो कांग्रेस पार्टी चुप नहीं बैठेगी। अब यह लड़ाई सड़कों पर लड़ी जाएगी और कांग्रेस एक ऐसा व्यापक जनआंदोलन खड़ा करेगी जो इस सोई हुई सरकार और भूमिगत सांसद को जगाने का काम करेगा।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

उज्जैन की महिलाओं में बढ़ रहा मानसिक तनाव

महंगाई, बेरोजगारी और बदलती जीवनशैली का असर, चरक अस्पताल में एक साल में दोगुने हुए मरीज, काउंसलिंग और दवाओं से हो रहा उपचार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में मानसिक तनाव और अवसाद के मामलों में तेजी से इजाफा हो रहा है। खास बात यह है कि इन मामलों में महिलाओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। स्थिति यह है कि रोजाना करीब 10 से 15 महिलाएं मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों के पास परामर्श लेने पहुंच रही हैं।

शासकीय चरक अस्पताल के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2025 में मनो रोग ओपीडी में लगभग तीन हजार मरीज पहुंचे, जिनमें महिलाओं की संख्या अधिक रही। वर्तमान में भी अस्पताल में रोजाना महिलाओं की लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। कुछ साल पहले तक जहां मनो रोग विभाग में गिने-चुने मरीज आते थे, वहीं अब डॉक्टरों के कक्ष के बाहर भीड़ सामान्य बात हो गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि बेरोजगारी, बढ़ती महंगाई और तेजी से बदलती जीवनशैली इसके प्रमुख कारण हैं। पिछले एक साल में मानसिक रोगियों की संख्या लगभग दोगुनी हो चुकी है। तनाव और अवसाद से जूझ रहे लोग अब खुलकर इलाज और काउंसलिंग के लिए अस्पताल पहुंच रहे हैं, जो जागरूकता बढ़ने का संकेत भी है। डॉक्टरों के अनुसार महिलाओं में मानसिक तनाव से जुड़े मामलों की संख्या सबसे ज्यादा है। गृहिणियां, कामकाजी महिलाएं और नई नवेली दुल्हनें भी इस समस्या से प्रभावित हो रही हैं। परिवारों का टूटना, अकेलापन और सोशल मीडिया का बढ़ता प्रभाव भी मानसिक बीमारियों को बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहा है।

महिलाओं में डिप्रेशन बन रहा आम समस्या- विशेषज्ञों का कहना है कि वर्तमान समय में डिप्रेशन एक आम समस्या बनती जा रही है, लेकिन यह लाइलाज नहीं है। सही समय पर उपचार और काउंसलिंग से एक से दो माह में मरीज में सुधार संभव है।

यदि कोई महिला एक सप्ताह से अधिक समय तक लगातार उदास रहती है, खाने-पीने में रुचि कम हो जाती है, लोगों से दूरी बनाने लगती है या बातचीत में निराशा झलकती है, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ऐसे लक्षण मानसिक बीमारी के संकेत हो सकते हैं, जिनमें समय पर विशेषज्ञ से सलाह लेना बेहद जरूरी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने अपील की है कि मानसिक स्वास्थ्य को भी शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्व दें और जरूरत पड़ने पर बिना झिझक डॉक्टर से संपर्क करें।

खदान में डूबे 2 बच्चे, 7 को सुरक्षित निकाला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नागझिरी थाना क्षेत्र के ग्राम करोंदिया में सोमवार शाम हादसा हो गया। नहाने गये 9 बच्चे खदान में डूब गये। 7 को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। लेकिन 2 नहीं मिले। जिनकी तलाश के लिये रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया है। नागझिरी थाना पुलिस ने बताया कि ग्राम करोंदिया में कई खदान बनी हुई है। जिसमें पानी भरा हुआ है। शाम के समय कुछ बच्चे हिन्दू-मुस्लिम समुदाय के खदान में नहाने गये थे। इस दौरान कुछ बच्चे गहरे पानी में चले गये। बच्चों को डूबता देख 7 को लोगों ने सुरक्षित बाहर निकाला लिया। लेकिन 2 बच्चे गहराई में चले गये थे। जिनकी तलाश के लिये एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया और सर्चिंग शुरू की गई। देर शाम 7.30 बजे के लगभग एक बच्चे का शव गहराई में दिखाई देने लगा था, जिसे बाहर निकालने के प्रयास जारी थी। डूबे बच्चों के नाम शुभम और अनस सामने आ रहे है। बच्चों के डूबने की खबर मिलते ही आसपास के ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई थी। थाना प्रभारी कलम निगवाल के अनुसार बच्चों को बाहर निकालने के बाद मामला स्पष्ट हो पायेगा। बच्चे करोंदिया के आसपास के रहने वाले है।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाला युवक 6 घंटे में पकड़ाया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नाबालिग को अकेला पाकर 4 माह पहले दुष्कर्म करने वाले युवक को पुलिस ने मामला सामने आने के बाद 6 घंटे में गिरफ्तार कर लिया। रविवार दोपहर आरोपी युवक को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है। चिंतामण थाना क्षेत्र के गांव में रहने वाली 17 साल की बालिका को परिजन शनिवार शाम थाने लेकर पहुंचे थे। जहां नाबालिग ने बताया कि उसके माता-पिता प्रतिदिन सुबह मजदूरी पर चलते जाते है, वह घर पर अकेली रहती है। 4 माह पहले गांव के रहने वाले अमन पिता संजू चौहान ने उसे अकेला पाकर उसके साथ अनैतिक काम किया था और धमकी दी कि किसी को बताया तो जान से मार देगा। वह काफी डर गई थी। जिसके चलते परिजनों को घटना नहीं बताई। परिजनों ने बताया कि पेट दर्द होने पर बेटी को अस्पताल लेकर पहुंचे थे, जहां गलत काम होना सामने आया। थाना प्रभारी हेमराज यादव के अनुसार मामला नाबालिग के साथ अनैतिक काम और धमकी देने का होना पर आरोपित युवक अमन के खिलाफ संगीन धारा में प्रकरण दर्ज किया गया और गिरफ्तारी के लिये एसआई चुन्नीलाल माले, प्रधान आरक्षक राहुल कुशवाह, गणेश कुमार, महिला आरक्षक प्रेरणा की टीम बनाई गई। अमन के ठिकानों का पता लगाया गया और दबिश दी गई। 6 घंटे में आरोपित को गिरफ्तार कर लिया।

सुरक्षित पर्यटन स्थल परियोजना के तहत महिलाओं को किया जागरूक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड भोपाल की महिलाओं हेतु सुरक्षित पर्यटन स्थल परियोजना के अंतर्गत पंचकोशी यात्रा के समापन अवसर पर यात्रियों का स्वागत किया गया। संस्था सेंटर फॉर एडवांस रिसर्च एंड डेवलपमेंट कार्ड द्वारा ग्राम ऊंडासा तथा रामघाट पर परियोजना की तरफ से यात्रियों को कैप और बिस्किट के पैकेट वितरित किए गए। इस दौरान यात्रा कर रही महिलाओं को परियोजना के उद्देश्यों से अवगत कराया गया। संस्था के सदस्यों ने बताया कि पर्यटन बोर्ड की इस पहल के तहत महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण और सम्मान को लेकर कार्य किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य महिला पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, उन्हें अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना और कौशल प्रशिक्षण के जरिए उनके आर्थिक व सामाजिक विकास के स्तर को ऊंचा उठाना है। कार्यक्रम में जानकारी दी गई कि संस्था द्वारा प्रशिक्षित महिलाएं वर्तमान में अलग-अलग क्षेत्रों में सुरक्षाकर्मी, ई-रिक्शा चालक, पेट्रोल पंप कर्मी, बिलिंग एग्जीक्यूटिव और हैंडीक्राफ्ट आर्टिस्ट के रूप में कार्य कर रही हैं, जो महिला सशक्तिकरण का एक बेहतरीन उदाहरण है। परियोजना के तहत किए जा रहे कार्यों और महिलाओं की आत्मनिर्भरता के बारे में सुनकर मौजूद यात्रियों ने प्रशंसा की तथा मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड भोपाल व संस्था कार्ड को शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया।

अक्षय तृतीया पर रत्नागिरी के हापुस आम और हिमालय की केसर से सजा महाकाल का दरबार

पुणे के कोलते परिवार ने अर्पित की 22 लाख की भोग सामग्री

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। अक्षय तृतीया के अवसर पर महाकालेश्वर मंदिर में पुणे के कोलते परिवार ने बाबा महाकाल को 22 लाख रुपए का महाभोग अर्पित किया। इस महाभोग में 1250 किलो रत्नागिरी के प्रसिद्ध हापुस आम और 1250 ग्राम शुद्ध हिमालयी केसर शामिल रही।

आमों को स्वर्ण वर्क और केसर से सजाकर नई चांदी की थालियों में विधि-विधान से भगवान को अर्पित किया गया।

महाकाल मंदिर के साथ शहर के अन्य प्रमुख मंदिरों में भी भोग चढ़ाया। इनमें कालभैरव मंदिर, हरसिद्धि माता मंदिर, मंगलनाथ मंदिर, गढकालिका माता मंदिर, विक्रांत भैरव मंदिर सहित छह देवस्थानों में प्रत्येक स्थान पर 125 किलो आम और 12 ग्राम केसर अर्पित की गई। इस प्रकार कुल 750 किलो आम और 72 ग्राम केसर का भोग लगाया गया। पूरा आयोजन मंदिर के पुजारियों और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में विधिवत हुआ। भोग सामग्री मंदिर में ही जमा कराई गई। इस दौरान श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दरबार में सजाए गए आम और केसर के विशेष श्रृंगार के दर्शन किए।

गिरफ्त में अनमोल गुर्जर को फरार कराने वाले 6 आरोपी

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। हीरामिल की चाल में गोली चलाने वाले आरोपियों में शामिल कुख्यात बदमाश अमनोल गुर्जर को फरार कराने वाले 6 आरोपियों को पुलिस ने अभिरक्षा में ले लिया है। अनमोल की सरगर्मी से तलाश की जा रही है। गोलीकांड का मुख्य आरोपी पूर्व में पकड़ा गया था, जो जेल की सलाखों में है।

देवासगेट थाना क्षेत्र में 14 अप्रैल की रात हीरामिल की चाल ब्रिज के नीचे लव निर्मल निवासी विष्णुपुरा को दोनों पैरों में गोली मार दी गई थी। पुलिस ने चंद घंटो में गोली मारने वाले मुख्य आरोपी जय उर्फ बच्चा चौहान निवासी शांतिनगर को गिरफ्तार कर 12 बोर का कट्टा बरामद किया था। पूछताछ में उसने अनमोल गुर्जर और एक अन्य साथी के साथ पुरानी रंजीश में गोली मारना कबूल किया था। पुलिस अनमोल और फरार एक अन्य साथी की तलाश में लगी थी। इस बीच फरार अन्य आरोपी विकास पिता रमेशचंद्र सिरोलिया अमननगर छोटी मायापुरी को गिरफ्तार किया गया। जिसने पूछताछ में अनमोल की फरारी में मदद करने वाले नवनीत पिता धोलालाल नायक 22 साल जयसिंहपुरा, यशवंत उर्फ यश पिता संजय कौशल 21 साल राधा परिसर नानाखेड़ा, जतिन पिता मोहनलाल सूर्यवंशी 20 साल महाकाल मार्ग, प्रीतम पिता गजराजसिंह ठाकुर 20 साल डांडा भवन क्षेत्र और शीतल उर्फ शीतू पिता दिलीप त्रेणावत 23 साल निवासी संजय नगर नानाखेड़ा के नामों का खुलासा किया। विकास सारोलिया को रिमांड पर लेकर अनमोल की फरारी में मदद करने वाले पांचों आरोपियों को अभिरक्षा में ले लिया गया। जिनके पास से एक पल्सर बाईक और सुजुकी एक्सेस गाड़ी बरामद की गई है। सभी से अनमोल और अन्य बदमाशों के संबंध में पूछताछ जारी है।

उज्जैन में ऊंची इमारतें बढ़ीं, लेकिन आग बुझाने के इंतजाम नाकाफी

50 से ज्यादा हाईराइज बिल्डिंग, दमकल विभाग अब भी 35 साल पुराने संसाधनों के भरोसे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में तेजी से विकास हो रहा है और हर साल नई-नई बहुमंजिला इमारतें खड़ी हो रही हैं। लेकिन इन ऊंची इमारतों में आग लगने की स्थिति से निपटने के लिए नगर निगम के दमकल विभाग के पास पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। हालात यह हैं कि 50 से अधिक ऊंची इमारतों वाले शहर में आग बुझाने के लिए आधुनिक सुविधाएं लगभग न के बराबर हैं।

जानकारी के मुताबिक, शहर में कई सात मंजिला और उससे अधिक ऊंचाई वाली इमारतें मौजूद हैं, लेकिन इनके लिए जरूरी फायर सेफ्टी इंतजाम पर्याप्त नहीं हैं। यदि किसी बहुमंजिला इमारत में आग लगती है, तो जान-माल के बड़े नुकसान की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

सबसे चिंताजनक स्थिति अस्पतालों की है। शहर के एक बड़े अस्पताल में सात मंजिल तक मरीज भर्ती रहते हैं, जिनमें छोटे बच्चे और गर्भवती महिलाएं भी शामिल हैं। ऐसे में आग लगने की स्थिति में इनकी सुरक्षा एक बड़ा सवाल बन जाती है। दमकल विभाग की स्थिति भी बेहद कमजोर है। विभाग के पास मौजूद फायर फाइटर और वाटर टैंकर करीब 35 साल पुराने हैं। रिकॉर्ड के अनुसार, नगर निगम ने फायर ब्रिगेड के दो वाहन वर्ष 1992 में खरीदे थे, जो आज भी उपयोग में हैं। इसके अलावा पानी पहुंचाने वाले टैंकर भी उतने ही पुराने हो चुके हैं। हैरानी की बात यह है कि पूरे जिले में आग बुझाने की जिम्मेदारी इन्हीं सीमित संसाधनों पर टिकी हुई है। विशेषज्ञों के अनुसार, जिले को कम से कम दो दर्जन दमकल वाहनों और हाईड्रोलिक फायर फाइटर जैसी आधुनिक मशीनों की जरूरत है, ताकि ऊंची इमारतों में आग लगने पर प्रभावी तरीके से राहत कार्य किया जा सके। इसके बावजूद अब तक सुरक्षा इंतजामों में कोई बड़ा सुधार नहीं हुआ है। शहर में कई ऐसी इमारतें हैं, जहां अब तक फायर एनओसी तक नहीं ली गई है। ऐसे में कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है और इसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ सकता है।

प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण के साथ सुरक्षा व्यवस्थाओं को भी मजबूत किया जाए, ताकि किसी अनहोनी से पहले ही हालात को संभाला जा सके।

उज्जैन में 15 साल पुरानी 65 बसें परिवहन विभाग के निशाने पर

यात्रियों की सुरक्षा को लेकर सख्ती, आरटीओ और पुलिस को सूची भेजी, हाईकोर्ट के निर्देश के बाद तेज हुई कार्रवाई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश में 15 साल से अधिक पुरानी यात्री बसों के खिलाफ परिवहन विभाग ने सख्त रुख अपना लिया है। इसी क्रम में उज्जैन जिले में ऐसी करीब 65 बसें चिन्हित की गई हैं, जिन पर अब चरणबद्ध कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने इन बसों की सूची आरटीओ कार्यालयों के साथ-साथ पुलिस अधीक्षक को भी भेज दी है, ताकि स्थानीय स्तर पर लगातार निगरानी और कार्रवाई निर्धारित हो सके।

परिवहन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश में कई पुरानी बसें अब भी ग्रामीण रूट्स पर संचालित हो रही हैं। पूरे मध्यप्रदेश में ऐसी बसों की संख्या करीब 839 बताई जा रही है। इनमें सबसे अधिक मामले जबलपुर संभाग में सामने आए हैं, जबकि रीवा संभाग में संख्या अपेक्षाकृत कम है। उज्जैन में भी लगभग 65 बसें ऐसी हैं, जो निर्धारित समय सीमा पार कर चुकी हैं और पूरी तरह कंडम की श्रेणी में आती हैं।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि 15 साल से अधिक पुरानी स्टेज कैरिज बसों को परमिट नहीं दिया जा सकता। ऐसे में बस संचालकों को या तो वाहन बदलना होगा या संचालन बंद करना पड़ेगा। इसके लिए प्रदेशभर के आरटीओ और पुलिस अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं, ताकि इन बसों को सड़क से हटाया जा सके।

यात्रियों की सुरक्षा सबसे बड़ा मुद्दा- परिवहन विभाग के अनुसार 15 साल से अधिक पुरानी बसों में तकनीकी खामियों का खतरा बढ़ जाता है। इन वाहनों के ब्रेक, सस्पेंशन, बॉडी स्ट्रक्चर और इमरजेंसी सिस्टम कमजोर हो जाते हैं, जिससे हादसों की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। यही कारण है कि विभाग इस मामले में कोई ढील नहीं बरत रहा और सख्ती से नियम लागू किए जा रहे हैं।

हाईकोर्ट के आदेश से बढ़ी सख्ती- हाल ही में जबलपुर हाईकोर्ट ने भी स्पष्ट किया है कि 15 साल से ज्यादा पुरानी बसों का संचालन नियमों के खिलाफ है। कोर्ट ने राज्य सरकार और परिवहन विभाग को निर्देश दिए हैं कि ऐसी बसों को तत्काल हटाया जाए और फिटनेस व परमिट नियमों का कड़ाई से पालन कराया जाए। साथ ही यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिए गए हैं।

स्थानीय स्तर पर भी होगी कार्रवाई- परिवहन मुख्यालय ने सभी जिलों को निर्देश दिए हैं कि चिन्हित बसों की सूची ग्रामीण थानों तक भी पहुंचाई जाए, ताकि स्थानीय स्तर पर भी इन वाहनों के संचालन पर रोक लगाई जा सके। प्रशासन का कहना है कि जल्द ही अभियान चलाकर इन बसों पर कार्रवाई की जाएगी।

सड़क हादसों में आएगी कमी- उज्जैन सहित पूरे प्रदेश में अब पुरानी और जर्जर बसों के दिन गिने-चुने रह गए हैं। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए परिवहन विभाग का यह कदम आने वाले समय में सड़क हादसों को कम करने में अहम भूमिका निभा सकता है।

सोना-चांदी में उछाल से अक्षय तृतीया पर भी बाजार रहा फीका

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सराफा बाजार में इस बार अक्षय तृतीया का उत्साह फीका नजर आया। सोना-चांदी के दामों में तेज बढ़ोतरी के कारण ग्राहक खरीदारी से दूरी बनाते दिखे।

उज्जैन सराफा व्यापारियों के अनुसार पिछले साल जहां सोना करीब 90 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 95 हजार रुपये प्रति किलो के आसपास थी, वहीं इस साल कीमतें बढ़कर सोना 1.54 लाख और चांदी 1 लाख रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई हैं। कीमतों में इस उछाल ने आम ग्राहकों की जेब पर सीधा असर डाला है। पहले जहां त्योहार पर जमकर खरीदारी होती थी, वहीं इस बार लोग सिर्फ औपचारिकता निभाते नजर आए। बड़े आभूषणों की जगह ग्राहकों ने छोटे सिक्कों और हल्के गहनों को प्राथमिकता दी।

व्यापारियों का कहना है कि ऑनलाइन बाजार के बढ़ते प्रभाव का भी असर दिखा है। कई ग्राहक बाजार आने के बजाय ऑनलाइन विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं। इससे पारंपरिक सराफा बाजार में रौनक कम रही।

शादी-विवाह का सीजन होने के बावजूद बाजार में अपेक्षित भीड़ नहीं दिखी। आमतौर पर इस समय अच्छी खरीदारी होती है, लेकिन बढ़ती कीमतों के चलते इस बार ग्राहक सोच-समझकर ही खर्च कर रहे हैं।

टल्ला लगने पर हुए विवाद में युवक को मारे चाकू

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रात 12:30 बजे टल्ला लगने की बात पर युवक पर चाकू से हमला कर दिया गया। गंभीर घायल युवक को चरक अस्पताल लाया गया जहां से रात में उपचार के लिए निजी अस्पताल ले जाया गया है।

आगर रोड स्थित बापू नगर में रहने वाले हेमंत उर्फ अभिषेक पिता रामबाबू परिहार की गली में शादी का कार्यक्रम चल रहा था। इस दौरान निकलने पर अभिषेक उर्फ हेमंत और सुजल चौहान आपस में टकरा गए। टल्ला लगने पर सुजल ने विवाद किया लेकिन मामला शांत हो गया। रात 12:30 बजे के लगभग सुजल अपने एक साथी के साथ वापस लौटा और हेमंत उर्फ अभिषेक पर चाकू से हमला कर दिया। घायल हेमंत को परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे सुजल मौके से भाग निकला। चरक अस्पताल से सूचना मिलते ही पुलिस घायल के बयान दर्ज करने पहुंची लेकिन हालत गंभीर होने पर उसे निजी अस्पताल ले जाया गया था। पुलिस ने रात में ही बयान दर्ज कर सुजल पिता अशोक चौहान निवासी बापूनगर और उसके साथी के खिलाफ जानलेवा हमले का प्रकरण दर्ज कर लिया। सुजल घर से फरार हो गया है जिसकी तलाश की जा रही है।

अज्ञात लोगों ने युवक पर किया हमला- घटिया तहसील के ग्राम भूतिया बड़ला में रहने वाला मांगीलाल पिता घासीराम बंजारा 30 साल बेलदारी का काम करता है। रात में उज्जैन से कम कर बस से घटिया लौटा था जहां से पैदल घर की ओर जा रहा था इस दौरान पीछे से अज्ञात लोगों ने उसे पर हमला कर दिया। गांव में शादी थी कुछ लोगों ने घायल पड़े युवक का वीडियो बनाया और वायरल कर दिया कुछ देर में घायल की पहचान हो गई परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे आज सुबह तक मांगीलाल को होश नहीं आया था। होश आने पर ही उसे पर हमला करने वालों की जानकारी सामने आ पाएगी।

मादक पदार्थ ड्रग्स के साथ हिरासत में तीन बदमाश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में दो गैंग के बीच चली आ रही रंजीश में पुलिस द्वारा चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान में तीन बदमाशों को मादक पदार्थ ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया गया है। एक आई 20 कार भी बरामद की गई है।

चिमनगंज थाना पुलिस ने बताया कि मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि उण्डासा रोड गरोठ रोड पुलिया के नीचे एक व्यक्ति अवैध मादक पदार्थ एम.डी. ड्रग्स लिये किसी अन्य व्यक्ति को देने के उद्देश्य से खड़ा है। सूचना के आधार पर कार्यवाही करते हुए उप निरीक्षक राजाराम चौहान मय पुलिस बल के मुखबिर द्वारा बताए गए स्थान पर पहुंचे। एक व्यक्ति पुलिया के नीचे खड़ा दिखाई दिया, जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा। जिसे पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ में उसने अपना नाम धर्मेन्द्र उर्फ धम्मू पिता श्यामसिंह बुंदेला 51 वर्ष निवासी जनता कॉलोनी, आगर रोड, उज्जैन बताया। आरोपी बुंदेला गैंग का सक्रिय सदस्य है तथा कुख्यात बदमाश जीतू बुंदेला का भाई होना सामने आया है। तलाशी लेने पर लोवर (पेन्ट) की दाहिनी जेब से एक पारदर्शी प्लास्टिक पन्नी में हल्के पीले रंग का संदिग्ध पदार्थ मिला। उक्त पदार्थ की पहचान एम.डी. ड्रग्स के रूप में की गई। जो 28 ग्राम कीमत करीब 35 हजार रुपये बरामद हो गया। मोके से धर्मेंद्र की कार MP13 CC 3125 भी जप्त की गई है।

नीलगंगा पुलिस ने पकड़ी 25 ग्राम ड्रग्स- नीलगंगा थाना पुलिस ने वाकणकर ब्रिज के पास पार्किंग स्थल से नमन उर्फ नवीन पिता हरनाम सिंह गुर्जर 30 वर्ष, निवासी विश्वबैंक कॉलोनी, चिमनगंज और चंद्रशेखर पिता हरनाम सिंह गुर्जर 38 वर्ष को पकड़ा है। दोनों के पास से 25 ग्राम एम.डी. ड्रग्स मिली है। दोनों मामलों में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/22 का प्रकरण दर्ज कर पूछताछ की जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने फिरोजिया ट्रॉफी के विजेता टीम को 1 लाख रुपए और उपविजेता टीम को 51 हजार रुपए नगद की घोषणा की

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रत्येक वर्ष की तरह रात की 12 बजे भी मैदान में बड़ी संख्या में खेल प्रेमियों की उपस्थिति उज्जैन के नागरिकों का खेल के प्रति प्रेम दर्शाता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं में खेल भावना विकसित करते हैं और प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम हैं। जिले में नानाखेड़ा स्थित राजमाता विजयराजे सिंधिया स्टेडियम , माधव नगर स्थित मैदान, दशहरा मैदान आदि मैदानों पर खेल की व्यवस्थाओं का आधुनिकरण किया गया है। इन सभी मैदानों के साथ क्षीर सागर मैदान को भी आधुनिक स्टेडियम के रूप में नगर निगम और खेल विभाग द्वारा विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विजेता टीम को रुपए 1 लाख और उपविजेता टीम को 51 हजार के अतिरिक्त नगद पुरस्कार देने की घोषणा भी की।

सिंहस्थ के लिए महत्वपूर्ण ग्रीन फील्ड फोरलेन का कार्य समय सीमा में पूर्ण किया जाए- संभागायुक्त श्री सिंह

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह और कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने एमपीआरडीसी (मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम) के अधिकारियों के साथ चंद्रावतीगंज पहुंचकर इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड कॉरिडोर का निरीक्षण किया। इस दौरान संभागायुक्त श्री सिंह ने ग्रीन फील्ड कॉरिडोर निर्माण प्रगति की जानकारी ली। संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि साप्ताहिक लक्ष्य के साथ कार्य तेज गति से किया जाए। निर्माण कार्य के दौरान उपयोग होने वाली निर्माण सामग्री की गुणवत्ता का ध्यान रखा जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर आगामी सिंहस्थ 2028 महापर्व को ध्यान में रखकर श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए इंदौर-उज्जैन के बीच नया फोर लेन ग्रीन फील्ड कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है। फोर लेन सड़क निर्माण कार्य की प्रगति देखने के लिए सोमवार को संभागायुक्त श्री आशीष सिंह और कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने चंद्रावतीगंज में ग्रीन फील्ड कॉरिडोर निर्माण की जानकारी लेकर एमपीआरडीसी के अधिकारियों निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव की इस महत्वकांक्षी योजना को शीघ्र पूर्ण करने का लक्ष्य रखें जिससे 2028 में आयोजित होने वाले विश्वस्तरीय सिंहस्थ महापर्व से पहले इस 48.10 किलोमीटर लंबे फोरलेन हाईवे का निर्माण समय पर पूरा किया जा सके।

उल्लेखनीय है कि नया फोरलेन हाईवे इंदौर से उज्जैन की दूरी को घटाकर 48 किमी कर देगा, जिससे यात्रा का समय घटकर मात्र 30-35 मिनट रह जाएगा। किसानों की मांगों को देखते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इसे 'एलिवेटेड' के बजाय